शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शनिवार 09 अगस्त 2025 ● श्रावण पूर्णिमा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 123 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

याद रहे, आदिवासियत से ही बचेगी दुनिया

सुधीर पाल

21वीं सदी के इस शोर-गुल में जहां पूरी दुनिया तकनीक, मुनाफा और विकास की रफ्तार पर सवार है—वहीं पृथ्वी की सांसें धड़कनों से तेज़ हांफ रही हैं. वायुमंडल गर्म हो रहा है, नदियां सूख रही हैं, पेड़ कट रहे हैं, और जानवरों की प्रजातियां गुम होती जा रही हैं. जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं—वर्तमान की त्रासदी है. इस विनाश के बीच अगर धरती अब भी जीवित है—तो उसका श्रेय उन लोगों को जाता है जो धरती को माता और जंगल को देवता मानते आए हैं. यही लोग हैं जिन्हें हम 'आदिवासी' कहते हैं—और जिनकी जीवनशैली में ही वह 'मंत्र' छिपा है जो आज दुनिया को बचा सकता है.

ठीक आदिवासी दिवस के करीब हजारों आदिवासी हसदेव अरण्य क्षेत्र को बचाने के लिए लड़ रहे हैं. छत्तीसगढ़ सरकार ने हसदेव अरण्य क्षेत्र में केंटे विस्तारित कोयला परियोजना को मंजूरी दे दी है. इसके लिए 1742 हेक्टेयर घने वन भूमि को नष्ट करना आवश्यक है. यह मंजूरी सरगुजा जिला वन अधिकारी द्वारा स्थल के तथाकथित निरीक्षण के बाद दी गई है. यदि यह परियोजना लागू हो जाती है, तो पहले से ही बुरी तरह प्रभावित उन क्षेत्रों में और भी ज़्यादा तबाही मच जाएगी जहां खनन कार्य चल रहा है. आधिकारिक निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 4.5 लाख पेड़ काटे जाएंगे. ये पेड़ घने जंगल में हैं, जहां कार्बन अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण देशी पेड़ बहुतायत में हैं. इस क्षेत्र में खुले में खनन से

विश्व आदिवासी दिवस आज

पहले ही हज़ारों पेड़ नष्ट हो चुके हैं, पानी और ज़मीन प्रदूषित हो चुकी है. इसके अलावा, इन परियोजनाओं को संबंधित ग्राम सभाओं की राय और संविधान व कानूनी ढांचे के उन प्रावधानों की अनदेखी करके शुरू किया जा रहा है जो ग्राम सभाओं की सहमति को अनिवार्य बनाते हैं. ओपन कास्ट माइनिंग वास्तविक परियोजना से परे एक बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र को प्रभावित करती है. इसलिए, भले ही इस विशिष्ट क्षेत्र में मानव बस्ती नगण्य हो, लेकिन क्षेत्र के बाहर के कई गांव इससे बुरी तरह प्रभावित होंगे. स्थानीय समुदायों की ओर से सरकार को 1500 से ज़्यादा लिखित आपत्तियां दी गई थीं. लेकिन इन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया गया.

आदिवासी होना क्या है?

'आदिवासी' केवल एक जनजातीय समुदाय नहीं है—यह एक जीवनशैली, एक सभ्यता और एक सोच है, जिसमें संरक्षण, सहजीवन और संवेदना के बीज छिपे हैं. जब हम कहते हैं "आदिवासियत से ही बचेगी दुनिया", तो उसका अर्थ यह नहीं कि दुनिया को आदिवासी बन जाना चाहिए, बल्कि यह कि दुनिया को आदिवासी सोच से जीना सीखना होगा. जहां पेड़ काटने से पहले उससे क्षमा मांगी जाती है. जहां हर जीव, हर नदी, हर पहाड़ एक रिश्ते के रूप में देखा जाता है. जहां 'पाया नहीं, साझा किया जाता है'—और विकास का अर्थ लूट नहीं, लय होता है.

संख्या में छोटे, मूल्य में बड़े

भारत में लगभग 10.5 करोड़ आदिवासी हैं—कुल जनसंख्या का लगभग 8.6%. ये लोग 700 से अधिक जनजातियों में विभाजित हैं, लेकिन एक चीज़ इन सभी को जोड़ती है—प्रकृति से गहरा रिश्ता. ये वे लोग हैं जिनका कोई कार्बन फुटप्रिंट नहीं, फिर भी जलवायु न्याय की सबसे बड़ी कीमत ये ही चुकाते हैं. ये वो लोग हैं जिन्होंने कभी जंगल पर अधिकार नहीं जताया, लेकिन जंगलों को सबसे अधिक बचाया. इनके जीवन का सबसे बड़ा पाठ है—"हम प्रकृति के मालिक नहीं, उसके साझेदार हैं."

जश्न नहीं, जिम्मेदारी

हर साल 9 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व आदिवासी दिवस दुनिया भर के उन समुदायों को सम्मानित करता है जिन्होंने संपत्ति नहीं, सहअस्तित्व को चुना. लेकिन यह दिन केवल भाषण और नाच-गाने के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि यह पूछने का दिन है— क्या हमारी विकास नीति आदिवासी जमीन और जल को लीलती जा रही है? क्या खनन, बांध और सड़क परियोजनाएं जंगलों से आदिवासी और उनके विश्वास को बेदखल कर रही हैं? क्या हमने "आदिवासी" को केवल संस्कृति तक सीमित कर दिया है, और उसके राजनीतिक अधिकारों को छीन लिया है?

विडंबना देखिए आप जब इन पंक्तियों को पढ़ रहे होंगें, छत्तीसगढ़ सरकार विश्व आदिवासी दिवस पर एक भव्य और ऐतिहासिक जश्न मना रही है. हजारों आदिवासी अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि यह आदिवासी दिवस आदिवासियों के लिए है या हसदेव के जंगलों को तबाह, बरबाद करने का उत्सव है. -शेष पेज 11 पर

ब्रीफ न्यूज

मंत्री सोरेन का ब्रेन काम नहीं कर रहा: इरफान

दुमका। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती स्वास्थ्य मंत्री रामदास सोरेन की हालत गंभीर बनी हुई है. उनका ब्रेन काम नहीं कर रहा. यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दी है. दुमका में अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि अपोलो अस्पताल में ब्रेन के डॉक्टर्स सोरेन उनका इलाज कर रहे हैं. उनकी लगातार डॉक्टरों से बात हो रही है. उनकी रिपोर्ट अमेरिका भेजकर विशेषज्ञों की राय ली गयी है, जिस पर रविवार को काम होगा.

एसआईआर के खिलाफ संसद पर प्रदर्शन जारी

नयी दिल्ली। इंडिया अलायंस में शामिल दलों के सांसद हर दिन बिहार एसआईआर के खिलाफ संसद भवन में प्रदर्शन कर रहे हैं. इस क्रम में शुक्रवार को भी संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया. विपक्षी सांसदों ने इसे वापस लेने की मांग की. साथ ही उन्होंने सदन में इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की. बिहार एसआईआर के खिलाफ बैनर और पोस्टरों के साथ विपक्षी सांसदों ने नारे लगाये विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी शामिल हुई.

300 रुपए सिलेंडर सब्सिडी को मंजूरी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी देने को मंजूरी दी गई है. इसके लिए 12 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे. फैसले की जानकारी देते हुए मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएमयूवाई उपभोक्ताओं की औसत प्रति व्यक्ति खपत 2019-20 में केवल 3 रिफिल थी, जो 2022-23 में 3.68 रिफिल और 2024-25 में बढ़कर लगभग 4.47 रिफिल हो गई है.

बेंगलुरु रैली में राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर फिर वार, बोले-

मुझसे एफिडेविट मांगते हैं मैंने संसद में शपथ ली है

एजेंसियां। बेंगलुरु

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा. उन्होंने बेंगलुरु में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वोट की चोरी संविधान के साथ धोखा है. हमें हर हाल में संविधान को बचाना है. राहुल गांधी ने फ्रीडम पार्क में वोट अधिकार रैली में कहा कि संविधान हर नागरिक को वोट देने का अधिकार देता है. लेकिन अब देश की संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है. संविधान से छेड़छाड़ की जा रही है. पिछले चुनाव में बीजेपी, नरेंद्र मोदी और इनके नेताओं ने संविधान पर हमला किया. हिंदुस्तान की संस्थानों को खत्म करके संविधान पर हमला किया गया.

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग मुझसे एफिडेविट मांगता है. मैंने संसद के भीतर संविधान पर हाथ रखकर शपथ ली है. आज जब हिंदुस्तान की जनता हमारे डेटा को लेकर आयोग से सवाल पूछ रहा है तो इलेक्शन आयोग ने अपनी वेबसाइट बंद कर दी है. आयोग ने राजस्थान और बिहार में अपनी वेबसाइट बंद कर दी है क्योंकि वे जानती है कि अगर हिंदुस्तान की जनता ने इसी डेटा को लेकर सवाल पूछना शुरू कर दिया तो उनकी पोल खुल जाएगी.

कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट दे. कल मैंने साबित किया है कि देश में वोटों की चोरी हुई है. अगर चुनाव आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट दे दें तो हम साबित कर देंगे कि हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री वोट चोरी कर प्रधानमंत्री बना है. उन्होंने कहा कहा कि कि आपको याद होगा कर्नाटक की सरकार चोरी की गई थी.

राहुल गांधी को चुनाव आयोग की दो टूक

शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर देश से माफी मांगें

इस बीच, चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए. अगर राहुल ऐसा नहीं करते हैं, तो इसका मतलब होगा कि उन्हें अपने विश्लेषण, निष्कर्षों और बेतुके आरोपों पर विश्वास नहीं है. ऐसी स्थिति में उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए. इसलिए उनके पास दो विकल्प हैं- या तो घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें.

पैसा देकर चोरी की गई थी. मैं आपसे 100 फीसदी सबूत के साथ कह रहा हूं कि लोकसभा भी चोरी की गई है. बीजेपी की विचारधारा संविधान के खिलाफ है. लेकिन हर कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता और नेता संविधान की रक्षा करेगा.

जादू से 1 करोड़ लोग आ गए : राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पता लगाया तो पता चला की 1 करोड़ नए लोग वोट डालने निकल आए. उन्होंने कहा, जो लोग लोकसभा में वोट डालने नहीं आए थे, वे 1 करोड़ लोग जादू से वोटिंग करने आ गए. इन बढ़े हुए वोट के सहारे इन्होंने चुनाव जीता. हमें पता था कि दाल में कुछ काला है. कर्नाटक में भी हम लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर जीत रहे थे, लेकिन हम केवल 9 सीट जीते. यह भी फर्जी तरीके से हुआ था. हमने पता लगाया है, लेकिन चुनाव आयोग कोई जवाब नहीं दे रहा है.

देश के गुनहगार सुन लें- वक्त बदलेगा, सजा मिलेगी: इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया. उन्होंने लिखा, वोट चोरी सिर्फ एक चुनावी घोटाला नहीं, ये संविधान और लोकतंत्र के साथ किया गया बड़ा धोखा है. देश के गुनहगार सुन लें- वक्त बदलेगा, सजा जरूर मिलेगी.

खरगे ने भी मोदी सरकार पर साधा निशाना

2019 में कांग्रेस फर्जी वोटों के चलते ही हारी

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को बंगलूरू के फ्रीडम पार्क में आयोजित वोट अधिकार रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2019 का लोकसभा चुनाव भी फर्जी वोटों के कारण हारा था. खरगे ने कहा कि मोदी सरकार चोरी की सरकार है. देश को फर्जी वोटों से रुला रही है. मैंने 2019 में कहा था कि कांग्रेस फर्जी वोटों के चलते हारी. अब वो बात सच साबित हो रही है. उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करता है. खरगे ने कहा कि बंगलरू की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 6.6 लाख वोटों का सत्यापन हुआ है और यह धोखेबाज चुनाव था. उनका आरोप है कि चुनाव आयोग तय करता है कि कहां वोट कम हों और कहां ज्यादा, ताकि भाजपा को फायदा मिले. खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा ने गैरकानूनी तरीके से जीत हासिल की है. उन्होंने चेतावनी दी कि यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी, हम जनता के बीच जाकर उन्हें सबक सिखाएंगे. इसके साथ ही खरगे ने बताया कि 11 अगस्त को इंडिया गठबंधन के सांसद दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च करेंगे और वोटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करेंगे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खेतों में उतरे, धनरोपनी का किया अवलोकन, कहा

कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़

बोले मुख्यमंत्री

- खेती हमारी अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी पहचान
- सरकार किसानों को खुशहाल व सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है
- किसान सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जुड़ें और उसका लाभ उठाएं
- किसान खुशहाल होंगे, तभी राज्य और देश सशक्त बनेगा

शुभम संदेश। नेमरा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का खेती-किसानी से लगाव जगजाहिर है. इसकी बानगी शुक्रवार को एक बार फिर देखने को मिली, जब रामगढ़ के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास से निकल कर वह खेतों की मेड़ से होते धनरोपनी करते किसानों के बीच पहुंचे. मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि न सिर्फ अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि हमारी पहचान, अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी वाहक है. किसान खुशहाल होगा, तभी देश- राज्य समृद्ध होगा. हमारी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

किसानों से जानी समस्याएं निराकरण का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री को खेत में अपने बीच देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे। उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं. इस दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी परेशानियां तथा समस्याओं को जाना. उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. आपके लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है. आप इन योजनाओं से जुड़ें और अपने को सशक्त बनाएं. मैं आपके लिए हमेशा खड़ा हूं. आपको जो परेशानी हो, बताएं, उसका निराकरण निश्चित तौर पर होगा.

- **धनरोपनी करती गांव की महिलाओं से रू-ब-रू हुए मुख्यमंत्री :** बारिश का मौसम है और खेतों में धनरोपनी हो रही है. मुख्यमंत्री ने खेतों में जाकर धान की रोपाई कर रही स्थानीय ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए खेती-किसानी के ताजा हालात से रूबरू हुए. मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों की हरियाली किसानों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है. जब फसलें लहलहाएंगी, तो यह उनके चेहरे की मुस्कान बनेगी.

पीएम मोदी ने पुतिन से की फोन पर बात

एक दिन पहले ब्राजील के राष्ट्रपति लूला से भी की थी लंबी बातचीत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात की है. इस फोन कॉल के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन से संबंधित हाल के घटनाक्रमों से मोदी को अवगत कराया. प्रधानमंत्री ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया.

दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई. मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया. पीएम मोदी ने अभी इस बातचीत के बारे में एक्स पर पोस्ट कर लिखा, मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई. मैंने यूक्रेन पर नवीनतम घटनाक्रम साझा

करने के लिए उनका धन्यवाद किया. हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. मैं इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत में मेजबानी के लिए उत्सुक हूं. बता दें कि गुरुवार को ही ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी को फोन किया था. इसकी जानकारी भी खुद पीएम मोदी ने ट्वीट कर जानकारी थी.

आखिर चल क्या रहा?

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ वॉर से पूरी दुनिया में हड़कंप है. सबसे ज्यादा टैरिफ और प्रतिबंध रूस पर लगे हैं. मगर, अब ट्रंप ने आयात-निर्यात में डिस्बैलेंस की बात करते-करते रूस से तेल खरीद को लेकर भी देशों को धमकाना शुरू कर दिया है. भारत और ब्राजील पर 50-50% टैरिफ लगा दिया है. चीन पर 30% टैरिफ लगाने की घोषणा की है. ऐसे में ब्रिक्स देश एक-दूसरे के करीब आते दिख रहे हैं. पीएम मोदी के एससीओ समिट में चीन जाने की भी बात कही जा रही है. पुतिन भी भारत आने वाले हैं. टैरिफ के दौर में ब्रिक्स देश एक-दूसरे के साथ खड़े होकर दुनिया को संदेश दे रहे हैं. हालांकि अभी भारत और अमेरिका की ट्रेड डील पर बात चल रही है. आने वाले कुछ महीने दुनिया की कुटनीति के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं.

धर्म और आस्था : तमिलनाडु पुलिस की लापरवाही पर भड़का कोर्ट, लगाई फटकार, कहा

हिंदू भगवान का आप नहीं कर सकते अपमान

एजेंसियां। चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी को भी अधिकार नहीं है कि वह हिंदू भगवान और देवी-देवताओं का अनादरपूर्ण चित्रण करे. कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की है. यह मामला एक फेसबुक पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर को अपमानजनक भाषा वाले कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया था और पुलिस ने पोस्ट करने वाले पर न तो कोई कार्रवाई की और केस भी बंद कर दिया.

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस के मुरली शंकर की बेंच ने 4 अगस्त को मामले पर सुनवाई करते हुए पुलिस को फिर से जांच करने और तीन महीने के अंदर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है. कोर्ट शिकायतकर्ता पी. परमसिवन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है.

इस फेसबुक पोस्ट पर तमिल में दो कमेंट भी किए गए थे, जिसमें लिखा है, कृष्ण जयंती ऐसे व्यक्ति का उत्सव है, जो नहाते समय लड़कियों के कपड़े छिपाता था. कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, हिंदू भगवान को अपात्तिजनक तरीके से चित्रित करना और जानबूझ कर लाखों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाए जाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है. इस तरह के कृत्य देश में नफरत और धार्मिक आक्रोश फैला सकते हैं, सामाजिक व्यवस्था को बिगाड़ सकते हैं और सांप्रदायिक सद्भाव

- किसी को अधिकार नहीं कि वह हिंदू देवी-देवताओं का अनादरपूर्ण चित्रण करे

को नुकसान पहुंचा सकते हैं. धार्मिक देवताओं और प्रतीकों के प्रति लोगों में अपार सम्मान होता है और ऐसी चीजें समाज के एक बड़े हिस्से को दुख पहुंचा सकती हैं और सामाजिक अशांति का कारण भी बन सकती हैं. इसलिए ऐसे चित्रण को संवेदनशीलता से देखना जरूरी है. सरकार को भरोसा दिलाना चाहिए कि फ्रीडम ऑफ स्पीच का मतलब धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना न बने. रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने कहा कि भगवान कृष्ण के गोपियों के कपड़े छिपाने की कहानी को एक प्रतीकात्मक कहानी के तौर पर देखा जाता है, जिसकी कई व्याख्याएं हैं.

इसमें ये भी शामिल है कि यह गोपियों की परीक्षा थी कि क्या उनकी भक्ति सांसारिक आसक्तियों से परे थी. कोर्ट ने कहा कि यह कहानी आध्यात्मिक खोज और वैराग्य के महत्व पर प्रकाश डालती है. इस मामले में पी परमसिवन ने एफआईआर करवाई थी, लेकिन फरवरी में पुलिस ने निगेटिव रिपोर्ट पेश की और कहा कि मेटा से उन्हें जानकारी नहीं मिल पाई है. इसके बाद मार्च में ट्रायल कोर्ट ने पुलिस की रिपोर्ट स्वीकार कर ली और मामले को अनडिटेक्टेड करार देते हुए बंद कर दिया. कोर्ट ने पुलिस की इस लापरवाही पर नाराजगी जताई और कहा कि बेहद गंभीर मामले को पुलिस ने बहुत ही लापरवाही के साथ हैंडल किया है. कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने जांच को सिर्फ फेसबुक से यूजर की जानकारी प्राप्त करने तक ही सीमित रखा, जबकि यूजर की प्रोफाइल पर मौजूद पर्सनल डिटेल्स से उसको ट्रेस करके, उसका पता लगाया जा सकता था. कोर्ट ने कहा कि जांच पूरी लगन से नहीं की गई. कोर्ट ने कहा कि यूजर ने अभियक्ति की आजादी के नाम पर पोस्ट में हदें पार कर दी हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुत्र धर्म के साथ-साथ निभा रहे राजधर्म

नेमरा आवास से निपटा रहे सारे सरकारी कामकाज

शुभम संदेश। रांची/नेमरा

एक तरफ बाबा के परलोक गमन की असहनीय पीड़ा, तो दूसरी तरफ राज्य के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने की चिंता. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज अपनी जीवन के सबसे कठिन समय से गुजर रहे हैं. बाबा के निधन का शुक्रवार को चौथा दिन है. पर, दुःख - दर्द और आंसू थम नहीं रहा है. दिल- दिमाग बेचैन, विचलित और व्यथित है. लेकिन, ऐसे विषम हालात में भी वे पुत्र धर्म के साथ राजधर्म निभा रहे हैं. वे रामगढ़ जिला के नेमरा स्थित पैतृक आवास में एक ओर स्मृति शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन के उपरांत के रस्म रिवाज को पारंपरिक विधि- विधान से निभा रहे हैं, तो दूसरी तरफ शासन-प्रशासन चलाने का भी फर्ज बखूबी निभा रहे हैं, ताकि राज्य के विकास की गति में कोई अवरोध नहीं हो.

राज्यहित से जुड़े विषयों को लेकर संवेदनशील : मुख्यमंत्री शोक की इस घड़ी में भी राज्यहित से जुड़े विषयों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील हैं. व्यक्तिगत भावनाओं और दुःख-दर्द को सीने में दबाकर वे सरकारी कामकाज को बेहतर तरीके से निभाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं. जरूरी संचिकाओं का निष्पादन करने के साथ सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ नियमित संवाद बनाए हुए हैं. सरकार की गतिविधियों की निरंतर जानकारी लेने के साथ-साथ उन्हें निदेशित किया है कि वे अपने कार्यों में तत्परता व निरंतरता बनाए रखें और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आमजनों की समस्याओं का तत्काल निराकरण हो. कहीं भी, किसी भी कार्य में कोताही नहीं होनी चाहिए. उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से यह भी कहा कि वे उन्हें हर पल अद्यतन सूचनाओं से अवगत कराते रहें तथा आवश्यकतानुसार निर्देश प्राप्त करें.

बड़ी बात

- बाबा का साया उठने से दुःख-दर्द और पीड़ा में हैं मुख्यमंत्री, लेकिन शासन- प्रशासन सुचारू रूप से चलता रहे, अधिकारियों को दे रहे हैं जरूरी निर्देश
- मुख्यमंत्री ने कहा- बाबा के निधन पर जिस तरह राज्य की जनता मेरे परिवार के साथ खड़ी रही, उसी से मुझे राज्य के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की मिली हिम्मत
- बाबा के निधन से मुख्यमंत्री के आंखों से नहीं थम रहा आंसू, पर उनसे किए वादे और वचन को इस विषम हालात में भी पूरा करने का है प्रयास

बाबा को दिए वचन और वादों को निभा रहा हूं

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा हमेशा कहा करते थे- सार्वजनिक जीवन में हमेशा आम जनता के लिए खड़ा रहना. वे संघर्ष की मिसाल थे. उन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा. इस राज्य के लिए हमेशा लड़ते रहे. उन्होंने कभी भी अपने व्यक्तिगत हितों को तरजीह नहीं दी. संसद से सड़क तक इस राज्य के लिए संघर्ष करते रहे. आज झारखंड है, तो यह दिशोम गुरु की देन है. लेकिन, अब उनका साया हमारे ऊपर से उठ चुका है. पर, वे हम सभी के लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक रहेंगे. उन्होंने इस राज्य की खातिर मुझसे कई वचन लिए थे. मैं उनसे किए वादों को पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहा हूं.

मुख्यमंत्री ने चौथे दिन निभाई धार्मिक मान्यता

दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के पारंपरिक श्राद्ध कर्म का चौथा दिन है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धार्मिक मान्यताओं, संस्कारों और स्थानीय परंपराओं के अनुरूप सवेरे बाबा को भोजन परोसे जाने की रस्म निभाई. दरअसल यह एक ऐसा रस्म -रिवाज है, जिसमें दिवंगत व्यक्ति की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए श्राद्ध कर्म के दौरान हर दिन स्थानीय विधि- विधान और परंपरा के अनुरूप इसे निभाया जाता है.

15 को दशकर्म, 16 को होगा एकादश संस्कार

इधर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उनके परिवार और अनुयायियों ने पारंपरिक तरीके से तीन कर्म का आयोजन किया. अब 15 अगस्त को दशकर्म और 16 अगस्त को एकादश संस्कार होगा. जिला प्रशासन ने देशभर से आने वाले अनुयायियों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी है.

वीर शहीद निर्मल महतो को किया नमन

दूसरे पोस्ट में सीएम हेमंत सोरेन ने वीर शहीद निर्मल महतो को नमन किया. उन्होंने लिखा कि वीरों और क्रांतिकारियों की वीर भूमि है हमारा झारखंड. इसी वीर भूमि के वीर माटी पुत्र, महान झारखंड आंदोलनकारी, अमर वीर शहीद निर्मल महतो जी के शहादत दिवस पर शत-शत नमन. वीर शहीद निर्मल महतो अमर रहें. झारखंड के वीर अमर रहें.

विषम परिस्थितियों में दायित्व निभाने की जनता से मिली हिम्मत

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन के बाद दुःख और मुसीबत की घड़ी में जिस तरह राज्य की जनता मेरे पूरे परिवार के साथ खड़ी रही, उसी से मुझे यह हिम्मत मिली कि मैं इन कठिन परिस्थितियों में भी इस राज्य के प्रति अपने दायित्वों को निभा सकूं.

हेमंत ने किया भावुक पोस्ट

सीएम हेमंत सोरेन अपने पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के हर पल को यादों में संजोए हुए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट किया है. लिखा है कि बाबा दिशोम गुरु के हर सपने को पूरा करेगा उनका बेटा. हमारे वीर पुरुखों का संघर्ष और बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा.

झामुमो ने उठाई केंद्र सरकार से मांग

भारत रत्न की उपाधि के हकदार हैं दिशोम गुरु

शुभम संदेश। रांची

झामुमो ने भारत सरकार से अपील है कि वह झारखंड राज्य के निर्मात ा, स ाम ाजिक न्याय के अप्रतिम योद्धा और दिशोम गुरु के नाम से समूचे आदिवासी समाज में शिबू सोरेन जी को भारत रत्न देने पर गंभीरता से विचार करे. गुरुजी का जीवन संघर्षशील, प्रेरणादायी और जन-सरोकारों से ओतप्रोत रहा है.

झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन न केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे आदिवासी चेतना के वाहक, शोषित-वंचित वर्ग के सशक्त प्रवक्ता और सामाजिक क्रांति के प्रतीक थे. उन्होंने नशाखोरी और महाजनी प्रथा के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन खड़ा किया, जिससे झारखंड के दूर-दराज़ गांवों में चेतना फैली. शिक्षा के क्षेत्र में भी गुरुजी ने अनेक पहल की, ताकि आदिवासी समाज ज्ञान के माध्यम से सशक्त हो सके. झारखंड को अलग राज्य बनाने के आंदोलन से लेकर केंद्र और राज्य सरकारों में मंत्री व मुख्यमंत्री रहते हुए गुरुजी ने सदैव जनहित को प्राथमिकता दी. उनका जीवन त्याग, संघर्ष और सेवा की मिसाल है. ऐसे महापुरुष को भारत रत्न से सम्मानित करना केवल उनके प्रति श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और सामाजिक चेतना को भी गौरवान्वित करना होगा. केंद्र सरकार को इस पर अविलंब निर्णय लेना चाहिए.

कल्पना सोरेन ने शिबू सोरेन के नाम लिखा भावुक पोस्ट, कहा

आपके बिना जीना मुश्किल है

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने अपने पिता समान ससुर शिबू सोरेन को याद करते हुए एक भावुक पत्र लिखा है, जिसने हर झारखंडी की आंखें नम कर दी हैं. कल्पना सोरेन ने अपने इस भावनात्मक पत्र में सिर्फ एक बहू के रूप में नहीं, बल्कि एक बेटी के रूप में दिशोम गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा, प्रेम और कृतज्ञता को व्यक्त किया है. यह पत्र शुक्रवार को सोशल मीडिया और आम जनमानस के बीच गहरी संवेदना पैदा कर रहा है.

उन्होंने लिखा

प्रिय बाबा,
जब पूरा देश आपको अश्रुपूरित नेत्रों से विदा कर रहा है,
मैंने एक कोना पकड़ लिया है,
अपनी आधी जिंदगी जिस वटवृक्ष के साये में महफ़ूज़ हो कर काटी - आज आपके जाने से वह बेटी-सी बहू अपनी टूटी हुई हिम्मत बटोरने का साहस नहीं कर पा रही है.
मैं जानती हूं,
आप सिर्फ मेरे ससुर नहीं थे,
आप झारखंड के बाबा थे
हर उस बच्चे के,
जिसने जंगलों की गोद में जन्म लिया,
और संघर्ष को पहली सांस में महसूस किया.
जब मैं पहली बार इस परिवार में आई,
तो आपके व्यक्तित्व पर गौरव हुआ.
आपकी सादगी,
आपकी आवाज़ में ठहराव,
और सबसे ज़रूरी
आपका सुनना.

आप सुनते थे
हर किसान की चिंता,
हर औरत का दर्द,
हर मां की खामोशी
हर झारखंडी के अरमान.
आपने राजनीति को घर की तरह जिया
जहां सत्ता नहीं,
संबंधों का सम्मान होता है.
आपके पास बड़ी डिग्रियों से भी बड़ी - दृष्टि दूरदर्शी थी.
आपने केवल झारखंड को खड़ा नहीं किया
हम सबको आत्मनिर्भर होने का हौसला दिया.
जब आप "झारखंड" कहते थे,
तो वो शब्द भूगोल नहीं,
संवेदना बन जाता था.
बाबा, मैंने आपको कभी पिता की तरह देखा,
कभी एक संत की तरह,
और कभी एक तपस्वी की तरह
जो न सत्ता चाहता था, न वाहवाही
बस अपनी माटी की, अपने लोगों की इज्जत चाहता था.
आज आप नहीं हैं,
पर आपकी चाल की गूंज हर गांव के रास्ते पर है.
आपकी चप्पलों की खामोशी हर विधानसभा में गूंज रही है.
बाबा, आपने झारखंड को छोड़ा नहीं है
आप तो हर उस बेटी की आँख में हैं,
जो अपने जंगल, अपने खेत, अपने सपनों को बचाना चाहती है.
आप हर उस मां की सांस में हैं,
जो चाहती है कि उसके बेटे भी एक दिन आपकी तरह "गुरु" एवं सच्चे इंसान बने.
आपका सपना, अब हमारी जिम्मेदारी है.
मैं, एक बहू नहीं
आपकी बेटी,
आपसे वादा करती हूं:
"आपका नाम सिर्फ इतिहास में नहीं रहेगा
वो हर लड़की के साहस में,
हर गांव के संघर्ष में,
और झारखंड की हर सांस में जिंदा रहेगा."
आपको झारखंड की हर बेटी का नम्र प्रणाम.
आप हमारे संस्कार बन गए हैं.
आपके बिना जीना मुश्किल है,
पर आपके सपनों को जीना अब हमारा धर्म है."

राज्यपाल पहुंचे अपोलो अस्पताल

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल पहुंचकर झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली. राज्यपाल ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों एवं प्रबंधन टीम से सोरेन के चिकित्सकीय उपचार की प्रगति और वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की. उन्होंने मंत्री रामदास सोरेन के परिवारजनों से भी भेंट की और उन्हें ढांढस बंधाया.

हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करें

राज्यपाल ने कहा कि हम सभी ईश्वर से रामदास सोरेन के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं. राज्य को उनकी आवश्यकता है और हम जल्द ही उन्हें स्वस्थ देखकर सेवा में वापस देखना चाहते हैं. ज्ञात हो कि मंत्री रामदास सोरेन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं और दिल्ली के अपोलो अस्पताल में उनका इलाज जारी है. उनकी स्थिति को लेकर सरकार और जनता दोनों ही चिंतित हैं, लेकिन चिकित्सकों के अनुसार उनकी तबीयत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है.

फोरलेन ग्रीनफील्ड सड़क निर्माण का मामला उठा संसद में

रांची। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने गढ़वा से मझिआंव होते कांडी पंडुका ब्रिज फोरलेन ग्रीनफील्ड सड़क निर्माण कराने संबंधित मामले को शुक्रवार को लोकसभा में उठाया. सांसद ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और सुगम आवागमन के लिए गढ़वा से मझिआंव होते हुए कांडी पंडुका ब्रिज (झारखंड सीमा के अन्त) ग्रीनफील्ड सड़क निर्माण की मांग की जा रही है. इसके निर्माण हो जाने से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से कनेक्टिविटी और मजबूत होगी. यह क्षेत्र बिजनेस कॉरिडोर के रूप में विकसित होगा. दक्षिण बिहार के इस इलाके का सीधा संपर्क झारखंड राज्य के कई शहरों से हो सकेगा. पंडुका पुल का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर गढ़वा के मझिआंव, कांडी विशुनपुरा, बरडीहा, भवनाथपुर प्रखंड के लोगों को वाराणसी जाने के लिए 80 किलोमीटर कम दूरी तय करनी पड़ेगी.

अति कमजोर जनजातियों की सत्ता में भागीदारी, समानता के लिए साक्षरता व जागरूकता जरूरी

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त पर विशेष

गंगानाथ झा

संविधान के मूल में समानता की बात समाहित है. समानता के लिए जनजातियों को स ंव ैध ानिक संरक्षण प्रदान किया गया. सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ इनकी सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का निर्माण कर उसे क्रियान्वित किया गया. आजादी के 78वें वर्ष में इनके बीच विकास और परिवर्तन को देखा जा सकता है. भारत में कुल 705 जनजातियां हैं, जो देश की कुल आबादी का 8.6% है. इनमें 75 जनजातियां ऐसी हैं, जिन्हें विशेष रूप से कमजोर जनजाति की श्रेणी में रखकर उनके विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है. पार्टिकुलरली वलनरेबल ट्राईबल ग्रुप्स (पीवीटीजी) जो कभी भोजन के लिए खाद्य संग्रह , शिकार और अपने परंपरागत ज्ञान पर निर्भर करती थी, उन्हें अब डाकिया योजना के माध्यम से अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है. इन जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना द्वारा आवास, सड़क, पानी,स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण,शिक्षा और स्थायी जीविका से जोड़ा जा रहा है.

झारखंड में कुल 32 प्रकार की जनजातियां हैं, जिनकी अपनी-अपनी विशिष्ट संस्कृति है. इनकी आबादी झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से 8 जनजातियां असुर, बिरजिया, कोरबा, बिरहोर, परहिया, सौरिया पहाड़िया, माल पहाड़िया और सबर जनजातियां इसी पीवीटीजी के अंतर्गत आती हैं. ये जीवकोपार्जन के लिए जंगल पर आश्रित रहने के साथ-साथ अपने परंपरागत ज्ञान से अपना जीविकोपार्जन करती हैं. बिरहोर जंगली चचोप छाल और प्लास्टिक से रस्सी बनाकर बाजार में बेचने के साथ-साथ जंगल से जड़ी -बूटी संग्रह कर स्थानीय जनजाति हाट में बेचा करते हैं. सबर जनजाति कांसी घास से विभिन्न प्रकार की डेकोरेटिव घरेलू चीजें बनाकर बाजार में बेचती हैं. असुर और बिरजिया जैसी जनजातियां कभी लौह अयस्क को गला कर लोहा निकालती थीं और फिर घरेलू और कृषि औजार बनाती थी, लेकिन अब यह परंपरागत कार्य इन लोगों ने पूर्ण रूप से छोड़ दिया है. झारखंड के राजमहल की पहाड़ियों में निवास करने वाली सौरिया और माल पहाड़िया कंदमूल इकट्ठा करने के साथ झूम खेती किया करती थी. यह जनजाति भी अब पत्थर उद्योग, कृषि मजदूरी के साथ-साथ अन्य रोजगार को अपना रही है. समय के साथ हालात में परिवर्तन आया है. अब इनके मुद्दे और चुनौतियों में बदलाव आए हैं. शिक्षा और जागरूकता की कमी इनके विकास में मुख्य बाधक बनकर खड़े हैं.

नाम	जनसंख्या	साक्षरता दर
1. बिजजिया	6276	40 %
2. सबर	9688	27 %
3. सौरिया पहाड़िया	46222	31.60 %
4. कोरबा	35608	29 %
5. असुर	22459	37 %
6. परहिया	25585	25.57 %
7. माल पहाड़िया	135799	31.35 %
8. बिरहोर	10726	26.40 %
कुल	292363	

स्रोत – 2011

झारखंड की सबर और बिरहोर जैसी जनजातियां कुपोषण से जूझ रही है. झारखंड के राजमहल की पहाड़ियों से घिरे दामिनी-ई -कोह क्षेत्र में निवास करने वाली सौरिया और माल पहाड़िया जनजातियां महाजनी प्रथा से कर्ज में डूबी हुई हैं. असुरक्षित क्रेशर उद्योग में मजदूरी करने से सांस रोग और टीवी से ग्रसित हैं. इन जनजातियों के बीच मद्यपान की समस्या, अंधविश्वास और जागरूकता की कमी है. इन कारणों से इनकी स्थिति काफी दयनीय है.

झारखंड में पीवीटीजी के बीच साक्षरता दर की स्थिति बहुत ही भयावह है. झारखंड के पीविटीजी के अंतर्गत आने वाली जनजातियों के बीच साक्षरता की गंभीर स्थिति इस प्रकार है- बिरजिया 40%, कोरबा 29%, असुर 37%, बिरहोर 26.40%, सबर 26.93%, माल पहाड़िया 31.35%, सौरिया पहाड़िया 31.60% और परहिया के बीच सबसे कम मात्र 25.57% है.इनके बच्चों के लिए आंगनबाड़ी से लेकरआवासीय विद्यालय जरूर है लेकिन व्यवस्था और गुणवत्ता की भारी कमी है. इन जगहों पर उनकी संस्कृति के अनुकूल कुछ भी नहीं है. जागरूकता के अभाव में यह समाज अपने अधिकारों से अवगत नहीं है. समय पर योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं . इनके लिए खोले गए स्कूलों और आंगनवाड़ी के साथ-साथ सभी योजनाओं का मूल्यांकन जरूरी है तभी जाकर इनका सर्वांगीण विकास संभव होगा.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

स्पोर्ट्स

भारत के 7 सबसे अमीर क्रिकेटर्स कौन हैं? टॉप पर हैं ये खिलाड़ी

सैम कॉन्स्टास को मिला मौका

रांची, शनिवार 09 अगस्त 2025 I श्रावण पूर्णिमा, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 123 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

750 करोड़ के जीएसटी घोटाले में मुंबई के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी जारी

रांची। जीएसटी घोटाले में मुंबई के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी दूसरे दिन भी जारी रही. ईडी ने सात अगस्त को जीएसटी घोटाले से जुड़े छह लोगों के कुल 12 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी. इसमें से पांच लोगों के ठिकानों पर छापेमारी सात अगस्त की देर रात समाप्त हो गयी. ईडी ने सात अगस्त को रांची के श्याम ठक्कर, जमशेदपुर के ज्ञानचंद जयसवाल, सरायकेला के पंचानंद सरदार, धनबाद के चीनू अग्रवाल उर्फ अमित अग्रवाल और मुंबई के अंकेश जैन उर्फ मलिक जी के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी. सात अगस्त को छापेमारी के दौरान ईडी को अंकेश जैन के मुंबई में ही और ठिकानों की जानकारी मिली. अंकेश जैन के नये ठिकानों पर ईडी की छापेमारी दूसरे दिन जारी रही. 750 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में जारी छापेमारी के दौरान ईडी को गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने से संबंधित दस्तावेज मिले हैं. ईडी ने छापेमारी के दायरे में शामिल किये गये व्यापारियों के ठिकानों से डिजिटल डिवाईस और दस्तावेज जब्त कर लिया है.

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 53.91 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

शुभम संदेश। देवघर

देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है. बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब लगातार उमड़ रहा है. शुक्रवार तड़के 04:09 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. सभी श्रद्धालुओं को बीएड कॉलेज से तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए जिला प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा के बीच जलार्पण कराया जा रहा है. सभी कांवड़िए कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे है.

कांवड़िये सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं. जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 53 लाख 91 हजार 871 से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया है. देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं.

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग मंदिर परिसर और रूट लाइन का जायजा ले रहे हैं. एसपी ने बताया कि मंदिर और मेला क्षेत्र में कुल 564 मजिस्ट्रेट और 9650 पुलिस बल की तैनाती की गई है. साथ ही सीआरपीएफ की चार कम्पनी, दो एसपी, एनडीआरएफ की टीम को लगाया गया है. उपायुक्त ने बताया कि मेला में 101 स्थानों पर श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था की गयी है. मेला में कुल 81चिकित्सकों और पारा 449 मेडिकल स्टाफ को लगाया गया है. श्रद्धालुओं के लिए 50 एम्बुलेंस लगाए गए हैं. अब तक मंदिर को 7,36,44,295 रूपये आय के रूप में प्राप्त हुए हैं. मंदिर और मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 765 सीसीटी कैमरा, 200 एआई कैमरा और 10 ड्रॉन कैमरा कार्यरत हैं. वहीं, इस श्रावणी मेला में ऑनलाईन चैट बोर्ड क्यूआर कोड से प्राप्त 782 शिकायतों का निष्पादन किया गया.

ब्रीफ न्यूज

दुष्कर्म मामले को दबाने व मैनेज करने के आरोप में थाना प्रभारी सस्पेंड

मेदिनीनगर। सदर थाना के प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता को एक महिला के साथ हुए दुष्कर्म मामले को मैनेज करने और दबाने की कोशिश के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है. साथ ही उन्हें लाइन क्लोज भी किया गया है. पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने यह कार्रवाई की है. यह मामला उस वक्त सामने आया, जब दुष्कर्म से संबंधित एक वीडियो वायरल हुआ. इस वीडियो के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए. जांच में पाया गया कि थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने इस संवेदनशील मामले में गंभीर लापरवाही बरती. आरोप है कि थाना प्रभारी ने पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को दबाने का प्रयास किया. जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस मामले को मैनेज करने के लिए पैसे के लेन-देन भी हुए.

चोरी की कार के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

चाईबासा। ओडिशा के रायरंगपुर से चोरी हुई अर्टिका कार के साथ फरार दो आरोपितों को गुरुवार की रात जमशेदपुर के सुंदरनगर थाना क्षेत्र के हितकू में पुलिस ने पकड़ लिय. ओडिशा के तीरिंग थाना पुलिस को चोरी की घटना की सूचना मिलते ही सुंदरनगर थाना को सतर्क किया गया और दोनों थानों की संयुक्त कार्रवाई में हाई स्पीड भाग रहे कार चालक को रोका गया.

नीरज सिंह हत्याकांड में पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

जेल से जल्द रिहाई संभव

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

नीरज सिंह हत्याकांड मामले में आठ वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को बड़ी राहत मिली है. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत प्रदान कर दी है. इस फैसले के बाद अब संजीव सिंह की जल्द ही जेल से रिहाई संभावित है. संजीव सिंह के अधिवक्ता मो. जावेद ने जानकारी दी कि सर्वोच्च न्यायालय की तीन-न्यायाधीशों की पीठ-मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनबी अंजारिया ने यह आदेश जारी किया है. सुनवाई के दौरान वरीय अधिवक्ता सन्नी चौधरी ने संजीव सिंह की ओर से दलीलें पेश की थीं.

पूर्व में जमानत याचिकाएं खारिज : संजीव सिंह की जमानत याचिका पूर्व में तीन बार निचली अदालत और तीन बार उच्च न्यायालय से खारिज हो चुकी थी. परंतु इस बार, सर्वोच्च न्यायालय में यह दलील दी गई कि इस केस में शामिल अन्य कई आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है.

हत्या का मामला और पृष्ठभूमि : यह मामला 21 मार्च 2017 की शाम का है, जब धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र में कांग्रेस नेता नीरज सिंह, उनके अंगरक्षक मुन्ना तिवारी, ड्राइवर घोल्टू और सहयोगी अशोक यादव की गोलीबारी में हत्या कर दी गई थी. इस घटना के बाद नीरज सिंह के भाई अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के बयान पर सरायढेला थाना में प्राथमिकी (कांड संख्या 48/17) दर्ज की गई थी. इसमें संजीव सिंह समेत 10 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया था.

चार्जशीट और ट्रायल की स्थिति : पुलिस ने इस मामले में 28 जून 2017 को चार्जशीट दाखिल की थी. 3 जनवरी 2019 को अदालत ने संजीव सिंह समेत छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे. वर्तमान में बचाव पक्ष की ओर से अदालत में बहस चल रही है. पूर्व विधायक संजीव सिंह की ओर से बहस करते हुए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एमए नियाजी ने कहा कि नीरज हत्याकांड की जांच सरकार की दो एजेंसियों, सीआईडी और स्थानीय पुलिस, ने की थी. इस मामले में तीन अनुसंधानकर्ताओं ने जांच की. इसके बावजूद, सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को जानबूझ कर अदालत से छुपाया गया, ताकि पूरे मामले को अपने अनुसार मोड़ा जा सके और संजीव सिंह को फंसाया जा सके. अधिवक्ता नियाजी ने अपनी दलील में कहा कि घटना की सबसे पहली जांच सराढेला थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने की थी. उन्होंने 26 तारीख तक जांच की. इसके बाद चिरकुंडा थाना प्रभारी निरंजन कुमार तिवारी को जांचकर्ता नियुक्त किया गया. इस प्रकार, एक साथ दो अनुसंधानकर्ता जांच कर रहे थे. फिर, तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया, जिसकी अगुवाई एडीजी सीआईडी अजय कुमार सिंह कर रहे थे. इन सभी के बावजूद, सीआईडी के किसी भी अधिकारी को चार्जशीट का गवाह नहीं बनाया गया. कई महत्वपूर्ण तथ्यों को अदालत से छुपा लिया गया, जबकि सीआईडी ने संदिग्धों के स्केच भी जारी किए थे. आरोप पत्र में संजीव सिंह को घटनास्थल पर नहीं, बल्कि षड्यंत्रकारी के रूप में पेश किया गया. यह सवाल उठता है कि पुलिस ने आरोप पत्र में अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति बयान को किस आधार पर शामिल किया, जबकि किसी गवाह ने न तो पुलिस के सामने और न ही अदालत में ऐसा कोई बयान दिया था, जैसा कि अनुसंधानकर्ताओं ने चार्जशीट में लिखा.

स्वास्थ्य के आधार पर मिली राहत

अधिवक्ता मो जावेद के अनुसार, संजीव सिंह सात प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हैं और लंबे समय से मुकदमा लंबित है. सुनवाई पूरी न होने के चलते उनका संवैधानिक अधिकार भी प्रभावित हो रहा था. यह तर्क सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रभावी रहा.

अन्य आरोपियों को मिल चुकी है जमानत

इस केस में आरोपी पिंटू सिंह, संजय सिंह, धनजी सिंह, चंदन सिंह और कुर्बान को पहले ही सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, जबकि रिंकू सिंह और डबलू मिश्रा को उच्च न्यायालय से जमानत प्राप्त हो चुकी है. अब इसी आधार पर संजीव सिंह को भी राहत मिल गई है.

झरिया की भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा- असत्य पर सत्य की जीत हुई

पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद झरिया की वर्तमान विधायक रागिनी सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह असत्य पर सत्य की जीत है. हमें न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास था, जो आज सच साबित हुआ है .सावन के इस पावन महीने में भोले बाबा ने कृपा की है. रागिनी सिंह ने कहा कि यह फैसला कोयलांचल के हर मां, बहन और भाई की प्रार्थनाओं का परिणाम है. उन्होंने समर्थकों और क्षेत्र की जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस संघर्ष के समय में सबका साथ बना रहा, जो संजीव सिंह के लिए ताकत का स्रोत बना. संजीव सिंह की जमानत को लेकर झारखंड की राजनीति में नई हलचल देखी जा रही है. कोयलांचल की राजनीति में उनका प्रभाव पूर्व से रहा है और इस निर्णय के बाद उनके सक्रिय राजनीति में लौटने की अटकलें भी तेज हो गई हैं.

चाईबासा: सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के तीन बंकर ध्वस्त किए

आईईडी ब्लॉस्ट में दो जवान घायल एयरलिफ्ट कर रांची लाए गए

शुभम संदेश। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान, सारंडा व पोड़ाहाट जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की लड़ाई चल रही है. सुरक्षा बल के जवान जंगलों में नक्सलियों के बनाए बंकर व डंप को ध्वस्त कर उनके मंसूबों को नाकामयाब करने में जुटे हुए हैं. जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में शुक्रवार को सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों द्वारा बनाए गए तीन बंकर को ध्वस्त किया गया. इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक और दैनिक सामग्री समेत कई अन्य सामान बरामद किये हैं.

नक्सलियों के द्वारा लगाए आईईडी ब्लास्ट होने से सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के दो जवान घायल हो गए हैं. यह घटना शुक्रवार को सारंडा जंगल के दीघा क्षेत्र में हुई है. सुरक्षाबल को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने आईईडी बिछाकर रखा था. जिसकी चपेट में जवान आ गए. घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया. उल्लेखनीय है कि कोल्हान और सारंडा के जंगल में भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने अन्य दस्ता सदस्यों के साथ भ्रमणशील है जिसको लेकर सुरक्षा बलों के द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है.

माओवादी संगठन के आर्थिक स्रोत पर सबसे बड़ी कार्रवाई

चाईबासा जिले में सुरक्षाबलों ने एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर भाकपा माओवादी संगठन के आर्थिक स्रोत पर अब तक की सबसे बड़ी चोट पहुंचाते हुए बीते 27 जुलाई जमीन के अंदर छुपाकर रखे गये 35 लाख रुपये बरामद करने में सफलता प्राप्त की थी. सुरक्षाबलों ने संयुक्त आपरेशन के दौरान कराईकेला थानान्तर्गत जंगली, पहाड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से वसूले गये लेवी के रूप बड़ी मात्रा में संग्रहित धन बरामद किया है. इसे हथियार खरीदने में प्रयोग किया जाना था. पिछले दो महीने के दौरान सुरक्ष बलों ने 100 से अधिक आईईडी भी बरामद कर उसे विनष्ट करने का काम किया है.

झारखंड में भाषा शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी

1059 अभ्यर्थी सफल घोषित

शुभम संदेश। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के अंतर्गत भाषा विषय का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है. राज्य के सरकारी मध्य विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में भाषा शिक्षकों के 4991 रिक्त पदों को भरने के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई थी. जारी परिणाम के अनुसार कुल 1059 अभ्यर्थी इस परीक्षा में सफल घोषित किए गए हैं. जेएसएससी परीक्षा विभाग के अनुसार, परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है. उम्मीदवार वेबसाइट पर जाकर अपने परिणाम देख सकते हैं.

गैर-पारा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन बेहतर : सफल घोषित 1059 अभ्यर्थियों में से 959 गैर-पारा शिक्षक हैं, जबकि 100 पारा शिक्षक उम्मीदवार सफल हुए हैं. इससे स्पष्ट होता है कि गैर-पारा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन इस बार अपेक्षाकृत बेहतर रहा है. परिणाम में पलामू जिला से सर्वाधिक 97 उम्मीदवारों ने सफलता प्राप्त की है. इसके बाद रांची और गिरिडीह जिलों के उम्मीदवारों का प्रदर्शन सराहनीय रहा. वहीं, साहिबगंज जिले से मात्र 15 अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण हो सके हैं.

दस्तावेज़ सत्यापन के लिए 1602 अभ्यर्थी हुए थे आमंत्रित : 4991 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया के तहत कुल 1602 अभ्यर्थियों को दस्तावेज़ सत्यापन के लिए बुलाया गया था. इनमें से 1059 उम्मीदवार अंतिम रूप से सफल घोषित किए गए हैं. अब इन चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया जल्द ही आयोजित की जाएगी. दस्तावेज़ सत्यापन के बाद अंतिम नियुक्ति सूची जारी की जाएगी, जिसके आधार पर उम्मीदवारों की जिलावार पदस्थापना की जाएगी. यह परिणाम राज्य के उन हजारों अभ्यर्थियों के लिए राहत लेकर आया है जो लंबे समय से नियुक्ति प्रक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे थे.

मॉर्निंग वॉक पर निकले 3 स्कूटी सवार नाबालिग किशोरों को ट्रक ने मारी टक्कर, 1 की मौत

गिरिडीह। जिले के कोलडीहा के पास शुक्रवार अहले सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक नाबालिग की मौत हो गई, वहीं इस हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान पहाड़ीडीह निवासी मो. कुर्बान अंसारी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, तीनों नाबालिग स्कूटी पर सवार होकर मॉर्निंग वॉक के लिए गिरिडीह स्टेडियम जा रहे थे. इसी दौरान कोलडीहा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में कुर्बान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने कुर्बान को मृत घोषित कर दिया. घटना से आक्रोशित लोगों ने शव को कोलडीहा मस्जिद के पास रखकर सड़क जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. वहीं, बीडीओ गणेश रजक भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की. प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हादसे के लिए तेज रफ्तार और लापरवाह ट्रक चालक जिम्मेदार है, जिसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए. पुलिस ने ट्रक और चालक की तलाश शुरू कर दी है.

देवघर की बेटियों ने रांची में किया कमाल, बैडमिंटन में ब्रांज

शुभम संदेश। रांची

रांची के खेलगांव में बुधवार को आयोजित स्टेट लेबल बैडमिंटन प्रतियोगिता में संत फ्रांसिस स्कूल, देवघर की दो छात्राओं ने डबल्स में ब्रांज मेडल हासिल कर अपने स्कूल के साथ-साथ देवघर जिले का भी नाम रौशन किया है. इस खेल का आयोजन संत फ्रांसिस स्कूल प्रबंधन की ओर से किया गया था. मेडल पाने वाली छात्राओं में वैदेही राज पिता राजेश कुमार दीपक और अंशिका झा पिता अजय झा शामिल हैं. वैदेही देवघर के सत्संग कॉलोनी की रहने वाली है. जबकि दूसरी छात्रा बिलासी मोहल्ले में रहती है. दोनों छात्राओं की इस जीट की बात परिजनों में ख़ुशी का माहौल है. छात्राओं ने इससे पहले बांका में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता रहीं थी. जिसके बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए गयी थी. जहां खेले गए 2 मैचों में उन्होंने जीत हासिल की.

कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को चाईबासा से भेजा जाएगा पलामू सेंट्रल जेल

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

राज्य के कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को चाईबासा जेल से पलामू सेंट्रल जेल में स्थानांतरित किया जाएगा. यह निर्णय आईजी (कारा) के निर्देश पर लिया गया है. सुजीत सिन्हा मूल रूप से पलामू जिले के रेड़मा का निवासी है, और यहीं से उसने आपराधिक दुनिया में कदम रखा था. पलामू सेंट्रल जेल में पहले से ही उसके गैंग के कई सदस्य बंद हैं, ऐसे में इस स्थानांतरण को सुरक्षा के लिहाज से अहम माना जा रहा है. जानकारी के अनुसार, सुजीत सिन्हा के खिलाफ पलामू में दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसके अलावा रांची, हजारीबाग, लातेहार, चतरा, रामगढ़ सहित अन्य जिलों में भी उस पर संगठित अपराध, रंगदारी, और निर्माण स्थलों पर हमलों जैसे गंभीर आरोप हैं.

पलामू जेल में हाई अलर्ट, सुरक्षा होगी और सख्त : सुजीत सिन्हा के स्थानांतरण के आदेश के बाद पलामू सेंट्रल जेल को हाई अलर्ट पर रखा गया है. जेल अधीक्षक भागीरथ करजी ने इस स्थानांतरण की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि गैंगस्टर के जेल में आने के बाद उसकी गतिविधियों और उससे मिलने वालों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी. सुरक्षा प्रबंधों को और सख्त किया जा रहा है. पलामू सेंट्रल जेल पहले से ही कई कुख्यात अपराधियों और नक्सलियों की जेल है, जिनमें पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी शामिल है.

झारखंड में शिक्षकों की बड़ी भर्ती का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने जेएसएससी को भी भेजा नोटिस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय में राज्य के विश्वविद्यालयों में नियमित असिस्टेंट प्रोफेसरों और शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्ति को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को अहम सुनवाई हुई. याचिका अनिकेत ओहदार समेत अन्य द्वारा दायर की गई थी, जिसकी सुनवाई मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई. खंडपीठ ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को भी इस मामले में प्रतिवादी बनाते हुए नोटिस जारी किया है. कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जेएसएससी विश्वविद्यालयों में तृतीय श्रेणी के शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्तियों को लेकर अपना जवाब दाखिल करे.

जेपीएससी ने दी नियुक्तियों की स्थिति की जानकारी : सुनवाई के दौरान झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से अधिवक्ता अभय प्रकाश ने अदालत को अवगत कराया कि रांची विश्वविद्यालय से कुल 468 पदों की अधियाचना प्राप्त हुई है. इनमें से:

- 431 पद नियमित नियुक्तियों के हैं
- 37 पद बैकलॉग से संबंधित हैं

जेपीएससी ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि दो माह के भीतर बहाली प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, और इसके लिए जल्द ही विज्ञापन जारी किया जाएगा.

2018 के लंबित पदों पर भी होगी नियुक्ति : जेपीएससी ने यह भी बताया कि वर्ष 2018 के विज्ञापन संख्या 04/2018 और 05/2018 के तहत निकले गए 400 पदों की बहाली प्रक्रिया को भी अब जल्द पूरा किया जाएगा.

मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को : खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 22 अगस्त 2025 तय की है. उससे पहले जेएसएससी को अपना पक्ष अदालत में प्रस्तुत करना होगा.

संविदा नियुक्तियों पर सवाल

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत में यह दलील दी गई कि वर्षों से संविदा आधारित नियुक्तियां हो रही हैं, जो कि नियमानुसार नहीं हैं. इससे न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर पड़ता है, बल्कि विश्वविद्यालयों में स्थायित्व और पारदर्शिता भी प्रभावित होती है.

सड़क और पुल के अभाव में घर तक नहीं पहुंचा एंबुलेंस

चारपाई पर लादकर लाया गया आदिवासी मजदूर का शव

हजारीबाग। देश जहां आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है,विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है,परन्तु आज भी विष्णुगढ़ प्रखण्ड के सुदूरवर्ती इलाको में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है. विष्णुगढ़ प्रखण्ड अन्तर्गत गोविन्दपुर पंचायत के ग्राम चितरामो से गिधिनियां, परसातरी, मोसरीतरी इन कस्बो में काफी सघन आबादी आदिवासियों की है, परन्तु आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद आज तक ना यहाँ सड़क गई है,ना हीं नाले पर पुल बना है. गिधिनियां टोला निवासी प्रवासी मजदूर शनिचर मराण्डी की मौत 28 जुलाई 25 कर्नाटक के काकीनाड़ा में हो गई थी. रविवार करीब 1 बजे जब प्रवासी मजदूर शनिचर मराण्डी का शव एम्बुलेंस से आया ,परन्तु कच्ची सड़क की खस्ताहाल हालत एवं नाले में पानी ज्यादा आ जाने की वजह से प्रवासी मजदूर का शव घर से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर रोक दिया गया. वहां मृतक के परिजन एवं ग्रामीणों ने शव को खटिया में लादकर बांसस की बल्ली लगाकर बड़ी मुश्किल से नाला पारकर शव को मृतक के घर ले जाया गया. इस संबंध में विष्णुगढ़ उप-प्रमुख,पंसस सह जेएलकेएम जिलाध्यक्ष सरयू साव ने कहा कि गिधिनियां, परसातरी एवं मोसरीतरी में करीब 600 आदिवासी निवास करते हैं, बारिश के समय ये लोग कही आ जा नही पाते.

सौम्य, सुंदर और आकर्षक रांची की सीएम हेमंत सोरेन की परिकल्पना के तहत राजमार्ग का होगा कायाकल्प

हरमू, अरगोड़ा और सहजानंद का सुंदरीकरण की मंजूरी, सुलभ, सुरक्षित यातायात के सभी उपाय होंगे मौजूद

❖तीनों चौराहों के सौंदर्यीकरण के लिए 14 करोड़ मंजूर ❖पर्यावरणीय विकास के लिए फूल, पौधे भी लगेंगे ❖शेड युक्त विश्राम स्थल, आरामदेह फुटपाथ की सुविधा

अरगोड़ा चौक

प्रस्तावित सौंदर्यीकरण अरगोड़ा चौक

हरमू चौक

प्रस्तावित सौंदर्यीकरण हरमू चौक

सहजानंद चौक

प्रस्तावित सौंदर्यीकरण सहजानंद चौक

शुभम संदेश। रांची

सौम्य, सुंदर और आकर्षक रांची की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की परिकल्पना के तहत राजधानी के राजमार्ग स्थित तीन चौकों के सुंदरीकरण को स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है. नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन में पर्यटकीय विकास के आधार पर अरगोड़ा, हरमू और सहजानंद चौक के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 14 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं.

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने की पहल

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रांची की गरिमा के अनुरूप चौक-चौराहों को आकर्षक बनाने की पहल की है. कुमार ने विभाग के संस्थान जुडको को स्वीकृत चौराहों के सुंदरीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा है कि चौक-चौराहों के आकर्षक रहने से शहरवासियों एवं आगंतुकों के मानस पटल पर शहर की अच्छी छवि बनेगी-

हरमू चौक के लिए 5,44,21,900 रुपए, अरगोड़ा चौक के लिए 4,26,80,800 और सहजानंद चौक के लिए 4,29,72,800 रुपये स्वीकृत हुए हैं. प्रधान सचिव ने कहा है कि तीनों चौक- चौराहों के सुंदरीकरण के तहत सुव्यवस्थित गोलबंर बनाया जाएगा. इनके कायाकल्प के तहत फव्वारे, सुंदर फूल, आकर्षक पौधे और झारखंड के वृक्ष भी लगेंगे. यही नहीं हरे-भरे विदेशी घास से लैंड स्केपिंग भी की जाएगी.

कुमार ने कहा है कि अरगोड़ा चौक के वर्तमान 8 मीटर की गोलाकार को बढाकर 18 मीटर और सहजानंद चौक के गोलबंर को 6 से बढाकर 24 मीटर किया जायेगा. हरमू चौक को अंडाकार स्वरूप दिया जाएगा. इससे यातायात संचालन मे सुविधा होगी. निर्वाध परिवहन होगा. चौराहों पर लगी वर्तमान मूर्तियों को बड़े प्लेटफार्म पर स्थापित किया जाएगा. शेड युक्त विश्राम स्थल राहगीरों के लिए होगा. आरामदेह फुटपाथ भी नगरीकरण के तहत रहेगा.

स्पीकर और रामेश्वर उरांव पहुंचे नेमरा, सीएम से की मुलाकात

रांची। विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो और विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शुक्रवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पैतृत निवास नेमरा पहुंचे. वहां उन्होंने शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. सीएम हेमंत सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों से मिल कर अपनी संवेदना भी प्रकट की. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि बाबा आपकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता. लेकिन आपके दिखाए मार्ग पर चलना ही हमारा कर्त्तव्य है. बाबा हमेशा हमारे बीच रहेंगे.

अबुआ बजट एप सहित 19 पोर्टल व एप चार दिन नहीं करेगा काम

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार का 19 पोर्टल सहित एप चार दिन तक काम नहीं करेगा. इस बाबत वित्त विभाग के विशेष सचिव संदीप सिंह ने इसकी सूचना जारी कर दी है. यह सूचना सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव सहित सभी विभागों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट को दे दी गई है. जारी सूचना में कहा गया है कि आईएफएमएस के मौजूदा डाटा को नये एक्सडाटा सिस्टम में एम में माइग्रेट करने के कारण और आलोक में आईएफएमएस के विभिन्न मॉड्यूल में आवश्यक परिवर्तन करने के लिए 15 से 18 अगस्त तक सर्वर व एप्लिकेशन का डाउनटाइम निर्धारित किया गया है.

ई-चलान और रशीद भुगतान की सुविधा भी रहेगी बाधित : वित्त विभाग के विशेष सचिव द्वारा जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि डाउनटाइम अवधि के दौरान जेइ-ग्रास के माध्यम से ई-चालान व रसीद भुगतान की सुविधा भी बाधित रहेगी.

ये पोर्टल और एप नहीं करेंगे काम : ऑनलाइन बजट(ई-बजट), इंटीग्रेटेड फंड मैनेजमेंट सिस्टमश (ई-एलोटमेंट), डीडीए लेवल बिल इंट्री सिस्टम (ई-बिल), ट्रेजरी एप्लीकेशन (ई-ट्रेजरी), झारखंड ई-ग्रास(जेइ-ग्रास), कुबेर ट्रेजरी एमआइएस, कुबेर पे स्लिप, कुबेर इंप्लोई पोर्टल, जीपीएफ एकाउंटिग सिस्टम, फाइनांस पोर्टल आदि.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया कृषि निदेशालय का औचक निरीक्षण

किसानों की शिकायतों के निपटारे की जानकारी ली

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांके रोड स्थित कृषि निदेशालय का औचक निरीक्षण किया. मंत्री ने निदेशालय के विभिन्न कक्षों का भ्रमण कर कर्मियों और अधिकारियों से उनके कार्यों की जानकारी ली. इस क्रम में वह किसान कॉल सेंटर भी पहुंचीं और वहां किसानों की शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया की जानकारी ली.

अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत: औचक निरीक्षण के बाद मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें राज्य में हालिया अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई. उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को 100 प्रतिशत अनुदान पर लेट खरीफ बीज उपलब्ध कराया जाए. सरगुजा, अरहर, कुरथी समेत अन्य फसलों के बीज का वितरण अगस्त माह के अंत तक पूरा कर लिया जाए. जिन किसानों की फसल क्षति की रिपोर्ट उपलब्ध है, उन्हें बीज वितरण में प्राथमिकता दी जाए.

रबी फसल बीज वितरण में नया निर्णय : मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार रबी फसल का बीज वितरण केवल लैंप-पैक्स के जरिए नहीं किया जाएगा. अब लाइसेंस प्राप्त निजी बीज विक्रेता भी इस प्रक्रिया में शामिल होंगे.

फसल सुरक्षा अभियान की रणनीति : बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि कृषि फसल सुरक्षा अभियान के तहत जिला स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाएग. फसल को हो रहे नुकसान की रिपोर्ट के आधार पर दवा का छिड़काव सुनिश्चित किया जाएगा. इसके लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था विकसित की जाएगी. मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए और उनसे सीधा संवाद बना रहे.

किसान से सीधा संवाद

किसान कॉल सेंटर में निरीक्षण के दौरान मंत्री ने एक किसान को अपने निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर यह जानने का प्रयास किया कि उनकी शिकायत का समाधान हुआ या नहीं. किसान ने बताया कि उसकी समस्या का समाधान कर दिया गया है. मंत्री ने कहा कि कॉल सेंटर का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि समाधान सुनिश्चित करना है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसान कॉल सेंटर (टोल फ्री नंबर : 18001231136) को और अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें.

बैठक में शामिल रहे अधिकारी

इस बैठक में कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, समेति निदेशक विकास कुमार, भूमि संरक्षण निदेशक अशोक सम्राट, एवं उद्यान निदेशालय के संयुक्त सचिव एस.बी. अग्रवाल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

एक नजर

डीएवी हेहल पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग में छात्र परिषद् का अलंकरण समारोह

रांची। हेहल स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग में सत्र 2025-26 के लिए कार्यभार ग्रहण समारोह शुक्रवार को उत्साह और के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर नव-निर्वाचित छात्र परिषद् के पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से उनके दायित्व सौंपा गया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य और झारखंड ज़ोन–जी के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी बिपिन राय के स्वागत के साथ हुआ. इसके बाद एनसीसी सी प्रमाणपत्रधारी शिक्षिका अनुपमा झा के नेतृत्व में भव्य मार्च पास्ट ने पूरे वातावरण में अनुशासन की लहर दौड़ा दी. प्राचार्य राय ने सभी पदाधिकारियों को बैज और सैश पहनाकर उन्हें बधाई दी. उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे छात्र परिषद् के सदस्य न केवल अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा से निभाएंगे,बल्कि विद्यालय को गौरव के शिखर पर पहुंचाने में भी अग्रणी रहेंगे.

मेकॉन विप्स फोरम ने धूमधाम से मनाया सावन मिलन समारोह

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में मेकॉन लिमिटेड की वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) फोरम की ओर से श्यामली कॉलोनी स्थित इस्पात क्लब में रंगारंग सावन मिलन समारोह का आयोजन हुआ. विप्स की अध्यक्ष डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी. डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने बताया कि गुरुवार की देर रात तक चले समारोह में मेकॉन की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. सभी ने सावन के उल्लास और पारंपरिक त्योहार को सामूहिक तौर पर मिलकर मनाया. इस तरह का आयोजन आपसी एकता और सौहार्द को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है.

रांची रेलवे स्टेशन पर दो आधुनिक प्याऊ का उद्घाटन

रांची। गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से रांची रेलवे स्टेशन पर दो अत्याधुनिक प्याऊ का शुभारंभ किया गया. फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के तत्वावधान में प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर इन प्याऊ की व्यवस्था की गयी है. प्रोजेक्ट संयोजक अरुण भरतिया, चैंबर के प्रार्थना ग्रुप और पंचरत्न ग्रुप का इस पहल में विशेष योगदान रहा.रांची रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी अंजनी कुमार राय और स्टेशन प्रबंधक राज कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से इन प्याऊ का उद्घाटन किया.

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के 'मिस्टर लायर' साबित हो रहे हैं : प्रतुल शाहदेव

शुभम संदेश। रांची

झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति में खुद को ₹मिस्टर लायर₹ के रूप में खुद को स्थापित कर रहे हैं. झूठ बोलना और बेबुनियाद आरोप लगाना उनकी आदत बन चुकी है. पहले आरोप लगाते हैं और जब आरोप गलत सिद्ध होता है, तो माफी मांग कर चुपके से निकल जाते हैं. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कभी ₹चौकीदार चोर हैं₹ जैसा आपत्तिजनक और झूठा नारा देकर देश के प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने की कोशिश की. सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिलने के बाद उनको माफी मांगनी पड़ी थी. फिर उन्होंने बिना किसी प्रमाण के यह तक कह दिया कि ₹आरएसएस ने गांधी जी की हत्या की₹, जो अदालत

में झूठा सिद्ध हुआ और उन्हें फिर माफी मांगनी पड़ी.

प्रतुल ने कहा कि चीन की घुसपैठ को लेकर भी उन्होंने बार-बार झूठ फैलाया, जबकि हमारी सेनाएं सीमा पर पूरी मजबूती से तैनात हैं. सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपनी टिप्पणी में कहा कि एक सच्चे देशभक्त को इस तरह की भाषा नहीं बोलनी चाहिए. राहुल गांधी देश की सेना का मनोबल गिराने की कोशिश लगातार करते रहे हैं. दिवंगत नेता अरुण जेटली के बारे में उन्होंने झूठी बात कह दी कि वह उनको कृषि कानून लेकर धमका रहे थे, जबकि कृषि कानून आने के पहले ही अरुण जेटली जी का देहांत हो चुका था.

शाहदेव ने यह भी कहा कि अब नवीनतम उदाहरण में राहुल गांधी ने यह कहकर कि ₹चुनाव आयोग वोट चुरा रहा है₹, देश के लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया है. यह बेहद शर्मनाक और गैर-जिम्मेदाराना है. कहा राहुल गांधी सक्षम जगह पर सबूत पेश करके अपनी बातों को नहीं रखेंगे. सिर्फ प्रेस कांफ्रेंस कर माहौल बिगड़ने की कोशिश करते हैं. उन्होंने चुनाव आयोग के लिए फ्रॉड जैसे शब्द का प्रयोग किया, जो प्रतिपक्ष के नेता को कतई शोभा नहीं देता. राहुल गांधी ने तो चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों तक को धमका दिया कि जब उनकी सरकार आएगी तो सबको देखा जाएगा. प्रतिपक्ष के नेता का यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना बयान है.

दुर्गा पूजा और छठ पर्व पर विशेष ट्रेन चलाने की मांग

रांची। दुर्गा पूजा और छठ महापर्व को देखते हुए हटिया स्टेशन से देश के विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए विशेष ट्रेनों के परिचालन की मांग की गई है. दक्षिण पूर्व रेलवे के जोनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव कमेटी (जेडआरयूसीसी) सदस्य अरुण जोशी ने इस संबंध में शुक्रवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखकर इस संबंध में आग्रह किया है. भारी भीड़ के कारण टिकट की उपलब्धता और यात्रा में कठिनाइयां बढ़ जाती हैं. जेडआरयूसीसी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने रेलवे को यह सुझाव दिया कि सिकंदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, सूरत, अहमदाबाद सहित रांची से दिल्ली (वाया लोहरदगा, टोरी, डाल्टनगंज, गढ़वा, दीनदयाल उपाध्याय जं., बनारस, अयोध्या धाम, लखनऊ) के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएं. यदि दक्षिण पूर्व रेलवे के पास रेक या मार्ग की सुविधा सीमित हो, तो दक्षिण मध्य, पश्चिम मध्य और दक्षिण पश्चिम रेलवे से समन्वय कर इन गंतव्यों के लिए ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं.

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में 6 वर्ष की मादा जिराफ 'मिस्टी' और सिल्वर फीजेंट लाये गये

जल्द ही नर जिराफ भी होगा शामिल : उद्यान निदेशक

शुभम संदेश। रांची

भगवान बिरसा जैविक उद्यान, रांची और प्राणी उद्यान अलीपुर, कोलकाता के बीच हुए जीव आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत रांची में एक मादा उत्तरी जिराफ व सिल्वर फीजेंट का एक जोड़ा लाया गया. मादा जिराफ का नाम 'मिस्टी₹ है और इसकी आयु 6 वर्ष है. जिराफ का औसत जीवनकाल चिड़ियाघरों में लगभग 19 से 20 वर्ष और प्राकृतिक आवास में 17 से 18 वर्ष तक होता है. उत्तरी जिराफ मुख्यतः अफ्रीका के पूर्वी व मध्य भागों में जैसे केन्या, दक्षिण सूडान, चाड, नाइजर व मध्य अफ्रीकी गणराज्य के कुछ संरक्षित क्षेत्रों में पाए जाते हैं. जिराफ शाकाहारी प्राणी है, जिसे चिड़ियाघरों में प्रायः विभिन्न वृक्षों की पत्तियां और घास खिलाई जाती है.

जैविक उद्यान के निदेशक जब्बर सिंह ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण आदान-प्रदान कार्यक्रम था, जो कई दिनों से लंबित था, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया. उन्होंने कहा कि अगले चरण में नर जिराफ को भी रांची लाया जाएगा. इस मादा जिराफ की ऊंचाई 12 फीट से अधिक है, जिस कारण इसके लिए 14 फीट ऊंचा विशेष बाडा तैयार किया गया था. निम्न तल ट्रेलर में लादने के बावजूद जमीन से इसकी ऊंचाई 16-17 फीट रही, जिस कारण कोलकाता से रांची तक लगभग 24 घंटे का सफर तय कर इसे लाया गया.

जिराफ के आगमन एवं उतारने के समय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखंड, रांची परितोष उपाध्याय भी उपस्थित रहे और जिराफ को सुरक्षित रूप से नाईट शेल्टर में अंदर किए जाने की प्रक्रिया में शामिल रहे. इसके आदान-प्रदान एवं परिवहन को सफल बनाने में जैविक उद्यान के सहायक वन संरक्षक, पशु चिकित्सक दल, वन क्षेत्र पदाधिकारी, जीवविज्ञानी, वनरक्षी, चिड़ियाघर के कर्मचारी व अलीपुर प्राणी उद्यान के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

आनेवाले दिनों में दरियाई घोड़ा, हिमालयन काला भालू और घड़ियाल का भी आदान-प्रदान होगा

इस आदान-प्रदान के अंतर्गत प्राणी उद्यान अलीपुर, कोलकाता से मादा जिराफ एवं सिल्वर फीजेंट प्राप्त करने के बदले भगवान बिरसा जैविक उद्यान, रांची की ओर से फिलहाल शुतुरमुर्ग भेजा जा रहा है और अगले चरण में स्वीकृत शेष प्राणियों दरियाई घोड़ा, हिमालयन काला भालू एवं घड़ियाल का आदान-प्रदान किया जाएगा. यह आदान-प्रदान न केवल दोनों संस्थानों के बीच सहयोग का उदाहरण है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण एवं आगंतुकों के लिए विविध जीवों के प्रदर्शन को भी समृद्ध करेगा.

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व है आज, बांधेंगे राखी और खाएंगे मिठाई

40 साल बाद बाद भद्रा मुक्त है पूरा दिन, जानें शुभ मुहूर्त, तिथि व विशेष योग

शुभम संदेश। रांची

रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को मनया जाएगा.. इस दिन भद्रा का साया नहीं रहेगा, जिससे दिनभर राखी बांधने के लिए शुभ समय उपलब्ध रहेगा. लगभग 40 वर्षों के बाद ऐसा संयोग बन रहा है. रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा. श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त दोपहर 2:12 बजे से शुरू होकर 9 अगस्त दोपहर 1:24 बजे समाप्त होगी. इससे पहले बहनें सुबह नहा धोकर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी. भाई के लिए भगवान से प्रार्थना करेंगी. जबतक की भाई के हाथों में राखी नहीं बांध लेती. तब तक उपवास रहेंगी.

रक्षाबंधन की तिथि और शुभ मुहूर्त

भद्रा का समयः 8 अगस्त को दोपहर 2:12 बजे से 9 अगस्त को 1:52 बजे तक.

पूर्णिमा तिथि : 8 अगस्त को दोपहर 2:12 बजे से 9 अगस्त को दोपहर 1:24 बजे तक.

शुभ मुहूर्तः सुबह 5:47 बजे से दोपहर 1:24 बजे तक (7 घंटे 37 मिनट).

अभिजीत मुहूर्त : दिन के 12:02 बजे से 12:50 बजे तक.

विशेष योग और महत्व

सर्वार्थ सिद्धि योग : रक्षाबंधन पर यह योग इसे और भी खास बना रहा है.

सौभाग्य योग : इस योग से रक्षाबंधन का महत्व और भी बढ़ जाता है.

बुधादित्य योगः यह योग रक्षाबंधन को और भी शुभ बना रहा है.

सिर्फ धागा नहीं, संवेदना और विश्वास का प्रतीक : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि रक्षाबंधन केवल धागे का बंधन नहीं, बल्कि संवेदना, श्रद्धा, विश्वास और कर्तव्य का प्रतीक है. इस दिन बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी दीर्घायु, सुख और समृद्धि की कामना करती हैं. बदले में भाई जीवनभर बहन की रक्षा करने का वचन देते हैं और उपहार देते हैं.

पौराणिक कथाओं में रक्षाबंधन का महत्व : पौराणिक कथा के अनुसार, माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधकर भगवान विष्णु को बैकुंठ वापस लाने का मार्ग बनाया. महाभारत में द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण को साड़ी का टुकड़ा बांधने की कथा भी रक्षाबंधन की भावनाओं का प्रतीक है.

खून के रिश्तों से परे सामाजिक भाईचारा : रक्षाबंधन केवल खून के रिश्तों तक सीमित नहीं है. कई स्थानों पर महिलाएं मित्र, पड़ोसी या सैनिकों को भी राखी बांधती हैं, जिससे यह पर्व सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देता है. विदेशों में बसे भारतीय भी इसे धूमधाम से मना रहे हैं. बहनें डाक या ऑनलाइन माध्यम से राखी भेज रही है. भाई भी उपहार व शुभकामनाओं से रिश्तों को जीवंत रखते हैं. संजय सर्राफ ने कहा कि यह पर्व नारी सम्मान, पारिवारिक एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है. ऐसे अवसर पर हमें परिवार और समाज को सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए.

झारखंड हिंदी साहित्य संस्कृति मंच का स्थापना दिवस कल

साहित्यकार हिमकर श्याम, अनिता रश्मि और डॉ. सुरिंदर कौर नीलम होंगे सम्मानित

शुभम संदेश। रांची।

झारखंड हिंदी साहित्य संस्कृति मंच द्वारा 10 अगस्त को वाईबीएन यूनिवर्सिटी, नामकुम के सभागार में मंच का स्थापना दिवस एवं तुलसी जयंती समारोह का आयोजन संयुक्त रूप से किया जाएगा. इस अवसर पर हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तीन विशिष्ट साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा. हिंदी साहित्य और संस्कृति में विशेष योगदान के लिए साहित्यकार हिमकर श्याम व अनिता रश्मि को 'साहित्य संस्कृति सम्मान' से नवाजा जाएगा. वहीं, अहिंदी भाषी साहित्यसेवी डॉ. सुरिंदर कौर नीलम को 'हनुमान सरावगी हिंदी साहित्य सम्मान' प्रदान किया जाएगा. समारोह के मुख्य अतिथि होंगे वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य (डॉ.) धर्मेन्द्र. विशिष्ट अतिथि के रूप में वाईबीएन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. सत्यदेव पोद्दार और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नंदजी दुबे उपस्थित रहेंगे. समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जंग बहादुर पांडेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, रांची विश्वविद्यालय, विचार व्यक्त करेंगे.

हिमकर श्याम

अनिता रश्मि

डॉ. सुरिंदर कौर नीलम

ब्रीफ न्यूज

विश्व आदिवासी दिवस पर समारोह का आयोजन

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय स्थित जोगियाडीह मैदान में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर समारोह का आयोजन किया जायेगा. इसकी तैयारियां तकरीबन पूर्ण हो चुकी है. मैदान में मंच निर्माण, पंडाल सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा और अतिथियों के स्वागत की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा चुका है. आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस अवसर पर पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत और सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा. कार्यस्थल पर मौजूद ईश्वरी उरांव, शंकर उरांव, सकेंदर गंझू, बिमल ने संयुक्त रूप से कहा कि यह दिवस न केवल उत्सव का प्रतीक है

पांडू में गोलपा शिव मंदिर और शिवलिंग की स्थापना

पांडू (पलामू)। पांडू प्रखंड के रतन पंचायत मुरली पहाड़ी पर रतनाग पंचायत के मुखिया शशि भूषण पाल के अध्यक्षता में आचार्य देवेंद्र पाठक ने मंत्रोच्चारण कर शिवलिंग की स्बोना की. पथलहरा दो मोहन से 175 महिला-पुरुष ने कलश यात्रा निकाली. बिलहरा रत्नाग, गोलपा, चुना गोरेया ,महुआ धाम सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों ने अनुष्ठान में हिस्सा लिया. मंदिर के मुख्य पुजारी रामकृष्ण ठाकुर ने अनुष्ठान संपन्न कराए, जिसमें ग्रामीण कृष्ण यादव, छोटू ठाकुर, अशोक ठाकुर, शंकर पाल, गोलू ठाकुर, राजेश्वर ठाकुर सहित अन्य लोगों ने भाग लिया, मौके पर 24 घंटे रामनाम सह कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया.

बालूमाथ में दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी गई

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को शोकसभा का आयोजन कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. 20 सूत्री अध्यक्ष नागदेव उरांव की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में झारखंड अलग राज्य के प्रणेता, आंदोलन के नेतृत्वकर्ता दिवंगत शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे. कार्यक्रम में दो मिनट मौन रखकर दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. मौके पर झामुमो 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष नागदेव उरांव, शंकर उरांव, लालजी उरांव, परमेश्वर उरांव, शिबू उरांव, संतोष सिन्हा, बीभा उरांव, लालू उरांव, बनारस उरांव, बलदेव उरांव, बृजलाल प्रसाद गुप्ता, करमा उरांव, चरण उरांव, बहादेव उरांव, नन्हू उरांव, हरि प्रजापति, मोहन प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे. वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई का प्रतीक रहा है.

आज सिडहा में होगा रक्षाबंधन समारोह

उंटारी रोड (पलामू)। श्रावण पूर्णिमा व रक्षा बंधन के पावन अवसर पर इस वर्ष भी सिडहा स्थित अपने पैतृक आवास पर भाजपा नेता रामाशीष यादव के नेतृत्व में भव्य रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर हजारों बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सशक्त करेंगी.पिछले वर्ष आयोजित रक्षाबंधन समारोह ने इतिहास रचते हुए 7000 से अधिक बहनों के साथ विश्व रिकॉर्ड कायम किया था. इस बार भी बहनों का उत्साह देखते हुए यह कार्यक्रम और भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है.रामाशीष यादव ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वे उनके सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहेंगे और उनकी मदद करेंगे.

बरवाडीह से जुड़नेवाली चिरमिरी रेल लाइन के काम में तेजी लाने की मांग

- सांसद कालीचरण सिंह ने संसद में उठाया मामला

शुभम संदेश। बरवाडीह

चतरा संसदीय क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने बरवाडीह समेत झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार के पिछड़े क्षेत्रों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी बरवाडीह-चिरमिरी रेल लाइन परियोजना को लेकर भारत सरकार के रेल मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट किया है. सांसद ने नियम 377 के तहत लोकसभा सदन में बरवाडीह–चिरमिरी रेल परियोजना का मुद्दा को उठाते हुए इस परियोजना के प्रति केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित कराया है. उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना न केवल झारखंड बल्कि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार के कई पिछड़े क्षेत्रों को सीधे जोड़ने में सहायक होगी. इसके पूरा होने से बरवाडीह से महाराष्ट्र की दूरी लगभग 400 किलोमीटर तक कम हो जाएगी, जिससे परिवहन लागत में भारी कमी आएगी और समय की भी बचत होगी. इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे. सांसद ने कहा कि पूर्व में इस परियोजना पर रेल मंत्री से चर्चा हो चुकी है और उन्हें सकारात्मक आश्वासन भी मिला था. बावजूद इसके, अब तक इस परियोजना की प्रगति या वर्तमान स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है. यह स्थानीय जनता के हित में एक गंभीर विषय है. उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि बरवाडीह-चिरमिरी रेल लाइन की वर्तमान स्थिति की शीघ्र समीक्षा कर इसे प्राथमिकता के आधार पर कार्यान्वित किया जाए ताकि झारखंड सहित पूरे क्षेत्र के लोग इसका शीघ्र लाभ प्राप्त कर सकें.
इस रूट के चालू होने से बरवाडीह से मुंबई मात्र 24 घंटा में पहुंचा जा सकता है. वर्तमान में यहां के लोगों को मुंबई जाने में 36 से 40 घंटे का समय लगता है. इसके अलावा कोलकाता से मुंबई की दूरी जहां 400 किमी कम होगी. वहीं 5 से 6 घंटे के समय की बचत होगी. वर्तमान में ये दोनों मेट्रों सिटीज दो रूट से जुड़ी हुई है. अंग्रेज ने बरवाडीह–चिरमिरी रेल परियोजना का प्रस्ताव वर्ष 1925 में लाया था. परंतु इस परियोजना का काम वर्ष 1930 से शुरू किया गया था. ब्रिटिश सरकार ने इस परियोजना को इस क्षेत्र में पाए जानेवाले खनिज संपदा की ढुलाई करने और दो मेट्रो सिटीज कोलकाता ओर मुंबई की दूरी को कम करने के उदेश से किया था. जिसका निर्माण रुका हुआ है. बता दें कि यह परियोजना 85 वर्ष से बन्द पड़ी है. दूसरे विश्व युद्ध (1939–45) के दौरान ही बंद हुई थी. जिसे अब सांसद कालीचरण सिंह ठंडे बस्ते से निकालने की कोशिश कर रहे है.

आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका पद के चयन में गड़बड़ी का आरोप

पवन कुमार सिंह

हुसैनाबाद (पलामू)। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत पंचायत उपरीकला के ग्राम उपरीखुर्द स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका पद के चयन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. आरोप है कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और योग्यता को दरकिनार करते हुए एक गलत आवेदिका को नियुक्त कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 23 जुलाई को आंगनबाड़ी केंद्र-उपरीखुर्द हेतु सेविका पद के लिए आमसभा का आयोजन किया गया था. इस प्रक्रिया का संचालन महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार की सेविका/सहायिका चयन नियमावली के अंतर्गत किया गया. चयन समिति की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) हुसैनाबाद कर रही थीं, जिसमें स्थानीय प्रधानाध्यापक, महिला पर्यवेक्षिका, पंचायत समिति सदस्य इंदु देवी और मुखिया प्रेमा देवी शामिल थे. चयन प्रक्रिया में कुल 11 आवेदिकाएं शामिल हुईं, जिनमें उपरीखुर्द गांव की स्थायी निवासी संजू कुमारी, पति अभिमन्यु कुमार सिंह, सबसे प्रबल दावेदार के रूप में उभरीं. संजू कुमारी ने मैट्रिक में 335 अंक (67%), इंटरमीडिएट में 338 अंक (67.61%) तथा स्नातक में 70.5% अंक प्राप्त किए थे. चयन मानदंडों के अनुसार उन्हें कुल 29 अंक मिले, जो सभी आवेदिकाओं में सर्वाधिक थे. उन्होंने अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, स्थानीय निवास प्रमाणपत्र आदि आमसभा में प्रस्तुत किए. चयन समिति ने मेरिट के आधार पर उन्हें उपयुक्त मानते हुए सेविका पद के लिए औपबंधिक चयन पत्र भी जारी कर दिया. हालांकि, कुछ दिनों बाद यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जिला स्तर पर शिवानी राठौर, पत्नी आलोक कुमार सिंह का चयन कर लिया गया है, जिन्हें महज 25 अंक प्राप्त हुए थे. इस निर्णय ने न केवल स्थानीय समिति के निर्णय पर प्रश्नचिह्न लगाया है, बल्कि चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस अन्यायपूर्ण निर्णय के विरुद्ध संजू कुमारी ने अनुमंडल पदाधिकारी, हुसैनाबाद को लिखित शिकायत पत्र सौंपते हुए न्याय की मांग की है. उन्होंने मांग की है कि चयन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मेरिट के आधार पर पुनः चयन किया जाए. संजू ने यह भी कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वे उच्च अधिकारियों और न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होंगी. स्थानीय ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भी इस चयन को लेकर नाराजगी जाहिर की है और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की भावना के विरुद्ध है. यदि योग्यता को दरकिनार कर अनुचित तरीके से चयन होता है, तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि समाज के योग्य और मेहनती लोगों के साथ भी अन्याय है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. अब देखना है कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण पर क्या कदम उठाता है.

विधिक जागरुकता शिविर का शुभारंभ

लातेहार। झालसा के तत्वावधान में जिला विधिक प्रकाधिकार, लातेहार के सचिव शिवम चौरसिया के निर्देश पर जिले के महुआडांड़ कानूनी सहायता केंद्र के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद और महुआडांड़ थाना के पीएलवी आजाद अहमद के नेतृत्व में परहाटोली पंचायत में सात दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया गया. इसका उदघाटन मुखिया रीता खलखो व अन्य अतिथियो ने किया.शिविर में जमानत का निष्पादन, वारंट, गैर जमानतीय वारंट, मुकदमे के लिए सक्षम वकील का अधिकार, राईट एंड ड्यूटिज ऑफ प्राविजन प्रोटेक्शन ऑफ ऑफेंडर्स एक्ट फोस्टरटर केयर एंड स्पांशरशिप आदि की विस्तृत जानकारियां दी. श्री अहमद ने कहा कि वे महुआडांड़ थाना में बतौर पीएलवी कार्यरत हैं. किसी भी प्रकार की विधिक सेवा व जानकारी लेने के लिए उनसे संपर्क किया जा सकता है. मुखिया रीता खलखो ने कहा कि वह पंचायत के सतत विकास के लिए प्रयासरत हैं. शिविर में काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे. शिविर में वृद्धा पेंशन के भी आवेदन लिये गये. भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि से जुड़ने की अपील बैंक खाताधारियों से की गयी.

कांग्रेस को पंचायत और टोलों में मजबूत बनाना है: अजय शाहदेव

लातेहार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटि के द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन मंथन- 2025 के तहत शुक्रवार को लातेहार जिला में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटि को गठन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. लातेहार परिसदन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गूंजर उरांव ने की. बैठक में लातेहार जिला सह प्रभारी डॉ अजय शाहदेव ने कहा कि संगठन सृजन मंथन-2025 के ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटि का गठन किया जाना है. उन्होने कहा कि कांग्रेस को पंचायत व टोलों तक में मजबूत करना है. श्री शाहदेव ने इस कार्य में अपनी जिम्मेदारी को पूरी संजीदगी से पूरा करने की अपील कांग्रेसियों से की. समीक्षा बैठक में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि जिले में कांग्रेस को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेवारी है

सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता हुए सस्पेंड

केस मैनेज करने के आरोप में हुई कार्रवाई

संवाददाता। पलामू

पलामू। पलामू जिले में दुष्कर्म के एक मामले को दबाने की कोशिश के आरोप में सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया है. साथ ही उन्हें लाइन क्लोज भी कर दिया गया है. यह कार्रवाई पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की है.

वीडियो वायरल होने के बाद खुला मामला : मामला तब सामने आया जब दुष्कर्म से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वीडियो देखकर पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लिया और जांच शुरू की. जांच में सामने आया कि थाना प्रभारी ने पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को दबाने की कोशिश की.

लाल जी सिंह को सौंपी गई जिम्मेदारी: संतोष गुप्ता के हटने के बाद लाल जी सिंह को सदर थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है. अब वह इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे.

जांच में मिली कई गड़बड़ियां

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि इस मामले को मैनेज करने के लिए पैसे का लेन-देन हुआ था. थाना प्रभारी ने केस की जांच एएसआई को सौंप दी, जबकि नियम के मुताबिक ऐसे मामलों की जांच सब-इंस्पेक्टर या उससे ऊंचे रैंक के अधिकारी को करनी चाहिए थी

मृत किसान के परिजनों को मिले दो लाख रुपये

बालूमाथ (लातेहार)। बुधवार की रात बालूमाथ पांकी मार्ग पर हेरहंज थाना क्षेत्र के लावागड़ा बस स्टैंड के पास हुई सड़क दुर्घटना में दुधमटिया निवासी किसान जमादार भगत की मौत हो गयी थी. डीवीसी द्वारा संचालित तुबेद कोलियरी में ट्रांसपोर्टिंग कार्य करा रही कंपनी डेवलेक्टो ने मृतक के परिजनों को ने दो लाख रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की है. ज्ञात हो कि बुधवार की रात हुई घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने घटना के विरोध में बालूमाथ-पांकी एसएच-10 मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था. ग्रामीणों की मांग थी कि दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी हो तथा पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए.स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डेवलेक्टो माइनिंग कंपनी के पदाधिकारी एवं कंपनी प्रतिनिधि बलराम पांडेय देर रात घटनास्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों की बात ध्यान से सुनी. उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दो लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की. यह पहली बार नहीं है जब डेवलेक्टों माइनिंग कंपनी ने किसी जरूरतमंद परिवार के दुख की घड़ी में सहायता की.पहले भी क्षेत्र में आपदा, दुर्घटना या जरूरत के समय कंपनी ने मानवीय पहल करते हुए स्थानीय लोगों की मदद की है. कंपनी के प्रतिनिधि बलराम पांडेय ने कहा कि कंपनी स्थानीय समुदाय के साथ आत्मीय जुड़ाव रखती है. ऐसी दुखद घड़ी में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता है. हरसंभव सहायता के लिए हम खड़े हैं. कंपनी द्वारा दिखाए गए संवेदनशील रुख और मदद के बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ और उन्होंने सड़क से जाम हटा लिया. पुलिस अज्ञात वाहन की खोजबीन के लिए सीसीटीवी फुटेज आदि की मदद ले रही है.

युवती ने घर में फांसी लगाकर दी जान

शुभम संदेश। महुआडांड

थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में 16 वर्षीय युवती गीता चोराठ पिता अमित चोराठ ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी. इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया युडी केस कर ममाले की जांच चल रही है. जांच के बाद ही फांसी लगाने के कारण का पता चल सकता है. मामले को लेकर इलाके में दहशत व्याप्त है फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया गया है.

अनियमितता राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की मिसाल पेश की

रक्षाबंधन पर बच्चों ने पुलिस को बांधी राखी

शुभम संदेश। पलामू

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना परिसर में एक ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो हर किसी के दिल को छू लिया. क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से आए नन्हें-मुन्ने बच्चों ने थाना प्रभारी सहित पुलिस पदाधिकारियों को राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की मिसाल पेश की. इस अवसर पर बच्चों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिठाइयां और चॉकलेट बांटकर खुशियां साझा कीं. पुलिस पदाधिकारियों ने भी बच्चों को उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें हमेशा सुरक्षित व सहयोगी माहौल प्रदान करने का भरोसा दिलाया.पलामू पुलिस ने इस आयोजन को समाज और पुलिस के बीच विश्वास व स्नेह को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया. ऐसे आयोजन भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि पुलिस और जनता के बीच आपसी सामंजस्य और प्रेम बढ़े.

गढ़वा : सदर अस्पताल के प्री-फेब्रिकेटेड वार्ड में चोरी, प्राथमिकी दर्ज

गढ़वा। सदर अस्पताल परिसर स्थित प्री फेब्रिकेटेड वार्ड से चोरों ने लाखों रुपये के सामान की चोरी कर ली है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से गढ़वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. सदर अस्पताल परिसर में संक्रमित मरीजों को आइसोलेट रखने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से 50 बेड वाला प्री फेब्रिकेटेड अस्पताल भवन का निर्माण कराया गया है. इसी बीच, चोरों ने सुनसान पड़े इस अस्पताल भवन को निशाना बनाते हुए आक्सीजन पाइप, कांसंन्ट्रेटर, तार एवं पंखे सहित कई अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की चोरी कर ली.अस्पताल के कर्मचारियों को तब इसकी जानकारी हुई, जब वे हाल ही में उक्त भवन की सफाई एवं निरीक्षण के लिए पहुंचे. वहां जरूरी उपकरण गायब थे. इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह चोरी एक-दो दिन में नहीं, बल्कि योजनाबद्ध ढंग से की गई है.

कर्बला के मैदान में फल-सब्जी और पानी की बोतलों का वितरण

गढ़वा। जानकी सामूहिक विवाह फाउंडेशन के तत्वावधान में शुक्रवार को गढ़वा सदर अस्पताल रेलवे स्टेशन एवं कर्बला के मैदान में फल पूरी सब्जी एवं पानी का बोतल का वितरण किया इस संबंध में सचिव रितेश कुमार तिवारी ने बताया कि जानकी सामूहिक विवाह फाउंडेशन के द्वारा गरीब असहाय लोगों को के बीच खान तथा फल का वितरण किया गया है उन्होंने बताया कि उनके फाउंडेशन के द्वारा कमजोर असहाय निर्बल बहन बेटियों का विवाह करवाना तथा छात्र-छात्राओं को सम्मानित एवं पुरुस्कृत करना असहाय माता-पिता का सेवा करना तथा मध्यम वर्गों के लोगों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना उनके लक्ष्य है इस मौके पर अध्यक्ष संजीव दुबे उपाध्यक्ष प्रिंस कुमार सिंह कोषाध्यक्ष पवन कुमार उपाध्याय शाहिद हुसैन जयप्रकाश तिवारी दानिश खान महिला समूह के अध्यक्ष हसीना खातून रानी कुमारी खुशबू कुमारी वर्षा कुमारी रश्मि कुजूर एवं रेयाज अंसारी उपस्थित है

एक नजर

माइक्रो फाइलेरिया रोकथाम पर बैठक आयोजित

महुआडांड़(लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड सभागार में दिन शुक्रवार को लातेहार जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एमडीए आईडीओ कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी बिपिन कुमार दुबे,प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष बैठा, जिला परिषद सदस्य, पंचायतों के सभी मुखिया तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे. बैठक के दौरान पिरामल फाउंडेशन और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अमित खलखो एवं ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर ने आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलने वाले एमडीए आइडीओ कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम के तहत 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी स्वस्थ व्यक्तियों को फाइलेरिया उन्मूलन के लिए निर्धारित दवा दी जाएगी. अधिकारियों ने बताया कि दवा सेवन के बाद यदि किसी व्यक्ति को सिर दर्द, उल्टी या चक्कर जैसी हल्की प्रतिक्रियाएं महसूस हों, तो यह घबराने की नहीं बल्कि प्रसन्नता की बात है, क्योंकि इसका अर्थ है कि दवा शरीर में मौजूद माइक्रोफाइलेरिया पर प्रभावी हो रही है और उन्हें नष्ट कर रही है. बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों से अपील की गई.

ईमानदारी से काम करें, सफलता मिलेगी : कुमार

लातेहार। जिला अधिवक्ता संघ के सचिव संजय कुमार ने नव आगंतुक अधिवक्ता अमूल्या रंजन का स्वागत करते हुए कहा कि पूरे ईमानदारी और मेहनत से वकालत पेशे में काम करने की जरूरत है. कुमार ने आगे कहा कि अधिवक्ता का कार्य पूरी जिम्मेवारी का कार्य होता है. मुवक्किल अधिवक्ता को अपने मुकदमे की पूरी कार्रवाई सौंप देते हैं, इसलिए उन्हें पूरी निष्ठा एवं तन्मयता से अदालतों में पैरवी करनी चाहिए. इसके पूर्व संघ के अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वकालत गरिमामय पेशा है. युवाओं के इस पेशे में आने से समाज को काफी आशा है. मालूम हो रंजन शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी होटल कार्निवल के प्रोपराइटर राजू रंजन प्रसाद की सुपुत्री और वरीय अधिवक्ता सुनील कुमार की भतीजी हैं. अधिवक्तागणों ने रंजन के उज्जवल भविष्य की कामना किया है. संघ के सचिव संजय कुमार ने नव आगंतुक अधिवक्ता को उपहार देकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया. साथ ही कुमार ने उन्हें एक मुकदमे की ब्रीफ देकर उत्साहित किया.

झारखंड में होगा नए फोरलेन का निर्माण, 450 करोड़ आएगी लागत, नितिन गडकरी ने किया ऐलान

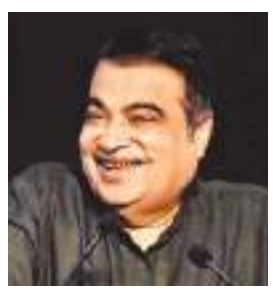

गढ़वा। केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पलामू के शंखा से गढ़वा जिले के खजुरी तक 1129 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार 22 किलोमीटर लंबे एनएच-75 फोरलेन बाईपास का गुरुवार को गढ़वा प्रखंड के हूर गांव में आयोजित समारोह में उद्घाटन किया.मौके पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, गढ़वा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी, डालटनगंज के विधायक आलोक चौरसिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.उद्घाटन के उपरांत नितिन गडकरी ने कहा कि इस समारोह में पलामू प्रमंडल में पानी की कमी की चर्चा होती है. हमारे विदर्भ में भी पानी की समस्या है. इसके लिए मैंने एक छोटा मंत्र को अपने यहां अपनाया है, जो इस प्रकार है,उन्होंने कहा, गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में और घर का पानी घर में. मेरा मानना है कि अगर लोग इस मंत्र पर काम करें तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है.इस दौरान नितिन गडकरी ने कई योजनाओं की स्वीकृति की भी घोषणा की. इन घोषणाओं में गढ़वा से लेकर अंबिकापुर तक साढ़े चार सौ करोड़ की लागत से फोरलेन का निर्माण, झारखंड -बिहार को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पलामू के सिलदाग से पड़वा मोड तक सड़क की मंजूरी देने सहित और भी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की.

डीवीसी कोयला खान का डीजीएमएस ने किया दौरा

लातेहार। डीवीसी तुबेद कोयला खान में डीजीएमएस (खान सुरक्षा महानिदेशालय) ने दौरा किया. वरिष्ठ महाप्रबंधक अरविन्द कुमार ठाकुर ने डीजीएमएस का स्वागत किया. डीजीएमएस के अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से डीवीसी तुबेद कोयला खान में चल रहे कार्यों कि जानकारी ली एवं तुबेद कोयला खान का निरिक्षण भी किया. इस दौरान उन्होंने माइंस जे जुड़े सभी कर्मचारियों से सुरक्षा प्रोटोकाल, एसओपी एवं सभी सम्बंधित कागजातों कि जानकारी ली. उन्होने खदान सुरक्षा से सम्बंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए. डीजीएमएस द्वारा डीवीसी तुबेद कोयला खान में चल रहे कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं अधिकारियों को सुरक्षा के प्रति सचेत रहने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देश दिया. बता दें कि डीजीएमएस भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के अधीन एक नियामक एजेंसी है. यह खानों (कोयला, धातु और तेल-खानों) में कार्यरत व्यक्तियों की व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित मामलों में कार्य करती है. इस मौके पर डीवीसी के उप महाप्रबंधक (खनन) मिथिलेश कुमार, उप महाप्रबंधक अलेक्जेंडर कुजूर, उप महाप्रबंधक (खनन) दीपक कुमार, उप महाप्रबंधक एस दास के अलावा सभी खान प्रबंधक व डीवीसी एवं एमडीओ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. इसके पूर्व छह अगस्त को डीवीसी तुबेद कोयला खान में अध्यक्ष (सीएसीएलबी) सुरेंद्र कुमार पांडेय ने दौरा किया. वरिष्ठ महा प्रबंधक अरविन्द कुमार ठाकुर ने अध्यक्ष पांडेय का स्वागत पौधा देकर किया.

सहायक आचार्य के पद पर इकबाल अहमद का चयन

लातेहार। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेपीएससी) ने स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा 2023 के तहत कक्षा छह से आठ के लिए भाषा विषय का रिजल्ट पिछले गुरूवार को जारी किया है. इस परीक्षा में 1059 अभ्यर्थियों को सफल किया गया है. बता दें कि कुल 4991 पद रिक्त थे. लातेहार जिला से गैर पारा क्षेणी में कुल 26 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है. इनमें एक नाम शहर के अमवाटीकर मुहल्ला निवासी इकबाल अहमद चिश्ती का भी है. चिश्ती ने इस सफलता का श्रेय अपने परिजन और शुभेच्छुओं को दिया है. लातेहार मे ही प्राथमिक व अन्य शिक्षा पूरी करने वाले इकबाल अहमद चिश्ती ने कहा कि अगर सच्चे मन से परिश्रम की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है. बता दें कि चिश्ती के पिता मो इसराफिल अंसारी भी एक सरकारी शिक्षक थे और प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत हुए थे. जबकि इकबाल के बड़े भाई सखी सरवर चिश्ती सिक्यूरिट कंपनी इंडिगो सिक्यूरिटी फोर्स (आइएसएफ) के डायरेक्टर हैं.

नहीं रहे शिव शिष्य राजेश्वर राम, शोक

लातेहार। बकोरिया शिव मंदिर के पुजारी और शिव शिष्य परिवार के वरीय सदस्य राजेश्वर राम का आज आकस्मिक निधन हो गया है. जानकारी के अनुसार शिव शिष्य राजेश्वर राम श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर शोभायात्रा निकालने की तैयारी कर रहे थे. शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर मंदिर प्रांगण से जैसे ही निकले अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई. आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. मालूम हो राजेश्वर राम अनुसूचित जाति परिवार से तालुक रखते थे और धर्म में उनकी काफी श्रद्धा भक्ति थी. उन्होंने बकोरिया में विशाल शिव मंदिर का निर्माण जन सहयोग से कराया था और कई गांव की जनता ने उन्हें उक्त मंदिर का आचार्य घोषित किया था. पूरे उम्र गृहस्थ सन्यासी की भांति उन्होंने शिव गुरु चर्चा का आयोजन किया उनके निधन की खबर सुनकर क्षेत्र में शोक व्याप्त है

ब्रीफ न्यूज

विधायक प्रदीप प्रसाद ने 500 पौधे वितरित किए

हजारीबाग। सदर प्रखंड के नगवां में विधायक प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में पौधा वितरण और पेड़ लगाव अभियान का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस दौरान 500 पौधे ग्रामीणों में वितरित किए गए. विधायक ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, उनकी देखभाल भी आवश्यक है ताकि पर्यावरण संतुलित और हरा-भरा बना रहे. इस वर्ष 1,51,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ शुरू हुए अभियान में अब तक 62,500 पौधे वितरित और रोपे जा चुके हैं. उन्होंने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल का आग्रह किया ताकि ये बड़े होकर पर्यावरण को स्वच्छ हवा और छाया प्रदान करें. कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीणों ने अभियान की सराहना की. यह अभियान हजारीबाग के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जारी है और आने वाले दिनों में अन्य पंचायतों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

सांसद ने ओएनजीसी चेयरमैन से की मुलाकात

हजारीबाग। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली में ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह से मुलाकात कर बड़कागांव प्रखंड के 56 लंबित गैस कुओं को पुनः चालू करने का आग्रह किया. उन्होंने बताया कि बड़कागांव के अंगो, तलस्वार, बलिया, नापो, हरली, चंदोल और सांढ गाँवों में कुल 63 गैस कुएँ खोदे गए थे, जिनमें से केवल 7 से ही उत्पादन हो रहा है. 56 कुएँ बंद पड़े हैं, जो ₹ऊर्जा गंगा पाइपलाइन₹ परियोजना से जुड़े हैं, लेकिन इसका काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है. सांसद ने चेयरमैन से इन कुओं को शीघ्र चालू करने की अपील की ताकि क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता का उपयोग हो और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलें.

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से की मुआवजे की मांग

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के एनटीपीसी कोयला परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित परिवारों के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की. उन्होंने विस्थापितों को उचित मुआवजा और पुनर्वास दिलाने की मांग की. जायसवाल ने भूमि अधिग्रहण मुआवजे को 40 लाख प्रति एकड़ तक बढ़ाने और पुनर्वास राशि को 15 लाख करने का सुझाव दिया. उन्होंने 'कट-ऑफ डेट' नियम से होने वाले वंचितों की समस्या भी उठाई और कहा कि लाभार्थी वास्तविक अधिग्रहण तिथि के आधार पर तय किए जाएं. सांसद ने विस्थापित परिवारों को पूरा हक्क और सम्मान दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए.

जनता से लूट बर्दाश्त नहीं : विधायक अमित यादव

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड मुख्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित पंचायत समिति बैठक में विधायक अमित कुमार यादव ने भ्रष्टाचार और अवैध वसूली पर कड़ी नाराजगी जताई. बैठक में दाखिल-खारिज, आवास सर्वे, बिजली-पानी आपूर्ति की अनियमितता, अतिक्रमण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को पंचायत सदस्यों ने प्रमुखता से उठाया. विधायक ने स्पष्ट कहा कि जनता से अवैध वसूली किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी. अगर किसी कर्मी को वेतन नहीं मिल रहा तो वे मदद करेंगे, लेकिन लापरवाही और मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी. बैठक में प्रमुख अंजू देवी, उप प्रमुख राजनारायण सिंह, बीडीओ गौतम कुमार, थाना प्रभारी बब्लू कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय को मिला सातवां स्थान

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय को 'द वीक - हंसा रिसर्च बेस्ट यूनिवर्सिटीज सर्वे 2025' में पूर्वी क्षेत्र के निजी एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में सातवां स्थान प्राप्त हुआ है. यह सम्मान कुलपति प्रो. पी.के. नायक ने नई दिल्ली में आयोजित एजुकेशन कॉनक्लेव 2025 में ग्रहण किया. प्रो. नायक ने इसे झारखंड की शिक्षा व्यवस्था की उपलब्धि बताया. कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने इसे संकाय, छात्रों व कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम कहा. प्रो वाइस चांसलर डॉ. गौरव शुक्ला ने विश्वविद्यालय की नवाचार, इंडस्ट्री कनेक्ट और बहुविषयक शिक्षा प्रणाली को इस सफलता का आधार बताया. इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी ने जश्न मनाया.

ग्रिज़ली विद्यालय में मनाया गया रक्षा बंधन उत्सव

कोडरमा (तिलैया डैम)। ग्रिज़ली विद्यालय में भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षा बंधन हर्षोल्लास व पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर की पूजा और श्वेता प्रकाश की गणेश वंदना से हुई. प्रीति जगनानी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि कक्षा 2 की दिव्या यादव ने प्रभावशाली अंग्रेज़ी भाषण प्रस्तुत किया. सिया रानी व समूह ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. सीनियर छात्राओं ने छात्रों को तिलक कर राखी बांधी, मिठाई खिलाई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बांधी. छात्रा लाहिरी ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला और वृक्षारोपण का आह्वान किया.

विभावि में जनजातीय दिवस समारोह सम्पन्न

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग द्वारा जनजातीय दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार में समापन समारोह आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि आदिवासी जीवन दर्शन और परंपराएं मानवता के मूल मूल्य हैं, जिनसे हमें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है. उन्होंने जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद रंजन ने की. पेंटिंग प्रतियोगिता में अंशुश्री हेसा प्रथम रहीं, जबकि भाषण प्रतियोगिता में मैन्युअल हेंब्रम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. पौधारोपण कार्यक्रम रोटरी क्लब हजारीबाग के सहयोग से हुआ.

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं जनता की फरियादें

चतरा। समाहरणालय परिसर में आयोजित जनता दरबार में डीसी कीर्तिश्री ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं. दरबार में भूमि विवाद, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आवास योजनाओं और अन्य विभागीय शिकायतें प्रमुख रहीं. डीसी ने सभी मामलों की गंभीरता से सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित व पारदर्शी कार्रवाई का निर्देश दिया. हर मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक जनता दरबार का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं. विशेष रूप से भूमि विवादों की संख्या लगातार बनी रहती है, जिससे यह सवाल उठता है कि आखिर इन विवादों की जड़ में कौन है और गरीब कब तक फरियाद करते रहेंगे.

डीएवी रजरप्पा में श्रावण महोत्सव की धूम

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा के जूनियर विंग में 6 से 8 अगस्त 2025 तक श्रावण महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया. इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से कक्षा 1 तक के छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया. छोटे बच्चों ने भगवान शिव, माता पार्वती व हनुमान की भूमिका निभाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया. एलकेजी के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रभावशाली नारे लगाकर सभी को प्रेरित किया. यूकेजी के बच्चों ने मधुर भजनों से वातावरण में आध्यात्मिकता घोल दी. वहीं कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने शिव तांडव स्तोत्र और गीता श्लोकों का भावपूर्ण वाचन कर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की.

पूरनानगर रोड में बंद घर में हुई चोरी

कोडरमा। थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरनानगर रोड स्थित दीपक सिंह के मकान से चोरी की घटना हुई है. जानकारी के अनुसार गृह स्वामी एक महीना से अपने गांव गया (बिहार) में रह रहे थे. शुक्रवार को जब दीपक सिंह की मां घर पर पहुंचीम तो घर का सारे कमरे का दरवाजा कटर से काटा हुआ था. घर के अलमारी में रखे लगभग पांच लाख के जेवरात और लगभग पचास हजार रुपए नगद भी गायब था. जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया. खबर लिखे जाने तक आवेदन देने के तैयारी की जा रही थी. आसपास के लोगों ने कहा कि कोडरमा में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है. पुलिस इस पर विशेष ध्यान दें. साथ ही चौक चौराहे पर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाए.

स्वतंत्रता दिवस को लेकर की गई साफ सफाई

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय परिसर के आस पास शुक्रवार को साफ सफाई की गई. इस दौरान कंपनी कमांडर राजेन्द्र राम बेदिया एवं कैलाश प्रसाद यादव ने बताया कि आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पूरे धूमधाम से झंडा फहराया जाना है, जिसे लेकर गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय परिसर के चारो और साफ सफाई की जा रही है. मौके पर होमगार्ड के जवान दिनेश रजक, राजीव रंजन आदि लोग मौजूद थे.

हजारीबाग के कोर्रा में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का चुनाव संपन्न

कुमुद अध्यक्ष व मोहित बने उपाध्यक्ष

शुभम संदेश। हजारीबाग

कोर्रा में स्थित प्रसिद्ध सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का चुनाव हाल ही में संपन्न हुआ. यह समिति वर्ष 1949 से लगातार धार्मिक परंपराओं और भव्य दुर्गा पूजा आयोजन के लिए क्षेत्र में पहचानी जाती है. पिछले सात दशकों से यह समिति धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का मजबूत आधार रही है. इस बार भी समिति ने अपने संचालन को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नए सदस्यों का चुनाव किया है. चुनाव में सर्वसम्मति से कुमुद गुप्ता को अध्यक्ष पद के लिए नामित किया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर अध्यक्ष पद ग्रहण किया. अध्यक्ष बनने के बाद कुमुद गुप्ता ने समिति के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श कर नए पदाधिकारियों का चयन किया. उपाध्यक्ष के रूप में मोहित कुमार गुप्ता और मिलन मुंडा, सचिव पद पर रोहित पासवान, विवेक पासवान और शुभम गुप्ता, तथा कोषाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार, विशाल गुप्ता और अमन गुप्ता को चुना गया. साथ ही संयोजक के रूप में चीतु गुप्ता, पप्पू टाइगर, अमित गुप्ता, पप्पन मुंडा, सचिन पासवान, सुनील गुप्ता और टिंकू गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई. पूजा प्रभारी के रूप में लल्लन गुप्ता, निक्कू पासवान, रूँनू गुप्ता, आर्यन गुप्ता और नीतीश मंडल चुने गए, जबकि मीडिया प्रभारी की भूमिका धर्म यादव, देवेन्द्र गुप्ता, राहुल गुप्ता, विनय गुप्ता और कुलदीप मंडल निभाएंगे.

समिति के व्यवस्थापक के रूप में डॉ. सुधीर कुमार, शंभू गुप्ता, जोगी गुप्ता, राजा पासवान, धीरज मुंडा, पिंकू मुंडा, छोटू मुंडा, राज गुप्ता, मंजीत गुप्ता, सत्यम श्याम, राज कमल गुप्ता, मिथुन नायक, विशु नायक, करण नायक और रंजीत राम को भी शामिल किया गया है. अध्यक्ष कुमुद गुप्ता ने अपने पदभार ग्रहण के बाद सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि समिति का उद्देश्य केवल दुर्गा पूजा आयोजन तक सीमित नहीं रहेगा. बल्कि समिति धार्मिक सद्भाव, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण को भी बढ़ावा देगी. उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि समिति के सभी सदस्य मिलकर कोर्रा क्षेत्र की इस ऐतिहासिक और गौरवशाली परंपरा को आने वाले वर्षों में और अधिक भव्य रूप देंगे. यह चुनाव और नया समिति गठन कोर्रा क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा. इससे न केवल दुर्गा पूजा का आयोजन और बेहतर होगा, बल्कि स्थानीय समाज में एकता और भाईचारे की भावना भी मजबूत होगी. कोर्रा की पहचान बनी इस परंपरा को सदैव संरक्षित और आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता समिति ने जाहिर की है. यहाँ के लोगों ने इस चुनाव को लेकर खुशी और उत्साह व्यक्त किया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि नई समिति अपने कर्तव्यों का समर्पण और जोश के साथ निर्वहन करेगी.

दो श्रमिक सहकारी समितियों को मिला निबंधन प्रमाण-पत्र

डीवीसी में मिलेगा काम का अवसर

शुभम संदेश। कोडरमा

कोडरमा अंचल के सहायक निबंधक, सहयोग समितियां कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिले की दो श्रमिक सहकारी समितियों की निबंधन प्रक्रिया पूरी कर उन्हें विधिवत प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया. यह प्रमाण-पत्र उपायुक्त श्री ऋतुराज के द्वारा दोनों समितियों को सौंपा गया. इस अवसर पर उपायुक्त ने समितियों के सदस्यों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उपायुक्त ने जानकारी दी कि इन श्रमिक सहकारी समितियों को दामोदर वैली कारपोरेशन (डीवीसी) द्वारा संचालित सिविल व अन्य निर्माण कार्यों में प्राथमिकता दी जाएगी. इससे स्थानीय श्रमिकों और कारीगरों को उनकी योग्यता के अनुसार कार्य करने का बेहतर अवसर मिलेगा. साथ ही, यह कदम जिले में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा. उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय युवाओं को उनके कौशल के अनुसार रोजगार देने में सहकारी समितियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं. इससे न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी, बल्कि स्थानीय संसाधनों का सही उपयोग भी सुनिश्चित हो सकेगा. इस मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जिले के विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया. प्रशासन की यह पहल स्थानीय स्तर पर श्रमिकों को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है.

डोमचांच में अंचल-सह-थाना दिवस का आयोजन

कोडरमा। उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले में भूमि संबंधी विवादों के त्वरित एवं समन्वित समाधान के उद्देश्य से ₹अंचल-सह-थाना दिवस₹ का आयोजन किया गया. यह विशेष जन-सुनवाई कार्यक्रम डोमचांच और मरकच्चो अंचलों में आयोजित हुआ, जिसमें अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी स्तर के पदाधिकारी संयुक्त रूप से उपस्थित रहे और आम जनता की शिकायतों की सुनवाई कर निष्पादन किया. मरकच्चो अंचल में आयोजित अंचल-सह-थाना दिवस के दौरान कुल 13 भू-विवाद संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 06 मामलों का तत्काल निष्पादन किया गया, जबकि शेष 07 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं जिन पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है. वहीं, डोमचांच अंचल के तहत आयोजित कार्यक्रम में कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 08 का समाधान कर दिया गया, जबकि 02 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन हैं. इस पहल का उद्देश्य भूमि विवादों का त्वरित समाधान कर नागरिकों को न्याय दिलाना है. जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि आम नागरिकों को समयबद्ध राहत मिल सके. इस पहल से आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ा है और विवादों के समाधान में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है.

रजरप्पा: सरस्वती विद्या मंदिर में मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़ (रजरप्पा)। सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा कोयलांचल में रक्षाबंधन के पूर्व कन्या भारती के तत्वावधान में ₹मेहंदी लगाओ, राखी बनाओ₹ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम बालिका व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपने हाथों पर पारंपरिक एवं आधुनिक डिजाइनों की सुंदर कलाकृतियाँ रचीं. वहीं, राखी निर्माण प्रतियोगिता में बहनों ने रंग-बिरंगे धागों, मोतियों एवं अन्य सजावटी सामग्रियों से रक्षासूत्रों का सुंदर निर्माण कर भाई-बहन के पावन प्रेम को सजीव किया. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में भारतीय संस्कृति, परंपरा और त्योहारों के प्रति जागरूकता एवं आत्मीयता को विकसित करना था. विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने प्रतिभागियों

की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करते हैं. उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं. प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मूल्यांकन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा. कार्यक्रम के सफल संचालन में कन्या भारती प्रमुख डॉ. गायत्री कुमारी सहित ललिता गिरि, ममता कुमारी, पूनम सिंह, श्वेता पंडा, ज्योति कुमारी एवं समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा.

सड़क पर धान रोपाई कर ग्रामीणों ने जताया विरोध

चतरा। लावालौंग प्रखंड के लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा अब फूट पड़ा है. वर्षों से इस सड़क की मरम्मती नहीं होने और लगातार बढ़ती कीचड़ व जर्जरता से तंग आकर शुक्रवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर ही धान की रोपाई कर अनोखे ढंग से विरोध दर्ज कराया. कर्बला के समीप कीचड़ में तब्दील सड़क पर ग्रामीणों ने धरना देकर वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना था कि वन विभाग की लापरवाही और अड़चनों की वजह से क्षेत्र के कई विकास कार्य वर्षों से रुके हुए हैं. आक्रोशित ग्रामीण जागेश्वर महतो और सुबोध कुमार ने कहा कि यदि वन विभाग को लगता है कि लावालौंग जंगलों में अब भी जंगली जानवर बचे हैं तो सर्वे कराकर इलाके को पूरी तरह से पर्यटन क्षेत्र घोषित किया जाए. लेकिन यदि ऐसा कुछ नहीं है तो विकास कार्यों में अड़चन डालना बंद किया जाए. रिमी मुखिया के पुत्र विकास कुमार ने आरोप लगाया कि मोरम की जगह मिट्टी डालकर सड़क को और अधिक खराब कर दिया गया है.

सीमित संसाधनों के बीच शिवम ने पायी सफलता

चतरा। टंडवा प्रखंड के शिवम कुमार ने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत और लगन से एक मिसाल कायम की है. उनका चयन उड़ीसा के हीराकुंड स्थित आदित्य कैप्टिव पावर प्लांट में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर हुआ है. इस सफलता से न केवल उनके परिवार में बल्कि पूरे गांव में खुशी का माहौल है. शिवम की प्रारंभिक शिक्षा हजारीबाग स्थित विवेकानंद स्कूल से हुई. इसके बाद उन्होंने बीआईटी मेसरा, रांची से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की. पढ़ाई के दौरान उन्होंने एनटीपीसी टंडवा में इंटर्नशिप कर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया, जिसका लाभ उन्हें नौकरी पाने में मिला. शिवम की सफलता पर स्थानीय सांसद, विधायक, पूर्व विधायक किशुन दास, भाजपा नेता ईश्वर दयाल पांडेय, झामुमो जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञासेन, सहायक अध्यापक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुमन भारतीय सहित कई गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है. सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है. शिवम की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है.

चितरपुर | प्रखंड संसाधन केंद्र में बच्चों के लिए लगा नेत्र जांच शिविर

5 से 14 वर्ष के बच्चों की आंखों की हुई जांच

शुभम संदेश। रामगढ़

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को चितरपुर प्रखंड संसाधन केंद्र में एक दिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में 5 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों स्कूली बच्चों की आंखों की जांच की गई. शिविर के आयोजन से एक माह पूर्व प्रखंड के सभी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों के शिक्षकों को प्रारंभिक नेत्र परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया था. इन प्रशिक्षित शिक्षकों ने विद्यालय स्तर पर बच्चों की स्क्रीनिंग की और नेत्र दोष से ग्रसित विद्यार्थियों की पहचान की. विशेषज्ञों का मानना है कि दृष्टि दोष बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर डालता है, जिससे वे अपनी पूरी क्षमता से सीख नहीं पाते. शिविर का उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें समय रहते उचित उपचार उपलब्ध कराना था. चिन्हित बच्चों को आगे चलकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क चश्मे भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे सामान्य बच्चों की तरह शिक्षा प्राप्त कर सकें. शिविर में डॉ. कंचन अग्रवाल द्वारा बच्चों की सूक्ष्म जांच की गई. शिविर के सफल संचालन में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो. इंशा अल्लाह की प्रमुख भूमिका रही. इस अवसर पर बुनियादी विद्यालय चितरपुर, पीएम श्री उच्च विद्यालय रजरप्पा, उच्च विद्यालय सूकरीगढ़ा, लारी, मारंगमरचा, पटेलनगर, पत्थलगढ़वा, चौधरी टोला, बोरोबिंग व बेदिया टोला सहित कई स्कूलों के छात्र उपस्थित थे. कार्यक्रम में पॉवेल कुमार, राजेंद्र कुमार, नसीमा प्रवीन, सुनीता कुमारी, सुनील प्रसाद, प्रिया कुमारी, मनोज महतो समेत कई शिक्षक व स्थानीय लोग मौजूद रहे.

डीएवी रजरप्पा में प्रा चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल रजरप्पा प्रोजेक्ट में शुक्रवार को प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम कार्यालय प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ के सौजन्य से आयोजित हुआ, जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की. कार्यक्रम का शुभारंभ डीएवी झारखंड जोन-डी के एआरओ सह प्राचार्य डॉ. एस.के. शर्मा ने किया. प्रशिक्षण हेतु 9 सदस्यीय चिकित्सकीय दल विद्यालय पहुंचा, जिसमें डॉ. मिहिर कुमार झा, सलोमी कुजूर, पूनम कुमारी, बालो लकड़ा, शबनम खातून, लक्ष्मी कुमारी, अरविंद कुमार, मिथिला देवी एवं सुनीता देवी शामिल थीं.

एक नजर

भाजपा जयनगर मंडल बैठक में तिरंगा यात्रा पर चर्चा

जयनगर (कोडरमा)। भाजपा जयनगर मंडल की एक अहम बैठक देवी मंडप प्रांगण में मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक का संचालन महामंत्री यमुना यादव ने किया. इस दौरान 14 अगस्त को प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई. निर्णय लिया गया कि सभी भाजपा कार्यकर्ता इस दिन अपने-अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराएंगे. बैठक में बताया गया कि 14 अगस्त को जयनगर थाना मोड़ से भव्य तिरंगा यात्रा की शुरुआत की जाएगी, जिसे केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी. वे स्वयं इस यात्रा में शामिल होकर लोगों का उत्साहवर्धन करेंगी. यात्रा पिपचो, परसाबाद होते हुए बरकट्ठा तक जाएगी.

विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

मरकच्चो (कोडरमा)। डोमचांच प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया पंचायत स्थित सत्यम शिवम सुंदरम प्लस टू उच्च विद्यालय में रक्षाबंधन का पर्व बड़े धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर नन्हीं-मुन्हीं बच्चियों ने बच्चों की कलाई पर राखी बांधकर मिठाइयां खिलाईं और भाई-बहन के अटूट प्रेम को दर्शाया. कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक सुखदेव हजाम ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है, जिसे हर वर्ष श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है. बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं. विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण मेहता ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि सभी विद्यार्थियों के जीवन में खुशियां और सफलता आए.

तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपा की बैठक

चौपारण (हजारीबाग)। भारतीय जनता पार्टी चौपारण पूर्वी मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह मंडल प्रभारी रमेश ठाकुर उपस्थित रहे. बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर चर्चा करना था. रमेश ठाकुर ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के तहत शहीद सैनिकों को सम्मानित करने हेतु समारोह का आयोजन, महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता अभियान तथा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. उन्होंने बताया कि 10 और 12 अगस्त को महात्मा गांधी स्मारक परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा.

स्कूल में मिड-डे मील से फल गायब, जांच के आदेश

चतरा। जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड के गोपीपुर गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना में गड़बड़ी का खुलासा हुआ है. पिछले एक सप्ताह से बच्चों को भोजन में फल नहीं दिए जा रहे हैं, जबकि रिकॉर्ड में फल दिखाकर गबन किए जाने का आरोप है. छात्र-छात्राओं ने बताया कि सरकारी मेन्यू के अनुसार सप्ताह में एक दिन फल मिलना चाहिए, लेकिन हाल के दिनों में सिर्फ चावल, दाल और सब्जी ही दी जा रही है. रसोईया ने भी फल वितरण बंद होने की पुष्टि की. विद्यालय के शिक्षक संजय यादव ने यह स्वीकार किया कि मध्यान्ह भोजन में कटौती कर विभागीय खर्चों की पूर्ति की जाती है. उन्होंने आगे सुधार का भरोसा दिलाया.

मां मीना फ्यूल्स पत्थलगड्डा में अव्यवस्थाओं का अंबार

चतरा। पत्थलगड्डा प्रखंड के दानापुर स्थित मां मीना फ्यूल्स पेट्रोल पंप इन दिनों बदइंतजामी और अव्यवस्थाओं का केंद्र बन गया है. पंप परिसर पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुका है जिससे ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बरसात के मौसम में कच्चा परिसर जलजमाव का शिकार हो गया है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को विशेष दिक्कत हो रही है. ग्राहकों का कहना है कि यहां पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता भी नियमित नहीं रहती. कभी पेट्रोल तो कभी डीज़ल नदारद रहता है, जिससे उन्हें ॐ साईं पेट्रोल पंप या नंद पेट्रोलियम की ओर जाना पड़ता है, जो दो से ढाई किलोमीटर दूर है. कई बार उन्हें अपनी गाड़ियों को धकेलकर ले जाना पड़ता है. इतना ही नहीं, पंप पर न तो शौचालय की व्यवस्था है, न ही पेयजल और निःशुल्क हवा या नाइट्रोजन की सुविधा.

कृषि विकास को लेकर विधायक ने ली समीक्षा बैठक

जयनगर (कोडरमा)। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने शुक्रवार को जयनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में एक अहम बैठक की. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई. बैठक में किसानों की समस्याओं, फसल उत्पादन बढ़ाने की रणनीति और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई. विधायक ने कहा कि कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधा और समय पर खाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने केवीके अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को प्रशिक्षण दें और उन्हें नई तकनीकों से खेती के लिए प्रेरित करें. बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यांत्रिकीकरण योजना और फसल बीमा योजना की समीक्षा की गई.

साथी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

चतरा (गिद्धौर)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चतरा द्वारा झालसा रांची के निर्देशानुसार गिद्धौर प्रखंड के पहरा पंचायत अंतर्गत खलारी गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में ₹साथी अभियान₹ के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के महत्व के प्रति जागरूक करना था. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन तथा सचिव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में निराश्रित व अन्य बच्चों की पहचान सुनिश्चित करने और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता को विस्तार से समझाया गया. अधिकार मित्र जितेंद्र दास ने बच्चों और अभिभावकों को आधार कार्ड की प्रक्रिया, इसके लाभ तथा इससे जुड़ी कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी.

जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता

रामगढ़। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रामगढ़ द्वारा शुक्रवार को गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय, रामगढ़ में जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. यह प्रतियोगिता 'खेलो झारखंड' के तहत आयोजित की गई, जिसमें पतरातू और मांडू प्रखंड की टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग में मुकाबले हुए. अंडर-15 व अंडर-17 बालक वर्ग में गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय, रामगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया. वहीं, अंडर-17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), मांडू की टीम ने उत्कृष्ट खेल दिखाकर खिताब अपने नाम किया. इस वर्ग में पवन क्रूस भुरकुंडा की टीम उपविजेता रही. प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया. विजेता टीमें अब राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में रामगढ़ जिला का प्रतिनिधित्व करेंगी.

स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

डीएवी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने पेड़ में बांधी राखी

गुमला। भाई बहन के स्नेह का पर्व रक्षा बंधन के अवसर पर मानवता के साथ प्रकृति की रक्षा के विश्वास के साथ डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बांधकर पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया. इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ रमाकान्त साहु ने कहा कि आज बिगड़ते पर्यावरण संतुलन ने हमारे अस्तित्व को ही ख़तरे में ला दिया है. अतः पर्यावरण सुरक्षा के लिए जागरूक एवं सचेष्ट रहने की ज़रूरत है. हमारा मकसद लोगों तक यह संदेश पहुंचाना है कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं. उनकी रक्षा का दायित्व भी हमें पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाना है. यदि आज हम इनकी रक्षा करने से चूक गए तो भावी पीढ़ी के लिए शुद्ध हवा-पानी नही बचेगा. विद्यार्थियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के अभियान के तहत हमने पेड़ों को राखी बांधने का सिलसिला शुरू किया है. इस अभियान के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया जा रहा है कि पेड़-पौधे जीवधारी हैं. वे हमारे जीवन रक्षक हैं. वे हमारे मित्र हैं. वह हमें प्राणवायु देते हैं. पर्यावरण संतुलन के लिए उनकी रक्षा सबसे ज्यादा जरुरी हैं. इस अवसर पर शिक्षिका संजुक्ता खटुआ, प्रिया समेत इको क्लब की प्रीति, कशिश आदि उपस्थित थे.

अविराम कॉलेज में रक्षाबंधन पर प्रदर्शनी का आयोजन

लोहरदगा। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन टिको, कुरु, लोहरदगा में विश्व आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ प्रतिमा त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. अपने उद्बोधन में कहा कि आदिवासी समाज अत्यंत प्रगतिशील समाज है. यहां महिला समानता है. दहेज जैसी कुप्रथा नहीं है. महिलाएं आज भी जनी शिकार के द्वारा अपनी सशक्त भूमिका का परिचय देती हैं. कला संगीत, फैशन, मनोरंजन आदि की दृष्टि से अनुकरणीय है. आदिवासी समाज की भाषा और संस्कृति को सहेजने की आवश्यक है. जिससे ही हम इस बहुमूल्य थाती को संजो सकते हैं. प्रशिक्षुओं प्रियंका प्रीती, रानी, अमीषा, नीलीफूल, श्याम, नेहा, स्वाति सुधा, सुगंधा, अनामिका, ख़ुशी, अल्फा, नेहा, सुजीत ज्योति, भक्ति, निधि, कविता, सोनू, संध्या, कटरीना, स्रष्टि, रीता, जयंत ,श्रेया, प्रेरणा, निर्मला, गोरेती ने स्व निर्मित राखी की प्रदर्शनी लगाई. जिसे विक्रय भी सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा किया गया. इस अवसर पर रेणुका, जंगबहादुर, ममता, पंकज, अफताब, कुंदन, शिब,सं दीप डॉली, आरती, प्यारी, शशि, चिनीवास आदि उपस्थिति थे और सभी को विश्व आदिवासी और रक्षाबंधन की शुभकामनायें दी गई.

शबरी कन्या छात्रावास में गुरु पूजन सह रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन

शुभम संदेश। गुमला

वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड द्वारा संचालित शबरी कन्या छात्रावास तर्री गुमला में गुरु पूजन सह रक्षाबंधन उत्सव आयोजित किया. इससे पहले परम पवित्र भगवा ध्वज एवं कल्याण आश्रम के संस्थापक पूज्य बालासाहेब देशपांडे, भारत माता, भगवान श्री राम एवं जनजाति वीर शहीद भगवान बिरसा मुंडा के चित्रों के समक्ष राष्ट्र सेविका समिति की विभाग कार्यवहिका जयश्री कुजूर, शबरी आश्रम कन्या छात्रावास की सचिव चंपा देवी, समिति सदस्य ललिता देवी, शोभा देवी एवं वनवासी कल्याण केंद्र गुमला जिला के पूर्व खेल प्रमुख हरिनारायण सिंह, वनवासी कल्याण केंद्र गुमला विभाग के विभाग संगठन मंत्री खेदू नायक के द्वारा दीप प्रज्वलित एवं पुष्पपार्चन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया. गुरु के महत्व एवं हम गुरु पूजन कार्यक्रम के उद्देश्य तथा रक्षाबंधन उत्सव के संबंध में जयश्री कुजूर ने शबरी आश्रम की बहनों को विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि गुरु के बिना हम सब अधूरा हैं. इसलिए गुरु की जितनी सेवा की जाए कम है. अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं राष्ट्र सेविका समिति वर्ष में एक बार आषाढ़ पूर्णिमा से सावन पूर्णिमा तक गुरु पूजन कार्यक्रम के तहत कई जगह कार्यक्रम आयोजन कर गुरु के प्रति समर्पण भाव को जागृत करती है तथा रक्षाबंधन कार्यक्रम के माध्यम से भाई-बहन के साथ-साथ समाज को भी एक सूत्र में बांधते हुए सामाजिक उत्थान की दृष्टि से रक्षाबंधन का कार्यक्रम मनाया जाता है. विभाग संगठन मंत्री खेदू नायक ने रक्षाबंधन उत्सव के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को पढ़ लिखकर समाज एवं राष्ट्र हित में कार्य करने की जरुरत है. हमारे पर्व त्योहार, परम्परा, हमारी संस्कृति एवं पहचान हैं. इसे संरक्षण करने की आवश्यकता है. हरिनारायण सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए. मौके पर हरिनारायण सिंह के सौजन्य से शबरी आश्रम परिसर पर एक औषधीय आंवला वृक्ष का पौधरोपण भी किया गया.

ब्रीफ न्यूज

पिपरवार: प्राइवेट वाहन चालकों ने दिया धरना

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार क्षेत्र में कार्यरत प्राइवेट वाहन चालकों ने अपनी दस सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को जनता मजदूर संघ के बैनर तले जीएम ऑफिस के समक्ष सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया. शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित इस धरने में बड़ी संख्या में वाहन चालक एवं संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे. प्रदर्शन के दौरान वाहन चालकों ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की. धरना दे रहे वाहन चालकों का कहना है कि वे लंबे समय से न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, मेडिकल सुविधा, ड्रेस कोड व अन्य अधिकारों से वंचित हैं.

इटकी में सरना युवा संघ की बैठक संपन्न

इटकी। सरना युवा संघ इटकी के नेतृत्व में सरना स्थल पर आगामी आदिवासी दिवस मनाने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता सरना समिति के अध्यक्ष बीरा उरांव ने की. इस दौरान सर्वसम्मति से 9 अगस्त को आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में सरना स्थल की साफ-सफाई और साज-सज्जा का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है. बैठक में पड़हा राजा अमन उरांव, पहान अशोक उरांव, पनभरा बीजो उरांव, सूरज उरांव, श्रीनाथ कच्छप, मोहन, सोहन सोनू सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे.

कुरूमगढ़ में 34 गोवंशीय पशु तस्करों के चंगुल से बचाए गए

चैनपुर (गुमला)। कुरूमगढ़ पुलिस को पशु तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है. बीती रात की गई एक गुप्त छापेमारी में पुलिस ने 34 गोवंशीय पशुओं को तस्करों के चंगुल से सुरक्षित छुड़ाया. हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे. यह कार्रवाई तब हुई जब कुरूमगढ़ पुलिस को देर रात यह सूचना मिली कि कुछ तस्कर गोवंशीय पशुओं को चैनपुर से कुरूमगढ़ होते हुए कोटाम की तरफ ले जा रहे हैं. सूचना मिलते ही, थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह ने तुरंत एक टीम बनाई, जिसमें एएसआई अनुज पासवान और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे. पुलिस टीम ने बिना देरी किए रोघाडी घाटी के घने जंगली इलाके में रात करीब 3 बजे छापेमारी की. पुलिस की अचानक मौजूदगी देख तस्कर घबरा गए और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए. पुलिस ने घटनास्थल से सभी 34 पशुओं को अपने कब्जे में लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से थाने ले आई. फिलहाल, पुलिस फरार तस्करों की तलाश में जुटी हुई है. इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

ऑक्सब्रिज स्कूल में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल में विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही उत्साह और सांस्कृतिक विविधता के साथ मनाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न आदिवासी संस्कृतियों पर आधारित नृत्य, गीत और नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनमें आदिवासी जीवनशैली, वेशभूषा और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली. विद्यालय की प्राचार्या ईवोन ई. एक्का ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिवस हमें आदिवासी समाज के योगदान, उनकी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली को समझने का अवसर देता है. कार्यक्रम में छात्रों को आदिवासी समुदायों के अधिकारों, चुनौतियों और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी गई. शिक्षकों ने छात्रों को आदिवासी विरासत को संरक्षित रखने की प्रेरणा दी. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक तौफीक आलम, प्राचार्या तथा अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे.

आशा फाउंडेशन व प्राण बजाना का स्वास्थ्य जांच शिविर

इटकी। कुन्दी रोड स्थित आशा संस्था परिसर में इटकी प्राण बजाना एवं आशा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को निःशुल्क जाँच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में डॉ. जीवन मित्रा और डॉ. गीता गुप्ता ने बारीडीह, कुन्दी, मोरो, बोड़िया, कुल्ली, रानीखटंगा के पंद्रह क्रेच सेंटर के छह माह से तीन साल तक के सौ से ज्यादा बच्चों का शर्दी, जुकाम, बुखार व त्वचा रोगों का इलाज किया. इसके साथ ही बच्चों के अभिभावकों की भी ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच की गई. जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं. शिविर में आशा फाउंडेशन के सचिव अजय जायसवाल, सागर बेहरा, पूनम कुजूर, पूजा खलखो, संध्या रानी बेहरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे. इस प्रयास से स्थानीय बच्चों और परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला.

एक नजर

खिलाड़ियों को जर्सी देकर किया गया सम्मानित

लोहरदगा/किस्को। किस्को प्रखंड के नवाडीह ग्राम पंचायत में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की गई. पंचायत की मुखिया मीना कुमारी और आदर्श मोटर परिवहन सहयोग समिति लिमिटेड, किस्को लोहरदगा के अध्यक्ष कुद्दूस अंसारी द्वारा क्षेत्र के पिछड़े व जरूरतमंद खिलाड़ियों को फुटबॉल और जर्सी सेट वितरित कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुखिया मीना कुमारी ने कहा कि कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी केवल खेल सामग्री की कमी के कारण अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाते हैं. हमारा प्रयास है कि ऐसे खिलाड़ियों को साधन उपलब्ध करा कर आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए.

महिला ने डॉक्टरों पर ठोका 18 लाख का दावा

गुमला। जिले की एक प्रसूता महिला नीलू कुमारी ने सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हुई चिकित्सा लापरवाही को लेकर जिला उपभोक्ता फोरम में 18 लाख रुपए का हर्जाना मांगते हुए वाद दायर किया है. महिला ने सिविल सर्जन, तीन चिकित्सकों – डॉ. निर्मला मुंडू, डॉ. रोशन खलखो, डॉ. निशा मिंज – तथा एक सहायक पिंकू पर सेवा में गंभीर त्रुटि का आरोप लगाया है. चौली निवासी नीलू कुमारी ने बताया कि 7 मई 2024 को प्रसव पीड़ा के बाद उसे सदर अस्पताल में भर्ती किया गया. डॉक्टरों ने शिशु की नाड़ी गर्दन में फंसी होने की बात कहकर ऑपरेशन किया, जिससे एक पुत्र हुआ. 17 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, परंतु एक सप्ताह बाद पेट में तेज दर्द शुरू हुआ. बार-बार अस्पताल जाने के बावजूद डॉक्टरों ने केवल दवा दी, जिससे राहत नहीं मिली. इसके बाद नीलू को मुस्कान अस्पताल, बोकारो में भर्ती कराया गया, जहां जांच में पाया गया कि उसके पेट में 7.7 सेमी का कपड़ा छूट गया था.

महालक्ष्मी कंपनी ने स्कूल बैग का वितरण किया

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बेंती पंचायत के अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुसुम टोला में महालक्ष्मी कंपनी द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के तहत कंपनी ने विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बेंती पंचायत की मुखिया सरिता देवी, महालक्ष्मी कंपनी के अधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे. मुखिया सरिता देवी ने बच्चों को मेहनत से पढ़ाई करने और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया. महालक्ष्मी कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी बच्चों को बेहतर शिक्षा ग्रहण करने का संदेश दिया और इस प्रकार के जन सहयोग कार्य को जारी रखने का वादा किया.

शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में शुक्रवार को शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया. इस अवसर पर पुरानीराय स्थित शहीद निर्मल महतो चौक में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य शामिल हुए. सभी ने शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर, माला पहनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम के वक्ताओं ने कहा कि निर्मल महतो का बलिदान झारखंड के इतिहास में अमर रहेगा. उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन को झारखंड की आज़ादी और विकास के लिए समर्पित कर दिया था. शहीद निर्मल महतो की वजह से ही झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला. वक्ताओं ने राज्य सरकार से मांग की कि निर्मल महतो को जल्द से जल्द शहीद का दर्जा दिया जाए और 8 अगस्त को राजकीय अवकाश घोषित किया जाए.

कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय में विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

59 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरित

शुभम संदेश। कोलेबिरा

कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को राज्य सरकार की निशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से आए कुल 59 छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल दी गई.

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में सहूलियत प्रदान करना था. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेंग उपस्थित रहीं. उनके साथ प्रखंड प्रमुख दुतामी हेंमरोम, अंचल अधिकारी अनूप कच्छप, उप प्रमुख सुनीता देवी, विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल प्रसाद, कल्याण पदाधिकारी हृदयनाथ पांडे, बीपीओ नीलिमा कुजूर, सुजीत प्रसाद, आशा किरण सुधा, मुखिया अंजना लकड़ा, अंजू रीना मिंज समेत कई गणमान्य व्यक्ति और शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद थे.

प्रखंड विकास पदाधिकारी बीरेंद्र किड़ो ने जानकारी दी कि यह योजना राज्य सरकार द्वारा उन छात्रों के लिए शुरू की गई है, जो आर्थिक तंगी या लंबी दूरी के कारण नियमित रूप से स्कूल नहीं आ पाते थे. उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल न सिर्फ छात्रों को स्कूल से जोड़ेगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और उपस्थिति दर में भी सुधार लाएगी.

कार्यक्रम के दौरान साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी. कई छात्राओं ने कहा कि अब उन्हें स्कूल आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी. वे समय पर स्कूल पहुंच पाएंगी, जिससे उनकी पढ़ाई में भी सुधार होगा. उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके लिए बेहद मददगार साबित होगी. इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने सरकार की इस पहल की सराहना की और छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई और उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक इसका उपयोग करने की सलाह दी गई. यह पहल राज्य सरकार की उस सोच को दर्शाती है, जिसमें शिक्षा को हर बच्चे तक पहुँचाने और विशेष रूप से बालिका शिक्षा को सशक्त करने का संकल्प शामिल है.

टंडवा अंचलाधिकारी विजय दास को भावपूर्ण विदाई

पिपरवार। टंडवा प्रखंड के अंचलाधिकारी बिजय कुमार दास के रांची जिले में तबादले के अवसर पर पिपरवार क्षेत्र के न्यू बिजैन विस्थापित ग्रामीणों ने टंडवा अंचल कार्यालय में विदाई और सम्मान समारोह आयोजित किया. समारोह में बिजय दास को माला, बुके, शॉल, श्रीफल व उपहार देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिजय दास के उज्जवल भविष्य और सुखमय जीवन की कामना की. उन्होंने कहा कि अंचलाधिकारी के पद पर रहते हुए बिजय दास ने टंडवा प्रखंड के आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान किया. उनकी सेवाभावना और जनसेवा को सभी ने सराहा. कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों की समस्याएं दूर कीं, जिससे क्षेत्र के लोगों में उनका विश्वास गहरा गया. उनका रांची जिले में तबादला होने से स्थानीय लोग निराश हैं.

बारिश से दो किसानों का घर गिरा, मुआवजे की मांग

गुमला। गुमला प्रखंड के बृन्दा पंचायत में लगातार बारिश होने के कारण दो किसानों का घर ध्वस्त हो गया. हालांकि इस घटना में जान माल की क्षति नहीं हुई. लेकिन एक बकरी घायल हो गया. दंपति ने घर से भागकर अपनी जान बचाई. बारिश से असारी देवी का कच्चा मकान गिरकर ध्वस्त हो गया. उस समय घर के लोग दरवाजा बंद कर बाहर निकल गए नहीं तो बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था. अब दंपति को दूसरों के घरों में रहना पड़ रहा है वही लगातार बारिश से टेंसेरा गांव के सुरसा गोप का भी घर गिरकर ध्वस्त हो गया. शुक्रवार की सुबह 9 बजे सुरसा ने बताया मिट्टी का कच्चा घर था लगातार बारिश से घर पूरी तरह से गिरकर ध्वस्त हो गया है हम लोग गरीब हैं घर बनाने के पैसे नहीं है वही बताया कि आज तक आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला है.

स्कूल में राखी व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

पिपरवार। पुरानीराय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर ₹राखी बनाओ एवं मेहंदी रचाओ₹ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस रचनात्मक कार्यक्रम में कक्षा शिशु वाटिका से लेकर 11वीं तक के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. बच्चों ने अनोखी राखियों और आकर्षक मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी कला और सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता में अलग-अलग वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सराहा गया. विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश महतो ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में एकाग्रता, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं. कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका अंजू झा, नीलम कुमारी और अर्पना कुमारी का सराहनीय योगदान रहा.

शहीद निर्मल महतो हमारी जड़ों में हैं: जयराम

तमाड़। डुमरी विधायक एवं जेएलकेएम अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने शहीद निर्मल महतो की पुण्यतिथि पर तमाड़ के भुईयांडीह चौक में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखंड की जड़ों में गहरे बसे हैं. उन्होंने बताया कि निर्मल दा के विचार झारखंड की फिजाओं में हमेशा जीवित रहेंगे. टाइगर जयराम ने शहीद निर्मल महतो को राज्य के एक मजबूत और आंदोलनकारी नेता बताते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने झारखंड के अलग राज्य आंदोलन को नई दिशा दी. उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निर्मल महतो की शहादत को बेकार न जाने दें और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाएं. श्रद्धांजलि सभा में गोविन्द महतो, नवकिशोर महतो, अघणुराम महतो, रंजीत महतो, मुक्तिपद महतो और निरंजन महतो सहित कई लोग मौजूद थे.

एक नजर

जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार शुक्रवार को उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय प्रांगण में जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया. दूर-दराज से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, आपसी मतभेद, विभिन्न योजनाओं के लाभ, मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने, सुरक्षा से संबंधित मुद्दों तथा अवैध कब्जे जैसे विभिन्न मामलों को उप विकास आयुक्त के समक्ष रखा. कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निवारण किया गया तथा शेष मामलों के त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया. खरका ग्राम की बंधना उरांव ने अपनी पत्नी का मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया.

जीजा ने साला को टांगी से काट कर किया घायल

गुमला। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरकुरा तेतर टोली गांव निवासी 16 वर्षीय विमल नायक को उसका ही भाटू (जीजा) रोहित सिंह ने टांगी से काट कर घायल कर दिया. रोहित सिंह बिहार राज्य के गया जिला अंतर्गत थामन बिगहा का रहने वाला है. ज्ञात हो कि रोहित सिंह का तेतरटोली निवासी तुलसी देवी से प्रेम प्रसंग चल रहा था. उसके बाद दोनों ने मार्च में कोर्ट में शादी कर लिया है. शादी के बाद दोनों के बीच अनबन हो गया. महिला दो माह पहले अपना मायका आ गई है. जिसे लेने के लिए रोहित सिंह पत्नी को लेने के लिए ससुराल आया था. घर वाले तुलसी को उसके पति से भेजना नहीं चाहते थे. इसी पर विवाद बढ़ गया और रोहित सिंह ने टांगी से अपने साला विमल पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया.

युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने किया ट्रांसफार्मर का उदघाट्न

गुमला। सिसई प्रखंड के लाठदाग गांव में विगत तीन माह से ट्रांसफॉर्मर जला हुआ था. जिससे ग्रामीण और विद्यार्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. वहां के ग्रामीणों के द्वारा कई बार प्रयास बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं मिला. इसकी सूचना ग्रामीणों ने गुमला जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी को दिया. उन्होंने सांसद सुखदेव भगत की पहल से ग्रामीणों को 63 केवी का ट्रांसफार्मर दिलाया. जिसका उदघाट्न आजाद अंसारी और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गांव पहुंच कर किया. ग्रामीणों ने सांसद सुखदेव भगत और युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी का आभार व्यक्त किया. कहा कि सांसद सुखदेव भगत लगातार जनहित के कार्यों को तत्परता के कर रहे हैं.

घायल महिला का रिम्स में सफल ऑपरेशन

कुड़/लोहरदगा। कुड़ प्रखंड के ग्राम दुबांग निवासी ललकू मुंडा की पत्नी सुनीता देवी (46) कुछ दिनों पूर्व एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. दुर्घटना में उनका पैर टूट गया था. आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके परिवार को इलाज कराने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. हालात बिगड़ते देख स्थानीय चिकित्सकों ने सुनीता देवी को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया. इस दौरान परिजनों ने लोहरदगा विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के पुत्र एवं युवा कांग्रेस नेता रोहित उरांव से संपर्क किया. स्थिति की गंभीरता को समझते हुए रोहित उरांव ने त्वरित पहल करते हुए मरीज को रांची रिम्स में भर्ती कराया.

प्रेम प्रसंग में छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी 17 वर्षीय छात्रा ने घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना गुरुवार शाम की है. घटना के बाद परिजन छात्रा को सदर अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर ने जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना पर शुक्रवार की सुबह 11 बजे गुमला थाना के एस आई अखिलेश ठाकुर और सुषमा लोलान्ति सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पंचनामा किया इसके बाद पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया. जानकारी के मुताबिक छात्रा का एक लड़का से प्रेम प्रसंग चल रहा था वह अक्सर उससे फोन में बात किया करती थी भरनो थाना में इसी मामले को लेकर पूर्व में लिखित समझौता भी हुआ था.

गुमला : तालाब में डूबने से युवती की हुई मौत

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र के महुगांव में बीते शुक्रवार की देर शाम गांव के ही तालाब में डूबने से 18 वर्षीय युवती संतोषी कुमारी की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार वह देर शाम तालाब में पैर हाथ धोने गई हुई थी. संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि पैर फिसलने के कारण पानी में डूब गई होगी और उसकी मौत हो गई. जब परिजनों व ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो उसे पानी से बाहर निकाला गया. लेकिन तब तक काफी देर हो गई थी और उसकी मौत चुकी थी.

डीएवी पब्लिक स्कूल में मना संस्कृत दिवस

पिपरवार। डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शुक्रवार को संस्कृत दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. रेशु चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं वैदिक मंत्रों के साथ किया. इस अवसर पर छात्रों ने गीतावृत्ति, सूक्तिवाचन और भजन प्रस्तुत किए. छात्रा वैदेही रंजन ने सूक्तिवाचन किया जबकि आठवीं कक्षा की छात्राएं श्रेया और तनवी ने गीतावृत्ति प्रस्तुत की. अन्नू कुमारी और हर्ष ने संस्कृत भाषा के महत्व को विस्तार से संस्कृत में बताया. कार्यक्रम का संचालन हर्ष और तनवी ने संयुक्त रूप से किया. संस्कृत शिक्षक ओपी यादव ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है.

बढ़ी मुसीबत — कीचड़ से भरी सड़क से इलाके के लोग हैं परेशान

पैदल चलना भी अब हो गया मुश्किल

शुभम संदेश। चैनपुर (गुमला)

चैनपुर प्रखंड के मालम से कोल्हुकोना तक बन रही सड़क का निर्माण स्थानीय लोगों के लिए वरदान के बजाय अभिशाप बन गया है. संवेदक और अधिकारियों की लापरवाही के कारण सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. जगह-जगह कीचड़ जमा होने से खासकर जनजातीय परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, और वे सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उठाने से भी वंचित हो रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं बनाया गया, जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है. इसके साथ ही, संवेदक की धीमी कार्य गति ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. पाकरटांड़ के लोग इस समस्या का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं.

सुरेश असुर ने बताया कि साप्ताहिक बाजार जाने या प्रखंड कार्यालय जाने के लिए उन्हें 15 किलोमीटर पैदल चलकर मालम मेन रोड तक जाना पड़ता है, तब जाकर उन्हें पक्की सड़क मिलती है. यह लंबी दूरी लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है.

नन्हू असुर ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि प्रखंड मुख्यालय जाने वाली इस सड़क में इतनी कीचड़ हो गई है कि साइकिल तक चलाना संभव नहीं है. उन्होंने संवेदक से वैकल्पिक रास्ता बनाने की गुहार लगाई है ताकि आवागमन सुचारू रूप से चल सके. अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस खराब सड़क के कारण उनके गांव का सीधा संपर्क पंचायत और प्रखंड कार्यालय से टूट गया है. गैस सिलेंडर लेना, राशन लेना, या खाद खरीदने जैसे रोजमर्रा के कामों में भी उन्हें काफी समस्या हो रही है. ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है.

मंथन

ईडी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी एक चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) किसी बदमाश की तरह काम नहीं कर सकता, बल्कि उसे कानून के दायरे में ही रह कर काम करना होगा, बेहद महत्वपूर्ण और समयानुकूल है. यह वक्तव्य केवल ईडी पर नहीं, बल्कि उन तमाम संस्थाओं पर लागू होता है, जो कानून लागू करने के नाम पर अधिकारों का अतिक्रमण करती हैं. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून का पालन कराने वाली एजेंसियों और कानून तोड़ने वालों में अंतर होना चाहिए-और यह अंतर स्पष्ट दिखना भी चाहिए. ईडी की छवि पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता, संसद में दिए गए एक मंत्री के उस बयान से और प्रबल हो जाती है, जिसमें बताया गया कि पांच हजार मामलों में से केवल 10 से भी कम में दोषसिद्धि हुई है. यह आंकड़ा दर्शाता है कि ईडी के कई मामले केवल आरोपों तक सीमित रह जाते हैं और कानूनी कसौटी पर खरे नहीं उतरते. एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू का यह तर्क कि अमीर और ताकतवर आरोपी महंगे वकीलों के सहारे मुकदमे को लंबा खींचते हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह किसी संस्था को मनमानी करने का लाइसेंस नहीं देता. कानून की प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और संतुलन अनिवार्य है. कोर्ट के समक्ष समीक्षा याचिकाओं पर भी यह सवाल उठा कि क्या पहले की सुनवाई में तथ्यात्मक त्रुटियां थीं. सुप्रीम कोर्ट की यह चेतावनी सभी जांच एजेंसियों के लिए एक संदेश है कि वे संविधान की मर्यादा और नागरिक अधिकारों का सम्मान करते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग करें - नहीं तो कानून उन्हें भी जवाबदेह ठहराएगा.

नजरिया

हजारीबाग में फिल्म मेकिंग की नई आशा हुई बलवती

विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम बढ़ाना हजारीबाग जैसे छोटे शहर के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और शैक्षणिक पहल है. 'सूरजमुखी' जैसी लघु फिल्म, जो सीमित संसाधनों में बनी है, इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी बड़े मंच की मोहताज नहीं होती. विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई इस फिल्म के प्रीमियर में कुलपति की उपस्थिति और उनके प्रोत्साहन भरे शब्दों ने स्थानीय कलाकारों में एक नई ऊर्जा का संचार किया है. कुलपति डॉ. चंद्र भूषण शर्मा द्वारा अपने निजी कोष से कलाकारों को प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि संस्थागत सहयोग की एक मिसाल है. यह निर्णय फिल्म मेकिंग को शिक्षा के दायरे में लाने की दिशा में भी एक प्रेरक संकेत है. आज के डिजिटल युग में लघु फिल्में एक सशक्त अभिव्यक्ति का माध्यम बन चुकी हैं, और हजारीबाग के युवाओं ने यह दिखा दिया है कि सीमित संसाधन भी उत्कृष्ट सृजन की राह में बाधा नहीं हैं. 'कंट्री रोड्स' जैसे बैनर से जुड़े युवा निर्देशक सुमित सिन्हा ने जिस समर्पण से अब तक 20 से अधिक फिल्में बनाई हैं, वह उदाहरण प्रस्तुत करता है कि यदि इन्हें सही प्लेटफॉर्म मिले, तो यह क्षेत्र रोजगार और पहचान दोनों दे सकता है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि फिल्म मेकिंग को एक अकादमिक विकल्प के रूप में अपनाकर हजारीबाग को रचनात्मकता का केंद्र बनाए. प्रतिभा को अवसर देने से ही नए सूरजमुखी खिलेंगे.

आदिवासी जीवन में समाहित अमूल्य अंतर्ज्ञान

डॉ मयंक मुरारी

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष आलेख

जनजातीय जीवन सदैव एक मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि कैसे सांस्कृतिक प्रवृत्तियां अच्छे के लिए एक शक्ति हो सकती हैं, समाजों को अधिक सामंजस्यपूर्ण और सहयोगी भविष्य की ओर ले जा सकती हैं.

वर्तमान जीवन पद्धति की एक विशेषता है. यह हमको समाज से अलग करता है. हम स्वतंत्र होना चाहते हैं. हमारी प्रवृत्ति एक अलग पहचान की खोज करती है. हम समूह में सहज भरोसा नहीं करते हैं, और साथ ही अन्य पर संशय करते है. अपनी चतुराई के कारण हम आधुनिक जीवन के साथ गतिशील होकर एक अंतहीन यात्रा और अप्राप्त लक्ष्य के लिए भटकते रहते हैं. वर्तमान समय की इस बहुआयामी समस्या में यह चिंतन करना जरूरी है कि आखिर प्रकृति आधारित आदिवासी जीवन व हमारी अबाधित परंपरा किसी प्रकार हमारे संबंध, संबंधों की भावना और समावेशी समुदाय बनाने में ज्ञान की उपयोगिता में सहयोग करती है. मानव सभ्यता के विकास की आदिवासी जीवन एक संपूर्ण किताब है, और यह हमारी चेतना का अंतर्निहित अविभाज्य हिस्सा है. हम स्वतंत्र होना चाहते हैं, लेकिन समूह पर भरोसे की खोज करते हैं. आधुनिकता में जीना चाहते है, लेकिन परंपरा का जुड़ाव और उसकी भावना को मजबूत करने का अवसर चाहते हैं. और हम स्वहित के लिए क्रियाशील होते हैं, लेकिन समावेशी समुदाय कैसे बने, इसके लिए प्रयास करते हैं. सभ्यता की विकास यात्रा में मनुष्य सबसे मजबूत जीव होने या तेज होने के कारण जीवित नहीं रहा. उसकी सबसे अनोखी बात सहयोग करने की प्रवृत्ति थी.

सहयोग के कारण ही सभ्यता फली-फूली है. शिकार खेलने में भी योजना, धीरज, सामूहिक प्रयास आदि की जरूरत होती है. शिकार के बाद चारागाह, खेती-किसानी, उद्योग के विकास तक. माइकल मॉरिस अपनी किताब में बताते हैं कि हमारी इच्छा हमसे चालाकी करने को कहती है. हम लोभ, लालच, ईर्ष्या में बह जाते हैं. यह आदिवासी चेतना से खुद को दूर करना है. आदिवासी जीवन में अनुशासन है, एक संस्कार है और संस्कार पर आधारित एक व्यवस्था है. इस कारण सामूहिकता का दायरा बढ़ता हुआ समूची सृष्टि को अपने में समाहित कर लेता है. धरती से प्रेम के कारण हम उसे मां मानते हैं. आकाश पिता है. हवा को बहन और पानी को भाई मानते हैं. पहाड़ उनका दोस्त है, जंगल और पेड़ उनका परिवार है. इसलिए धरती या प्रकृति उनके उपभोग की वस्तु नहीं है. उससे उनका अंतर्संबंध है. उनके जीवन का हिस्सा है. आदिवासी जीवन में अगर वृक्ष नहीं हैं, परिंदे का स्थान गायब है, उनकी ध्वनियां मौन है, जीवन में रंग नहीं है, तो हमारा शाश्वत अंतर्ज्ञान हमसे दूर हो जाता है. आदिवासी समाज में उनके शब्दों में गीत है तो वह स्वर उनको प्रकृति से मिलता है. उनके पैरों में नृत्य की थिरकन है तो वह प्रकृति के साथ सामंजस्य को बताता है. कहीं कोई पृथकत्व का भाव नहीं होता. शब्द, रंग, लय और गतियों में गमकता आदिवासी जीवन एक अलिखित किताब है, जिसमें कितने ही स्वर दर्ज हैं, कितनी प्रेरक कथाओं का संसार है, कितनी ही स्मृतियां इन गीत और गाथाओं में गुंजायमान होती हैं. आदिवासी जीवन में कागज की किताब नहीं रही, लेकिन उनके मन की पोथी जरूर ही इनके पूर्वजों के पास रही, जहां जीवन के हरेक जटिल समस्या का समाधान और सीख है. आदिवासी जीवन में ज्ञान परंपरा का विकास व्यक्ति के साथ सामाजिक रहा. इस समाज के पास जिंदगी की भूली-बिसरी यादों की तस्वीरें हैं, किस्सा-कहानी का संस्कार है और प्रकृति के पंचतत्वों का सच्चा और अच्छा अनुभव है. इन सबके बिना आदिवासी जीवन का आंगन सूना है.आदिवासी प्रवृत्तियां समाज को आकार देती हैं. यह अपनी क्रियाशीलता में समाज को नायक, सामूहिक विकास के लिए बेहतर सहकर्मी और परंपरा को मजबूत बनाने के लिए सदैव स्मरणीय पूर्वज के मानवीय आयामों को छूती हैं. ये प्रवृत्तियां नीति निर्माण और सांस्कृतिक परिवर्तन में आदिवासीवाद को बढ़ावा देती हैं. ये तत्व राजनीति से लेकर व्यवसाय तक जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित करते हैं. मनुष्य स्वाभाविक रूप से अपने समूह के लोगों पर भरोसा करते हैं जबकि बाहरी लोगों से सावधान रहते हैं. परंपराएं अपनेपन की भावना को मजबूत करती हैं, और इन गतिशीलता को समझने से अधिक मजबूत, अधिक समावेशी समुदाय बनाने में मदद मिल सकती है. मनुष्य व्यक्तिगत रूप से समस्याओं को हल करने की प्रवृत्ति नहीं रखता है. इसके लिए हम उन्हें जनजातीय रूप से हल करते हैं. प्रसिद्ध इतिहासकार युवाल नोहा हरारी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक सेपियंस में तर्क देते हैं. यही कारण है कि होमो सेपियंस अधिक सफल रहे. होमो निएंडरथल के साथ प्रतियोगिता में होमो सेपियंस ज्यादा सक्षम रहे. यह बताती है कि आदिवासी जीवन में समाहित अंतर्दृष्टि केवल जीवित रहने के तंत्र नहीं हैं, बल्कि मानव सफलता की नींव हैं. सभ्यता के ऊषा काल में प्रारंभिक मनुष्य की सफलता में उनका सहयोगी प्रवृत्ति की अहम भूमिका रही.

जोसेफ हेनरिक एक अमेरिकी मानवविज्ञानी और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में मानव विकासवादी जीव विज्ञान के प्रोफेसर हैं. उनकी सोच है कि जनजातियां व्यक्तियों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं. यह पश्चिमी सोच के अधिकांश रूपों के विपरीत है, जो मानते हैं कि व्यक्ति समूह की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है. विश्व के पूर्वी देशों में सामूहिक सोच अधिक आम है. वहां सामूहिक और जनजातीय तरीकों को सोच में अधिक आदर्श माना जाता है. मानवशास्त्री इस बात को स्वीकार करते हैं कि जिन लोगों के पास दो या अधिक भाषाएं होती हैं, वे इस प्रकार एक जनजातीय सोच से दूसरे जनजातीय सोच में अधिक तेजी से स्थानांतरित हो सकते हैं, यानी वे अधिक लचीले होते हैं. सहयोग, अनुष्ठान और कहानी कहने जैसी सांस्कृतिक प्रवृत्तियां मानवीय संबंध और सामाजिक विकास के मूल में हैं. जबकि इनका दुरूपयोग होने पर विभाजन हो सकता है, वे अधिक मजबूत, अधिक समावेशी समुदायों के निर्माण की क्षमता भी रखते हैं. जनजातीय जीवन सदैव एक मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि कैसे सांस्कृतिक प्रवृत्तियां अच्छे के लिए एक शक्ति हो सकती हैं, समाजों को अधिक सामंजस्यपूर्ण और सहयोगी भविष्य की ओर ले जा सकती हैं.

आज का इतिहास

1173 : इटली में विश्वप्रसिद्ध पीसा की झुकी हुई मीनार का निर्माण शुरू.
1683 : ब्रिटिश राजशाही ने ईस्ट इंडिया कंपनी को शांति या युद्ध करने का अधिकार दिया.
1831 : अमेरिका में पहली स्टीम इंजन ट्रेन चली.
1925 : क्रांतिकारियों ने काकोरी में एक ट्रेन लूटी. मकसद ट्रेन से सरकारी खजाना लूट कर उन पैसों से हथियार खरीदना था.
1942 : गांधी जी को अंग्रेजों ने गिरफ्तार किया.
1945 : अमेरिका ने जापान के नागासाकी शहर पर परमाणु बम गिराया.
1971 : भारत-रूस मैत्री संधि पर हस्ताक्षर.
1999 : रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने पीएम सर्जेई को बर्खास्त कर ब्लादिमीर पुतिन को कार्यवाहक पीएम नियुक्त किया.
2005 : नासा का मानवयुक्त अंतरिक्ष यान डिस्कवरी 14 दिन की साहसिक और जोखिम भरी यात्रा के बाद कैलिफ़ोर्निया स्थित एयरबेस पर सकुशल उतरा.

दुनिया में ऐसा कौन है, जिसके पास समस्याएं नहीं हैं

चिंतन

एक महा ज्ञानी पंडित हिमालय में कहीं रहते थे. उनकी प्रसिद्धि इतनी थी कि लोग दुर्गम पहाड़ियों में भी उनसे मिलने जाते थे.उनका कहना था कि यह विद्वान उनकी हर समस्या का समाधान कर सकता है.

एक दिन कुछ लोग उनकी कुटिया तक पहुंचे. पंडित जी ने उन्हें इंतज़ार करने को कहा. तीन दिन बीत गए , अब और भी लोग वहां पहुंच गए. जब लोगों के लिए जगह कम पड़ गई, तो पंडित जी बोले, आज मैं आप के प्रश्नों का उत्तर दूंगा, पर आपको वचन देना होगा कि यहां से जाने के बाद आप किसी और से यहां के बारे में नहीं बताएंगे, ताकि मैं एकांत में साधना कर सकूं. चलिए अपनी -अपनी समस्याएं बताइए. यह सुनते ही किसी ने परेशानी बतानी शुरू की, लेकिन वह अभी बोल ही रहा था कि बीच में किसी और ने अपनी बात शुरू कर दी. सभी जानते थे कि अब उन्हें कभी पंडित जी से बात करने का मौका नहीं मिलेगा. वहां का दृश्य मछली -बाज़ार जैसा हो गया और अंततः पंडित जी को चीख कर बोलना पड़ा, कृपया शांत हो जाइए! अपनी समस्या पर्चे पे लिखकर दीजिये.सभी ने समस्याएं लिखकर आगे बढ़ा दी. पंडित जी ने सारे पर्चे लिए और टोकरी में डाल कर मिला दिया और बोले, इस टोकरी को एक-दूसरे को पास कीजिए, हर व्यक्ति एक पर्ची उठाएगा. उसे पढ़ेगा.उसके बाद उसे बताना होगा कि क्या वो अपनी समस्या को इस समस्या से बदलना चाहता है? हर व्यक्ति पर्चा उठाता, उसे पढ़ता और सहम जाता. एक -एक कर के सभी ने पर्चियां देख लीं पर कोई भी अपनी समस्या के बदले किसी और की समस्या लेने को तैयार नहीं हुआ. सबका यही सोचना था कि उसकी अपनी समस्या बाकी लोगों की समस्या जितनी गंभीर नहीं है. अब सभी अपनी पर्ची हाथ में लिए लौटने लगे, वे खुश थे कि उनकी समस्या उतनी बड़ी भी नहीं है जितना कि वे सोचते थे.

दोस्तों, ऐसा कौन होगा जिसके जीवन में समस्या न हो? कोई अपनी सेहत से परेशान है तो कोई गरीबी से. हमें यह बात माननी चाहिए कि जीवन है तो समस्याएं आती ही रहेंगी, ऐसे में दुखी हो कर उसी के बारे में सोचने से अच्छा है कि हम अपना ध्यान उसके निवारण में लगाएं और अगर उसका कोई हल ही न हो तो अन्य दूसरी चीजों पर फोकस करें. और आगे बढ़ें...

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #VoteChori
2. चुनाव आयोग
3. GPT-5
4. #NationalHandloomDay
5. #TrumpTariff
6. #KalaignarForever
7. #ElectionCommissionOfIndia
8. राहुल गांधी
9. Putin
10. स्वामी प्रसाद मौर्य

बहुरंग

फिल्म 'जटाधारा' का टीजर रिलीज रौद्र रूप में नजर आईं सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा को पिछली बार फिल्म 'निकिता रॉय' में देखा गया था. इस फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों से भले ही मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली हों, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई और औंधे मुंह गिर गई थी. हालांकि, इससे सोनाक्षी के करियर की रफ्तार धीमी नहीं हुई है. आने वाले समय में वह कई बड़े और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं, जिनमें से एक बेहद खास फिल्म है, 'जटाधारा'. यह फिल्म उनके करियर में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही है, क्योंकि इसके जरिए सोनाक्षी पहली बार तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं. अब मेकर्स ने 'जटाधारा' का दमदार टीजर जारी कर दिया है, जिसने रिलीज होते ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया. करीब एक मिनट के इस वीडियो में सोनाक्षी का ऐसा रौद्र और प्रभावशाली रूप सामने आया है, जो उनके अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है. गहनों से सजी, गहरी काजल लगी आंखें, माथे पर बड़ी लाल बिंदी और तिलक, चेहरे पर गंभीरता लिए सोनाक्षी एक तीखी और उग्र ऊर्जा बिखेरती नजर आ रही हैं. उनका यह लुक न केवल प्रभावशाली है, बल्कि कहानी में उनके किरदार की गहराई और शक्ति का भी संकेत देता है.

टीजर में सिर्फ सोनाक्षी ही नहीं, बल्कि सुधीर बाबू भी अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस के साथ नजर आते हैं. दोनों के बीच टकराव और तीखे संवाद फिल्म में गहरे ड्रामा और एक्शन की झलक देते हैं. कई शॉट्स में सुधीर और सोनाक्षी आमने-सामने भिड़ते दिखाई देते हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि फिल्म का टकराव सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और मानसिक स्तर पर भी होगा. वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' एक्शन, सस्पेंस और इमोशन का शानदार मिश्रण पेश करने का वादा करती है. टीजर के बैकग्राउंड म्यूजिक से लेकर विजुअल टोन तक, हर चीज दर्शकों में जिज्ञासा जगाती है. यह साफ है कि फिल्म सिर्फ एक मनोरंजक अनुभव ही नहीं, बल्कि सोनाक्षी के अभिनय करियर का एक साहसिक प्रयोग भी साबित हो सकती है. अगर फिल्म अपनी झलक के मुताबिक चली, तो 'जटाधारा' सोनाक्षी के लिए न सिर्फ तेलुगु सिनेमा का सफल डेब्यू बनेगी, बल्कि उनके फिल्मी सफर में एक यादगार मील का पत्थर भी जोड़ देगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा. अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी. भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. सभी का सहयोग मिलेगा. शुभांक-1-3-5

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा. उतावलेपन से बचें. प्रेमभाव बढ़ेगा. शुभांक-3-6-9

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. मनोरथ सिद्धि का योग है. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा. पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. शुभांक-5-6-7

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. प्रेमभाव बढ़ेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-3-5-7

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे. शुभांक-3-5-7

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला : आय-व्यय समान रहेगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-3-6-9

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-4-6-8

मकर : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. मेहमानों का आगमन होगा. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. आय के अच्छे योग बनेंगे. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-8

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. इच्छित कार्य सफल होंगे. सुख-आनंद कारक समय है. शुभांक-2-4-6

बॉक्स ऑफिस पर जलवा नहीं बिखेर पाई 'सन ऑफ सरदार 2'

अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से भले ही निर्माताओं ने बड़ी उम्मीदें लगाई थीं, लेकिन दर्शकों ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया. रिलीज के पहले दिन से ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित करने में नाकाम रही है. हर बीतते दिन के साथ इसकी कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. अब सातवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन साबित हुए हैं.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, 'सन ऑफ सरदार 2' ने रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 1.40 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 32.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. इस फिल्म का निर्देशन पंजाबी सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर विजय कुमार अरोड़ा ने किया है, जो 'हरजीता' और 'काली जोट्टा' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं.

'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर की जोड़ी बनाई गई है, जो फिल्म में राबिया का किरदार निभा रही हैं. अजय के साथ यह उनकी पहली ऑन-स्क्रीन साझेदारी है और दर्शकों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है. फिल्म में नीरू बाजवा, रोशनी वालिया, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, साहिल मेहता, चंकी पांडे और रवि किशन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं. अजय ने इस फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है.

सलमान खान के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का ट्रेलर रिलीज

सलमान खान का चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' हमेशा से ही दर्शकों की पसंद रहा है. अब इसके 19वें सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे देखने के बाद फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है. इस बार ट्रेलर में 'बिग बॉस' का घर संसद की तर्ज पर नजर आ रहा है, जहां कंटेस्टेंट्स पार्लियामेंट की तरह बैठे दिख रहे हैं और सलमान खान नेता की पोशाक में नजर आ रहे हैं. इस बार शो में राजनीति का जोरदार तड़का लगने वाला है, जिसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है. सलमान खान ट्रेलर में कहते नजर आते हैं, ऐसा पहली बार हो रहा है इन 18-19 सालों में. इस बार 'बिग बॉस' के घर में ड्रामा नहीं, बल्कि डेमोक्रेसी होगी. हर छोटा-बड़ा फैसला अब घरवालों के हाथ में होगा. घरवालों, वही करो जो तुम्हारा दिल कहे. क्योंकि इस बार बिग बॉस के घर में बनेगी घरवालों की सरकार. सलमान का यह नया अंदाज और शो की अनोखी थीम दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. दर्शकों को अब इस नई राजनीतिक थीम वाले सीजन का बेसब्री से इंतजार है.

'सैयारा' की सफलता पर भावुक हुए अहान

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 'सैयारा' ने रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया हुआ है. 18 जुलाई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म से अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है. महज 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अब तक दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है. अब फिल्म की ऐतिहासिक सफलता पर पहली बार अहान पांडे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. अहान पांडे ने 'सैयारा' की अपार सफलता का श्रेय अपनी दादी को देते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया है. इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरों के साथ अहान ने लिखा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतना प्यार मिलेगा. मेरी दादी मुझे हमेशा 'राज' कहकर बुलाती थीं. काश वो आज यहां होतीं और मुझे इस रूप में देख पातीं. मैं हमेशा भगवान से कहता था कि अगर पूरी दुनिया मुझे न भी पसंद करे, तो भी मेरी दादी, जो अब सितारों में एक रोशनी बन गई हैं, मुझे देखकर मुस्कुरा रही होंगी. यह सब आपके लिए है, दादी. फैंस के लिए भी अहान ने दिल से आभार जताया.

उन्होंने लिखा, मुझे नहीं पता आगे क्या होने वाला है, लेकिन इस पल में मैं खुद से और आप सभी से बहुत सारा प्यार महसूस कर रहा हूं. मैं वादा करता हूं कि और मेहनत करूंगा, खुद को बेहतर बनाऊंगा. ये सफर आप सबके लिए और उस बच्चे के लिए है जो कभी मंच पर जाने से डरता था, जिसे बार-बार कहा गया कि वह कुछ नहीं कर सकता. अहान पांडे ने आगे लिखा, ₹वो मासूम बच्चा हम सभी के भीतर होता है. मैं बस यही चाहता हूं कि आप अपने अंदर के उस बच्चे को खुशी दें, क्योंकि वह हर खुशी का हकदार है. इस बेइंतिहा प्यार और चमत्कार के लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया. काश मैं आप सबको गले लगा पाता. मैं इस प्यार को हमेशा संजोकर रखूंगा. गौरतलब है कि 'सैयारा' में अहान के साथ अनीत पड्डा की जोड़ी बनी है. मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है और जल्द ही इसका प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर भी होने जा रहा है.

रक्षाबंधन पर लगभग दो घंटे तक रहेगा राहुकाल, क्या होगा राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर उनकी लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना करते हुए राखी बांधती हैं। इसके बदले भाई अपनी बहन को जीवनभर सुरक्षा का वचन देता है। यही नहीं कुछ पैसे या उपहार भी उसे भेंट के रूप में देता है। रक्षाबंधन पर न केवल राखी का महत्व है बल्कि परिवार और रिश्तों में मिठास लाने के लिए दान-दक्षिणा, पूजा-पाठ जैसे पुण्य कार्य भी किए जाते हैं। भारत में हर साल राखी के त्योहार को भव्य आयोजन के साथ मनाया जाता है। यह लोगों में सामाजिक एकता और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देता है। इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन है। इस दिन कई शुभ संयोग बने हुए हैं, जो पर्व की महत्ता को कई गुना बढ़ा रहे हैं। खास बात यह है कि इस वर्ष राखी पर भद्रा का साया भी नहीं है। परंतु राहुकाल होने के कारण राखी बांधने का सही समय क्या है, यह सवाल बना हुआ है।

कब समाप्त होगी भद्रा

पंचांग के मुताबिक सावन की पूर्णिमा पर भद्रा सूर्योदय से पहले समाप्त होगी। यह 8 अगस्त को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 1 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 47 मिनट पर होगा। इसलिए रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार पर भद्रा का साया मान्य नहीं होगा।

राहुकाल का समय

ज्योतिषियों के मुताबिक रक्षाबंधन पर राहुकाल सुबह 9 बजकर 07 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहने वाला है। ऐसे में आप इस अवधि में भाई को राखी बांधने से बचें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राहुकाल में कोई भी नया और शुभ काम नहीं करना चाहिए। यह उचित नहीं होता है।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों की मानें तो रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 47 मिनट से शुरू होगा। यह मुहूर्त इस दिन दोपहर के 1 बजकर 24 मिनट तक बना रहेगा। परंतु बीच की अवधि में सुबह 9.07-10.47 मिनट तक राहुकाल है, इसलिए आप इस समय को छोड़कर अपने भाई को राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन पर शुभ योग

इस बार राखी पर सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है, जो सुबह 5 बजकर 47 मिनट से दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा सौभाग्य योग का संयोग होने से पर्व की महत्ता अधिक बढ़ गई है। यह प्रातःकाल से लेकर 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक है। वहीं शोभन योग 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 22 मिनट से 5 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 17 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है। अमृतकाल पूरे दिन रहने वाला है।

रक्षाबंधन पर चौघड़िया मुहूर्त

लाभ काल- प्रातः 10.15 से दोपहर 12.00 बजे
अमृत काल-दोपहर 1.30 से 3.00 बजे
चर काल- सायं 4.30 से 6.00 बजे

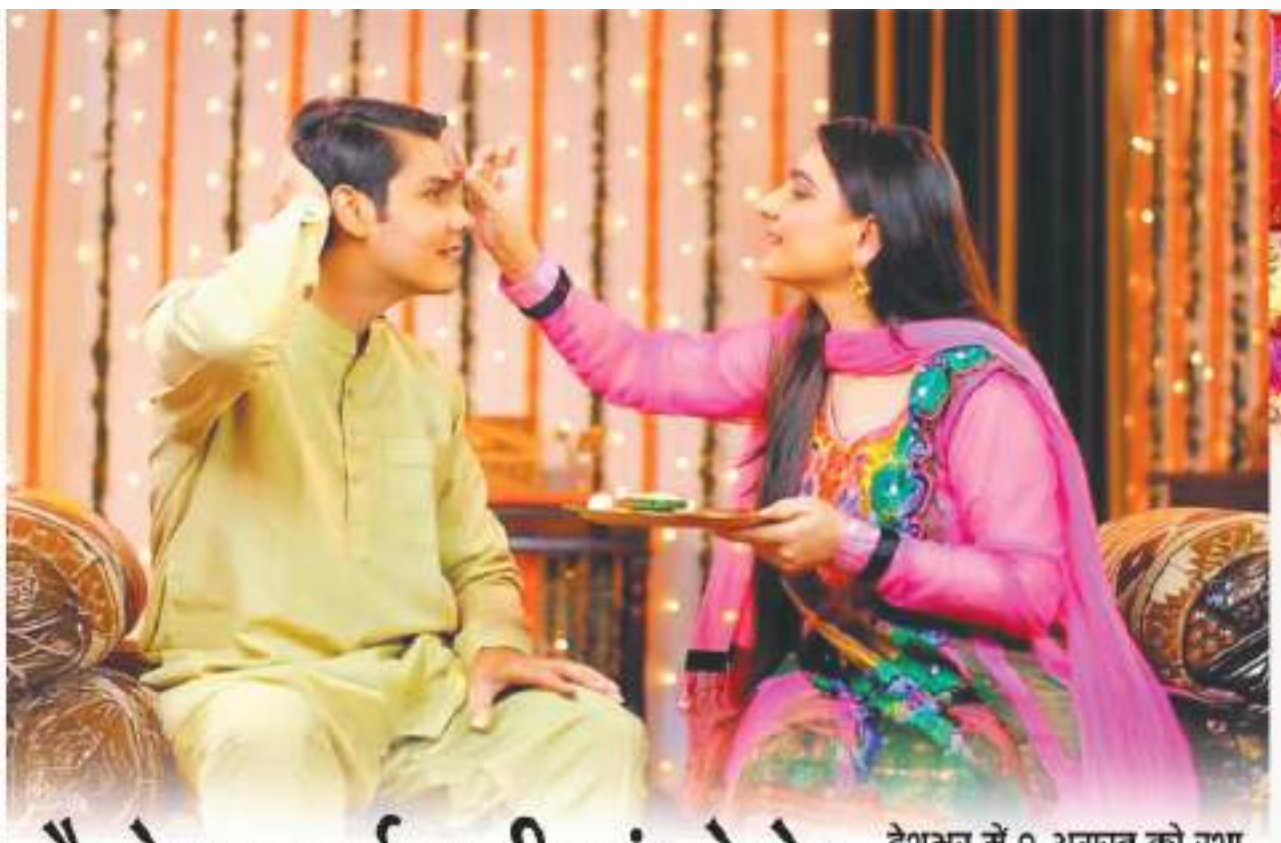

कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 9 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

09 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा।

राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने इष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलः- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी।अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- सिर ढकना - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबलः।
तेन त्वां अभिबध्नामि रक्षे
मा चल मा चल।।

अर्थ- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मै तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए?

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। इस पर्व से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात का अपना धार्मिक एवं ज्योतिष महत्व है। इसी कड़ी में हम ज्योतिषाचार्य से जानेंगे कि जब बहन भाई को रक्षा बंधन के दिन राखी बांधती है तो कितनी गांठें धागे में लगानी चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में विस्तार से और साथ ही, जानेंगे इसके पीछे का तर्क।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षाबंधन पर राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इन तीन गांठों का संबंध त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव से है। इन गांठों का अपना विशेष अर्थ और महत्व है जो भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की पहली गांठ भाई की सुरक्षा और लंबी आयु के लिए बांधी जाती है। बहन भगवान से अपने भाई को सभी संकटों से बचाने, उसे स्वस्थ रखने, भाई को दीर्घायु बनाने और भाई की समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने का प्रतीक है।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की दूसरी गांठ स्वयं बहन की लंबी उम्र और भाई-बहन के रिश्ते में प्यार, मिठास और आपसी समझ बढ़ाने के लिए लगाई जाती है। यह गांठ यह भी दर्शाती है कि भाई-बहन का रिश्ता हमेशा मजबूत रहे और उनमें सद्भाव हो। वे हमेशा एक दूसरे का साथ दें।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की तीसरी गांठ भाई और बहन दोनों की अपने-अपने धर्म और कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह गांठ इस बात पर जोर देती है कि भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन निभाए और बहन भी अपने भाई के प्रति अपने स्नेह और कर्तव्य का पालन करें।

रक्षा बंधन के दिन एक बात का ओर ध्यान रखें कि बहन जब भाई को राखी बांधे तो राखी को पहले गंगाजल से शुद्ध कर ले और फिर ही राखी बांधें, नहीं तो इससे दोष उत्पन्न होता है और भाई पर संकट आ सकता है। इसके अलावा, ग्रहों का दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है और अशुभ परिणाम मिल सकते हैं।

भारत के 7 सबसे अमीर क्रिकेटर्स कौन हैं? टॉप पर हैं ये खिलाड़ी

शुभम संदेश डेस्क

भारत में क्रिकेट से जुड़ी लोकप्रियता और स्टारडम ने कई खिलाड़ियों को करोड़ों की कमाई का जरिया दिया है. आईपीएल कॉन्ट्रेक्ट, ब्रांड एंडोर्समेंट, बिजनेस और निवेश के माध्यम से इन खिलाड़ियों ने अपनी संपत्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है. आइए जानते हैं द क्रिकेट पांडा की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 7 सबसे अमीर क्रिकेटरों के बारे में.

सचिन तेंदुलकर : क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर भारत ही नहीं, दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटर माने जाते हैं. उनके करियर की कमाई सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रही, बल्कि एडिडॉस, कोका कोला जैसे ब्रांड्स के साथ लंबे समय तक जुड़ाव, खुद की कपड़ों की लाइन 'ट्रू ब्लू' और एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट जैसे बिजनेस से उनकी नेट वर्थ करीब 1,416 करोड़ रुपये (170 मिलियन डॉलर) पहुंच चुकी है. रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू और कमाई में कोई कमी नहीं आई है.

महेंद्र सिंह धोनी : महेन्द्र सिंह धोनी ने कमाई के मामले में भी खुद को बेजोड़ साबित किया है. चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान के रूप में उनकी आईपीएल कमाई करोड़ों में रही है. इसके अलावा रीबॉक, गल्फ ऑयल, और सोनाटा जैसे ब्रांड्स के साथ उनकी ब्रांड डील्स, और चेन्नइयन एफसी फुटबॉल टीम व स्पोर्ट्स फिट फिटनेस चेन जैसे निवेश ने उनकी कुल संपत्ति 917 करोड़ रुपये के पार पहुंचा दी है.

विराट कोहली : भारतीय क्रिकेट के मौजूदा सुपरस्टार विराट कोहली मैदान पर आक्रामक खेल और ब्रांडिंग में स्मार्ट सोच के लिए जाने जाते हैं. प्यूमा, ऑडी, एमआरएफ जैसे ब्रांड्स से उनकी करोड़ों की डील्स हैं, वहीं आरसीबी के साथ उनका आईपीएल कॉन्ट्रेक्ट भी सबसे महंगे खिलाड़ियों में गिना जाता है. उन्होंने चीजेल जिम चेन और रेगॉन जैसी कपड़ो की ब्रांड में भी निवेश किया है. उनकी कुल अनुमानित संपत्ति 834 करोड़ रुपये (100 मिलियन डॉलर) मानी जाती है.

सौरव गांगुली : टीम इंडिया को जीत की मानसिकता देने वाले पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मैदान के साथ-साथ ऑफ द फील्ड भी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है. पेप्सी, प्यूमा, और टाटा जैसी कंपनियों के साथ एंडोर्समेंट और प्रशासनिक भूमिकाओं ने उनकी कमाई को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है. उनकी कुल संपत्ति लगभग 667 करोड़ रुपये आंकी गई है.

वीरेंद्र सहवाग : अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर वीरेंद्र सहवाग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद कमेंट्री, कोचिंग और ब्रांड प्रचार के जरिए भी अच्छी खासी कमाई की है. एडिडॉस और बूस्ट जैसे ब्रांड्स से उनका जुड़ाव लंबे समय तक रहा है. आज उनकी अनुमानित संपत्ति 334 करोड़ रुपये के आसपास है.

युवराज सिंह : युवराज सिंह ने सिर्फ क्रिकेट से ही नहीं, बल्कि अपनी बिजनेस समझ से भी काफी कमाई की है. उन्होंने प्यूमा, पेप्सी और रेविटॉल जैसे ब्रांड्स के साथ काम किया और अपने स्टार्टअप फंड 'यूकैन वैंचर्स' के जरिए कई नई कंपनियों में निवेश किया. आज उनकी संपत्ति 292 करोड़ रुपये मानी जाती है.

सुनील गावस्कर : भारतीय क्रिकेट के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले सुनील गावस्कर ने कमेंट्री और मीडिया में लंबा सफर तय किया है. थम्स अप और दिनेश जैसे ब्रांड्स के साथ उनके पुराने जुड़ाव और लगातार टीवी अपीयरेंस से उनकी पहचान और कमाई दोनों बरकरार हैं. 74 वर्ष की उम्र में भी उनकी संपत्ति 262 करोड़ रुपये के आसपास बनी हुई है.

इंडियन सुपर लीग से पहले अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ कराएगा सुपर कप

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सुपर कप को सितंबर-दिसंबर की अवधि में आयोजित करने का फैसला किया है, क्योंकि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है. आईएसएल के शुरुआती दौर के लिए आरक्षित स्थान अब खाली होने के कारण सुपर कप टूर्नामेंट उसकी जगह लेगा. एआईएफएफ अध्यक्ष ने हाल ही में आईएसएल क्लब प्रमुखों के साथ बैठक की और टूर्नामेंट की योजनाओं को अंतिम रूप दिया, जिसके विजेता को एएफसी चैंपियंस लीग टू के प्रारंभिक दौर में जगह मिलेगी. एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एक बयान में कहा, ₹हमें उम्मीद है कि सुपर कप सितंबर के दूसरे या तीसरे हफ्ते में होगा. कुछ टीमों को तैयारी पूरी करने और खिलाड़ियों को वापस लाने के लिए 6-8 हफ्ते का समय चाहिए.

अगली बैठक में हम शुरुआत की तारीख की घोषणा करेंगे. चौबे ने कहा, ₹अपने खिलाड़ियों या कर्मचारियों को भुगतान करना क्लब का अपना निर्णय है. हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते, सभी शीर्ष लीग इसी तरह काम करती हैं. भारत की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग आईएसएल का आयोजन फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) द्वारा एआईएफएफ के साथ एक मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के तहत किया जाता है. एमआरए की अवधि दिसंबर में समाप्त हो रही है तथा सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ संविधान पर निर्णय आने तक आगे की बातचीत पर रोक लगा दी है, जिसके कारण नए समझौते पर बातचीत रुक गई है.

भारतीय दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का ऐलान

सैम कॉन्स्टास को मिला मौका

एजेंसियां। नयी दिल्ली

खराब फॉर्म से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के युवा ओपनर सैम कॉन्स्टास को भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में शामिल किया गया है. 19 वर्षीय कॉन्स्टास को अगले महीने भारत में खेले जाने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए टीम में चुना गया है. मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने इस अनुभव को खिलाड़ियों के लिए ₹अमूल्य₹ बताया है.

वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन के बावजूद कॉन्स्टास को भारत दौरे के लिए मौका दिया गया है. वह चार दिवसीय टीम में शामिल होने वाले एकमात्र वर्तमान टेस्ट खिलाड़ी हैं. इसके अलावा टेस्ट कैप प्राप्त कूपर कॉनॉली, टॉड मर्फी और नाथन मैकस्वीनी भी 14 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं. तीन एकदिवसीय मैचों के लिए अलग ऑस्ट्रेलिया ए टीम की भी घोषणा की गई है. बैली ने कहा, "उपमहाद्वीप की परिस्थितियां विशेष होती हैं और यहां खेलने से खिलाड़ी अपने खेल को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं. बार-बार इन हालातों में खेलने से भविष्य के दौरों के लिए खिलाड़ियों को तैयार किया जा सकता है." कॉन्स्टास ने पिछले साल बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ 60 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी, लेकिन उसके बाद वो लगातार संघर्ष कर रहे हैं. वेस्ट इंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में उन्होंने छह पारियों में 25 रन भी पार नहीं किए थे.

ऑस्ट्रेलिया ए चार दिवसीय टीमः ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, एरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कॉन्स्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओ'नील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियॉली, लियाम स्कॉट

ऑस्ट्रेलिया ए एकदिवसीय टीम : कूपर कॉनॉली, हैरी डिक्सन, जैक एडवर्ड्स, सैम एलियट, जेक फ्रेजर-मकगर्क, एरोन हार्डी, मैकेंजी हार्वे, टॉड मर्फी, तनवीर सांघा, लियाम स्कॉट, लैकी शॉ, टॉम स्ट्रेकर, विल सदरलैंड, कैलम विडलर

ऑस्ट्रेलिया ए बनाम इंडिया ए मैच **शेड्यूलः 16-19 सितंबरः** पहला चार दिवसीय मैच – लखनऊ

23-26 सितंबरः दूसरा चार दिवसीय मैच – लखनऊ

30 सितंबरः पहला वनडे – कानपुर

3 अक्टूबरः दूसरा वनडे – कानपुर

5 अक्टूबरः तीसरा वनडे – कानपुर

दुष्कर्म के आरोप में पाकिस्तानी क्रिकेटर मैनचेस्टर में गिरफ्तार

एजेंसियां। इस्लामाबाद

जमानत पर रिहा किया गया

पाकिस्तान क्रिकेट एक नए निम्न स्तर पर पहुंच गया है. पड़ोसी मुल्क का एक युवा खिलाड़ी, हैदर अली, जो देश की 'ए' टीम 'पाकिस्तान शाहीन' के साथ यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर था, उसे ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

एक लड़की द्वारा बलात्कार का आरोप लगाए जाने की शिकायत के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हैदर अली को अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है. टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हैदर को ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बेकनहम मैदान से गिरफ्तार किया, जहां पाकिस्तान शाहीन एमसीएसएसी के खिलाफ तीन अगस्त को मैच खेल रहे थे. रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'यह पाकिस्तानी मूल की लड़की के खिलाफ बलात्कार का मामला है.'

जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने हैदर का पासपोर्ट जब्त कर लिया था, लेकिन उसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि वह जांच में सहयोग करेगा और हैदर को यह मामला लड़ने में समर्थन देगा. इस बीच पीसीबी ने हैदर अली को तब तक के लिए निलंबित कर दिया है, जब तक कि उनका नाम पाक साफ नहीं हो जाता. पीसीबी प्रवक्ता ने टेलिकॉम एशिया.नेट से कहा, 'हमें इस मामले और जांच के बारे में बताया गया था. हमने जांच पूरी होने तक हैदर को निलंबित कर दिया है और हम ब्रिटेन में अपनी जांच करेंगे.'

रोने लगे हैदर! खुद को बेकसूर बताया : जानकारी के मुताबिक, 'मैदान से गिरफ्तार किए जाने के बाद हैदर की आंखों में आंसू थे और जांच के दौरान उन्होंने खुद को बेकसूर बताया.' पाकिस्तान शाहीन की टीम 17 जुलाई से छह अगस्त तक यूके के दौरे पर थी और उन्होंने दो तीन दिवसीय मैच खेले और दोनों मैट ड्रॉ रहे. इसके बाद तीन मैचों की एक दिवसीय सीरीज में उन्होंने 2-1 से जीत हासिल की.

वन-डे क्रिकेट में कौन-कौन सी टीमों ने किया सीरीज में 'व्हाइटवॉश'

एजेंसियां। नयी दिल्ली

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में जब कोई टीम किसी द्विपक्षीय सीरीज में हर मुकाबला जीतती है, तो उसे 'व्हाइटवॉश' कहा जाता है. यह किसी भी टीम के लिए पूरी तरह से दबदबा दिखाने वाला होता है. इतिहास में कुछ ऐसी यादगार सीरीज रही हैं, जहां टीमों ने अपने विरोधियों को कोई भी मौका नहीं दिया और हर मुकाबला जीतकर सीरीज को पूरी तरह से अपने नाम किया. आइए नजर डालते हैं वनडे व्हाइटवॉश सीरीज पर, जिसने क्रिकेट इतिहास में खास जगह बनाई है.

वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड (1976, इंग्लैंड में) : प्रुडेंशियल ट्रॉफी के तहत वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को 3 मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था. यह उस समय की सबसे शक्तिशाली वेस्टइंडीज टीमों में से एक थी, जिसमें विवियन रिचर्ड्स और माइकल होल्डिंग जैसे खिलाड़ी शामिल थे. इस सीरीज ने वेस्टइंडीज की बादशाहत को और मजबूत किया था.

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान (1980–81, पाकिस्तान में) : वेस्टइंडीज की टीम ने साल 1980-81 में पाकिस्तान की धरती पर एक और क्लीन स्वीप किया था. इस बार भी सीरीज 3-0 से उनके नाम रही थी. पाकिस्तान जैसी मजबूत घरेलू टीम को हराना यह दिखाता है कि वेस्टइंडीज का उस दौर में क्या दबदबा था.

भारत बनाम श्रीलंका (1982–83, भारत में) : भारत ने भी 1982–83 में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमी पर शानदार प्रदर्शन किया था और तीनों मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम की थी. यह सीरीज भारत के लिए खासतौर पर इसलिए भी अहम थी क्योंकि इसके कुछ महीनों बाद भारतीय टीम ने पहली बार 1983 विश्व कप भी जीता था. इस क्लीन स्वीप ने टीम को आत्मविश्वास से भर दिया था.

न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड (1982–83, न्यूजीलैंड में) : इस सीरीज में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड की टीम को 3-0 से मात दी थी. घरेलू हालात का फायदा उठाते हुए कीवी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में इंग्लैंड की टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया था.

न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका (1982–83, न्यूजीलैंड में) : उसी साल, फिर से न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को भी 3-0 से हराकर अपने नाम एक और व्हाइटवॉश दर्ज किया था. लगातार दो सीरीज में क्लीन स्वीप करना किसी भी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होती है.

एशिया कप से पहले घरेलू क्रिकेट खेलेंगे शुभमन गिल

- दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन टीम का करेंगे नेतृत्व

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत के टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दलीप ट्रॉफी 2025 में नॉर्थ जोन टीम का नेतृत्व करेंगे. इस टीम में अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को भी शामिल किया गया है. तीनों 28 अगस्त से ईस्ट जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलते नजर आएंगे. बता दें कि, एशिया कप का आयोजन 9-28 सितंबर के बीच होना है. अगर तीनों खिलाड़ियों को भारतीय टीम में चुना जाता है तो उन्हें नॉर्थ जोन के स्क्वॉड से रिलीज कर दिया जाएगा.

गिल-अर्शदीप और हर्षित को रिप्लेस करेंगे ये खिलाड़ी : गिल के नेतृत्व में हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। 2-2 पर समाप्त हुई इस सीरीज में युवा बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. अब वह घरेलू क्रिकेट में अपना दम खम दिखाने के लिए तैयार हैं. अगर गिल को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है तो शुभम रोहिल्ला उन्हें रिप्लेस करेंगे. वहीं, अर्शदीप सिंह की जगह गुरनूर बरार को मौका मिलेगा जबकि हर्षित राणा की जगह अनुज ठकराल लेंगे.

दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन की टीम : शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, कन्हैया वाधवन (विकेटकीपर).

रिजर्व खिलाड़ी : शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर), जसकरनवीर सिंह पॉल, रवि चौहान, आबिद मुश्ताक, निशंक बिड़ला, उमर नजीर, दिवेश शर्मा.

रद्द हो जाएगा भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाला एशिया कप मैच

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अमीरात बोर्ड के अधिकारी ने दिया जवाब

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले एशिया कप के मुकाबले को लेकर कयासों का दौर जारी है. भारतीय प्रशंसकों की मांग है कि टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए. हालांकि, अमीरात क्रिकेट बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) का मानना है कि एशिया कप में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना नहीं है. हाल ही में भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का मुकाबला खेलने से इनकार कर दिया था. टीम ने पहले लीग राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार किया था. इसके बाद युवराज सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने अपने फैसले पर अडिग रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच का बहिष्कार कर दिया था.

प्रशंसकों की मांग- पाकिस्तान से नहीं खेले भारत : ऐसी ही स्थिति एशिया कप में भी बनती दिख रही है. नौ सितंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगी. इसके बाद टीम का सामना पाकिस्तान से 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर होना है जबकि तीसरा मुकाबला ओमान से 19 सितंबर को अबु धाबी में खेला जाएगा. भारतीय प्रशंसकों की मांग है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से इनकार कर देना चाहिए.

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी का जवाब : इस बीच अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) सुभान अहमद ने द नेशनल से बात करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान मैच के रद्द होने की कोई गारंटी नहीं दे सकते, लेकिन एशिया कप की तुलना डब्ल्यूसीएल जैसे निजी आयोजन से करना ठीक नहीं है. जब एशिया कप में खेलने का फैसला लिया जाता है, तो पहले से सरकारी अनुमति ली जाती है.

तीन बार भिड़ सकते हैं भारत और पाकिस्तान : एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा, जहां दोनों एक बार भिड़ेंगी. इसके बाद सुपर फोर चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक और मुकाबला खेलने का मौका मिलेगा. अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो उनके बीच तीसरी मुकाबला भी खेला जा सकता है.

फुटबॉल | मेसी और रोनाल्डो को लगातार दूसरे साल जगह नहीं

बैलोन डी ओर के लिए सभी दावेदारों की लिस्ट जारी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बैलोन डी ओर को फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड माना जाता है. साल 2025 के बैलोन डी ओर के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की शॉर्टलिस्ट की आधिकारिक घोषणा हो गई है. फ्रांस फुटबॉल इस अवॉर्ड को देते है. इसमें बेस्ट महिला और पुरुष फुटबॉलर के साथ कई और अवॉर्ड दिए जाते हैं. जिसमें बेस्ट गोलकीपर, बेस्ट यंग प्लेयर, बेस्ट क्लब और बेस्ट कोच शामिल हैं.

30 में 9 खिलाड़ी पीएसजी के : 30 पुरुष नामांकितों में स्पेन के लामिन यमाल, फ्रांसीसी फॉरवर्ड ओस्मान डेम्बेले, इंग्लैंड के स्टार हैरी केन, जूड बेलिंगहैम, डेक्लान राइस, कोल पामर और स्कॉटलैंड के स्कॉट मैकटोमिने शामिल हैं. फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड भी दौड़ में सबसे आगे हैं. सबसे ज्यादा 9 खिलाड़ी चैंपियंस लीग की विजेता पीएसजी के हैं. डेम्बेले के अलावा जियानलुइगी डोनारुम्मा, डिजायर डू, अचरफ हकीमी, खिवचा क्वारत्सखेलिया, नूनो मेंडेस, जोआओ नेव्स, फैबियन रुइज और वितिन्हा शामिल हैं. बैलोन डी ओर को सबसे ज्यादा 8 बार अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने जीता है. 5 अवॉर्ड के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो दूसरे नंबर पर हैं. रोनाल्डो सबसे ज्यादा 18 बार नॉमिनेट हुए हैं. लेकिन अब लगातार दूसरे साल मेसी और रोनाल्डो में किसी को भी नॉमिनेट नहीं किया गया है. मेसी अमेरिका के क्लब इंटर मियामी के लिए खेलते हैं. वहीं रोनाल्डो सउदी अरब के अल निसर का हिस्सा हैं.

बैलोन डी ओर के लिए नॉमिनेट : पुरुषः जूड बेलिंगहैम, ओस्मान डेम्बेले, जियानलुइगी डोनारुम्मा, डिजायर डू, डेन्जेल डमफ्रीज, सेरहौ गुइरासी, विक्टर ग्योकेरेस, एर्लिंग हैलैंड, अचरफ हकीमी, हैरी केन, खिवचा क्वारत्सखेलिया, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, लुटारो मार्टिनेज, किलियन एमबीप्पे, स्कॉट मैकटोमिने, नूनो मेंडेस, जोआओ नेव्स, माइकल ओलिसे, कोल पामर, पेड्री, रफिन्हा, डेक्लान राइस, फैबियन रुइज़, मोहम्मद सलाह, वर्जिल वैन डिज्क, विनीसियस जूनियर, विटिन्हा, फ्लोरियन विर्ट्ज, लामिन यमाल.

महिला : सैंडी बाल्टीमोर, बारबरा बांदा, ऐटाना बोनमती, लुसी ब्रॉन्ज, क्लारा ब्यूहल, मैरियोना कैल्डेंटी, सोफिया कैंटोर, स्टीफ कैटली, टेम्वा चाविंगा, मेल्ची डुमोर्ने, एमिली फॉक्स, क्रिस्टियाना गिरेली, एस्थर गोंजालेज, कैरोलिन ग्राहम हैनसेन, हन्ना हैम्पटन, पर्निल हार्डर, पैट्री गुइजारो, अमांडा गुटिएरेस, लिंडसे हीप्स, क्लो केली, फ्रिडा लियोनहार्डसन-मानुम, मार्टा, क्लारा माटेओ, इवा पाजोर, क्लाउडिया पिना, एलेक्सिया पुटेलस, एलेसिया रूसो, जोहाना राइटिंग कनेरीड, कैरोलिन वियर, लीह विलियमसन.

पुरुष कोच ऑफ द ईयरः एंटोनियो कोंटे, लुइस एनरिक, हेंसी फ्लिक, एंजो मारेस्का, आर्ने स्लॉट.

महिला कोच ऑफ द ईयर : सोनिया बोम्पास्टोर, आर्थर एलियास, जस्टिन मदुगु, रेनी स्लेगर्स, सरीना विगमैन.

पुरुष क्लब ऑफ द ईयरः बार्सिलोना, बोटाफोगो, चेल्सी, लिवरपूल, पेरिस सेंट जर्मेन.

महिला क्लब ऑफ द ईयरः आर्सेनल, बार्सिलोना, चेल्सी, ओएल लियोन्स, ऑरलैंडो प्राइड.

यशिन ट्रॉफी पुरुष : एलिसन बेकर, यासीन बौनौ, लुकास शेवेलियर, थिबाउट कोर्टोइस, जियानलुइगी डोनारुम्मा, एमी मार्टिनेज, जान ओब्लाक, डेविड राया, मैट्ज़ सेल्स, यान सोमर.

यशिन ट्रॉफी महिला : एन-कैटरीन बर्जर, कैटा कोल, हन्ना हैम्पटन, चियामाका ननाडोजी, डैफने वैन डोम्सेलार.

पुरुषों की कोपा ट्रॉफी : अय्यूब बोअद्दी, पाउ कुबारसी, डिजायर डू, एस्टेवाओ, डीन हुइजसेन, माइल्स लुईस-स्केली, रोड्रिगो मोरा, जोआओ नेव्स, लामिन यमाल, केनान यिल्डिज.

महिला कोपा ट्रॉफीः मिशेल अग्येमांग, लिंडा कैसेडो, विके कप्टेन, विक्की लोपेज, क्लाउडिया मार्टिनेज ओवांडो.

प्लेइंग 11 में मौका नहीं मिला, तो परेशान खिलाड़ी को गौतम गंभीर ने किया शांत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा खत्म हो चुका है. 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में एक नई नवेली भारतीय टीम अंग्रेजों के खिलाफ उन्हीं के घर में 2-2 से सीरीज बराबर करने में कामयाब रही थी. इस लंबी सीरीज के दौरान कई बार ऐसे मौके भी आए जब टीम इंडिया के कई खिलाड़ी चोटिल भी हुए. लेकिन इसके बावजूद एक भी मैच में अभिमन्यू ईश्वरन को प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं बनाया गया. उन्होंने इंडिया ए के लिए खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था. लेकिन इसके बावजूद उन्हें टीम में जगह नहीं मिली.

ईश्वरन के पिता का बड़ा बयान : ओवल पर खेले गए आखिरी टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ियों को चोट लग गई थी. ऐसे में ईश्वरन को उम्मीद थी कि उन्हें ओवल में मौका मिल सकता है. टीम मैनेजमेंट प्लेइंग 11 के लिए अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रहा था. लेकिन ईश्वरन को फिर से निराशा हाथ लगी. उनके पिता रंगनाथन परमेश्वरन ईश्वरन ने एक इंटरव्यू में बताया कि इससे वह बहुत परेशान हो गए थे.

बेटे को पिता ने समझाया : रंगनाथन ने बताया कि आखिरी टेस्ट में सिलेक्शन न होने के बाद उनकी बेटे से फोन पर बात हुई. रंगनाथन ने कहा, 'मेरा बेटा दलीप ट्रॉफी की तैयारी के लिए बेंगलुरु जाएगा। वह वहां 10-12 दिन रहेगा. फिर कुछ दिनों के लिए देहरादून लौटेगा और फिर वापस बेंगलुरु जाएगा. पांचवें टेस्ट के लिए नहीं चुने जाने पर वह परेशान था। उसे उम्मीद थी कि उसे कॉल आएगा. मैंने उससे कहा, 'बेटा, तुमने अपना सपना जी लिया है.' उसने जवाब दिया, 'मैं समझता हूं. मैंने 23 साल तक अपना सपना जीया है. एक या दो मैचों में नहीं चुने जाने से वह सपना नहीं टूटेगा.' रंगनाथन ने आगे बताया, 'वह इसलिए परेशान था क्योंकि उसे चुना नहीं गया था. जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने कहा, 'पिताजी, मुझे अभी भी जगह नहीं मिली है.' इसका मतलब है कि वह निराश था क्योंकि उसे अभी तक टीम में खेलने का मौका नहीं मिला था.

गौतम गंभीर ने दिलाया भरोसा : रंगनाथन ने यह भी बताया कि इंग्लैंड में सिलेक्शन न होने के बावजूद उनके बेटे को गौतम गंभीर से बात करने से प्रेरणा मिली. गौतम गंभीर ने उन्हें भारतीय टीम में मौका मिलने का भरोसा दिलाया है. उन्होंने यह भी कहा कि जब वह डेब्यू करेंगे तो उन्हें लंबा मौका मिलेगा. उन्हें सिर्फ 1-2 मैचों के आधार पर नहीं आंका जाएगा.

ब्रीफ न्यूज

पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला, बेटे की मौत

कटिहार। कदवा थाना क्षेत्र के ग्राम कचौरी में बीती देर रात्रि एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक घर में चौकी पर सोए हुए पिता राम कल्याण मंडल (45) और उनके बेटे सुनील कुमार मंडल (12) को आग लगा दी गई. दोनों को गंभीर हालत में भागलपुर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान सुनील कुमार मंडल की मौत हो गई. राम कल्याण मंडल का इलाज अभी भी जारी है. इस घटना के बाद कदवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.घटना को लेकर परिजन ने बताया कि राम कल्याण मंडल और उनके बेटे सुनील कुमार मंडल घर की चौकी पर सोए हुए थे.

घर में फंदे पर लटके मिले दारोगा, फैली सनसनी

गयाजी। गयाजी जिले में शुक्रवार सुबह सनसनी फैल गई, जानकारी के अनुसार एक दरोगा की लाश उनके किराए के मकान में फंदे से लटकती हुई मिली. मृतक दरोगा सहरसा जिले के बनगांव का रहने वाले थे और एसएसपी कोठी के पास रहते थे. घटना की सूचना मिलते ही रामपुर थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई. पुलिस मृतक के परिजनों के पहुंचने का इंतजार कर रही है और मामले की जांच में जुट गई है.

पेड़ों में रक्षा सूत्र बांध कर दिया जागरूकता का संदेश

अररिया। रबिसगंज के कटहरा स्थित सुलोचना देवी डीएल दास सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की बच्चियों ने शुक्रवार को पेड़ों में रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा बंधन का पर्व मनाते हुए पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुदर्शन कुमार ने कहा कि कोविड 19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए पेड़ को लगाने और पेड़ की रक्षा का शपथ लिया गया था. जिसको लेकर आज भी विद्या भारती के आचार्यगण और भैया बहन संकल्पित हैं.उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार सिर्फ भाई बहन की रक्षा और उनके अटूट संबंध का नहीं होता,

रक्षाबंधन पर महिलाओं को नीतीश का तोहफा

आज बस यात्रा मुफ्त

संवाददाता। पटना

पटना। नीतीश सरकार ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महिलाओं के लिए बड़ी सौगात की घोषणा की है. 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन बीएसआरटीसी यानी बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सभी बसों में महिलाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी. इस योजना के तहत महिलाएं बिना किसी शुल्क के अपने मायके जाकर भाइयों को राखी बांध सकेंगी.

यह सुविधा साधारण, डीलक्स और वोल्वो सभी श्रेणी की बसों में लागू होगी. बीएसआरटीसी के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने आदेश जारी करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सम्मान देना और महिलाओं को त्योहार के दौरान सुविधा प्रदान करना है.

उन्होंने बताया कि इस योजना से बहनें अपने भाइयों तक आसानी से पहुंच सकेंगी और रक्षाबंधन को हर्षोल्लास के साथ मना सकेंगी. विशेष रूप से राजधानी पटना में संचालित पिंक बस सेवा में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी.

ये बसें सगुना मोड़ से गांधी मैदान और गांधी मैदान से एम्स के बीच चलती हैं. भीड़ को देखते हुए निगम ने अतिरिक्त बसों के संचालन का भी निर्णय लिया है. बीएसआरटीसी ने सभी बस चालकों और परिचालकों को निर्देश दिया है कि वे महिलाओं की यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतें और योजना का कड़ाई से पालन करें. निगम ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर रक्षाबंधन को सुरक्षित और यादगार बनाएं.

डीएसपी के पास 1.52 करोड़ की अवैध संपत्ति, 3 जिलों में छापेमारी

शुभम संदेश। पटना

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी इकाई (एसवीयू) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की. जहानाबाद में तैनात डीएसपी संजीव कुमार पर आय से 1.52 करोड़ रुपये अधिक संपत्ति रखने का आरोप है. इस मामले में पटना, जहानाबाद और खगड़िया में एक साथ छापेमारी की गई, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया.

पहले से थे पुख्ता सबूत : सूत्रों के मुताबिक, DSP संजीव कुमार ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए करोड़ों की अवैध कमाई की. निगरानी इकाई ने पहले से जुटाए सबूतों के आधार पर यह कार्रवाई की है. फिलहाल बरामद दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच जारी है.

खुद एसवीयू ने दर्ज किया केस : इस मामले में पटना निगरानी थाना में एसवीयू ने खुद केस दर्ज किया है. छापेमारी की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल कोई अधिकारी आधिकारिक बयान देने से बच रहा है.

डीएसपी रैंक पर सबसे बड़ी छापेमारी : बताया जा रहा है कि यह किसी डीएसपी रैंक के अधिकारी पर अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी है. जांच एजेंसी अब डीएसपी की बैंक डिटेल्स, जमीन-जायदाद और निवेश की जांच कर रही है. एसवीयू ने कहा है कि छापेमारी पूरी होने के बाद बरामद संपत्ति और दस्तावेजों की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी.

रक्सौल में निर्माणाधीन पुल में गिरने से एक की मौत,एक गंभीर

शुभम संदेश । पूर्वी चंपारण

जिले में रक्सौल स्थित कोईरिया टोला अंबेडकर चौक स्थित नहर पर बन रहे पुल में गिरने एक युवक की मौत हो गई. घटना बीती रात करीब एक बजे की बताई जा रही है.मिली जानकारी के अनुसार दोनो युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बेतिया से आ रहे थे. दोनों युवक इस बात से अनजान थे कि यहां पुल निर्माणाधीन है. वे अंधेरे में शहर में प्रवेश के लिए बाइक को मोड़ रहे थे,इसी दौरान बाईक सीधे नहर में जा गिरा. जिसमें बाइक चालक कालीबाग बेतिया निवासी दानिश जावेद की मौत हो गई, जबकि पीछे सवार बेतिया के हॉस्पिटल रोड निवासी अमन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया.स्थानीय लोगो ने बताया कि निर्माणाधीन पुल पर गिरने से दानिश के सिर पर गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. जबकि अमन नहर में कराहता रहा, जिसकी चीख सुनने के बाद स्थानीय लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी.जिसके बाद रेस्क्यू शुरू किया गया. मौके पर पहुंचे रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर विजय कुमार व पुलिस बल में शामिल पुलिस सब-इंस्पेक्टर रवि कुमार ने वर्दी उतारकर खुद नहर में छलांग लगाई. इसके साथ ही स्वच्छ रक्सौल टीम के रणजीत सिंह सहित कई युवकों ने भी बचाव कार्य में मदद की.दोनों को एसआरपी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डाक्टरो ने दानिश को मृत घोषित कर दिया. वही अभी घायल अमन की हालत नाजुक बनी हुई है. घटना को लेकर रक्सौल वासियो में आक्रोश व्याप्त है, लोगों ने घटना के लिए पुल निर्माण एजेंसी और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है. स्वच्छ रक्सौल अध्यक्ष रणजीत सिंह ने इसे 'नर बलि' करार देते हुए कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के मजबूत पुल तोड़ दिया गया, न ही मजबूत डायवर्सन बनाया गया और न ही हादसे से बचाव के लिए बैरिकेडिंग की गई. उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को न्याय व मुआवजा देने, दोषियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है.

विदेशी महिला से रेप केस में दो अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश। पटना

पटना में प्राइवेट बस में विदेशी महिला से रेप केस में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया कि घटना के बाद दोनों आरोपी पटना छोड़कर फरार हो गए थे. दोनों को अलग अलग जगह से गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कार्तिक राय और सुनील कुमार के रूप में की है. मामले में जानकारी देते हुए पटना सेंट्रल एसपी ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद बिहार छोड़कर पश्चिम बंगाल भागने के फिराक में था. वहीं पकड़े जाने के दोनों अलग अलग जगह फरार हो गए. जहां सुनील कुमार औरंगाबाद भाग गया.

वहीं कार्तिक राय ट्रेन से पश्चिम बंगालभागने की फिराक में था. इसी दौरान पुलिस ने उसे बरौनी के पास ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया. आरोपी कार्तिक राय के पास से महिला का आइकार्ड, नेपाली सिम, वगैरह महिला के बरामद किए गए हैं.उन्होंने बताया कि देर रात को बस के अंदर सफाई करने के बाद सीधे कोलकाता भाग गया था. लड़की का सामान वहां बेच दिया. फिर वापस मुजफ्फरपुर आया था. इसके बाद दोबारा कोलकाता जा रहा था. सुनील औरंगाबाद से पहले पकड़ा गया. इसी की निशानदेही पर कार्तिक को पकड़ा गया. वहीं बस को भी जब्त कर लिया गया है.

पुलिस ने बताया कि कार्तिक शादी शुदा है. एक बेटा है. सुनील शादी शुदा है. कार्तिक बस ड्राइवर है और वो मुजफ्फरपुर का रहने वाला है. बताया जाता है कि उसे नेपाली भाषा भी बोलने आती है. इसी का फायदा उठाकर उसने लड़की को अपने जाल में फंसा लिया. एफआईआर के मुताबिक, कार्तिक जवानों को बीएमपी 1 से गांधी मैदान रोज छोड़ने और लाने जाता था. जब उसे जवानों को ले जाना या लाना रहता तब वो पीड़िता गांधी को मैदान के बाहर गेट नंबर 5 के आसपास वेट करने को कहता था. उसके मोबाइल, रुपए वगैरह सब अपने पास रख लेता था. इसी दौरान मंगलवार के दिन भी ऐसा ही हुआ था. युवती बैठकर गेट नंबर 5 के पास रो रही थी.

इसी बीच वहां के दुकानदारों और परेड के लिए गांधी मैदान आए गोरखा रेजिमेंट के जवानों ने लड़की को देखा. इसके बाद इसकी जानकारी गोरखा समाज समिति के अध्यक्ष सूरज थापा को सूचना दी गई. सूरज थापा ओला बुक कर के आए और युवती को अपने साथ लेकर कौशल नगर चले गए. जिसके बाद वह पुलिस के पास पहुंची.

न्यूज अपडेट

एसवीयू ने डीएसपी के तीन ठिकानों पर की छापेमारी

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष सतर्कता इकाई-स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने शुक्रवार सुबह जहानाबाद में पदस्थापित डीएसपी संजीव कुमार के तीन ठिकानों पटना, खगड़िया और जहानाबाद में एक साथ छापेमारी की है . यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के गंभीर आरोपों के तहत की जा रही है.एसवीयू ने संजीव कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें उन पर 1 करोड़ 52 लाख 42 हज़ार 469 रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है. यह संपत्ति कथित तौर पर उनकी ज्ञात कानूनी आय के स्रोतों से कई गुना अधिक है. मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) और बीएनएस 2023 की धारा 61(2)(ए) के तहत दर्ज किया गया है.एसवीयू के अनुसार डीएसपी के ठिकानों पर छापेमारी के लिए विशेष न्यायाधीश सतर्कता, पटना की अदालत से तलाशी वारंट जारी कराया गया था. इसके बाद सुबह-सुबह तीनों जिलों में अलग-अलग टीमों ने एक साथ दबिश दी. छापेमारी की अगुवाई खुद वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में की जा रही है.

गला रेतकर युवक की हत्या, तफ्तीश में जुटी पुलिस

भागलपुर। पुलिस जिला नवगछिया के रंगरा थाना क्षेत्र के मदरौनी पंचायत के सोहड़ा गांव के समीप शुक्रवार को एक युवक का शव बरामद किया गया है. मरने वाले की पहचान मदरौनी के रहने वाले छोटू रजक (27) के तौर पर हुई है. उसका शव इलाके के महंत बाबा स्थान के पास पड़ा हुआ था. शव को गमछी से ढक दिया गया था. जब पूजा करने के लिए आज लोग मंदिर पहुंचे तो उनका शव देखा. फिर लोग वहां जमा हो गए. गमछी हटाया तो शव लहूलुहान स्थिति में था. गला रेता हुआ था. इसके बाद इलाके में घटना की जानकारी आग की तरफ फैल गई. लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी. जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि मृतक शराब का सेवन प्रत्येक दिन करता था. बीती रात अपने दोस्तों के संग पार्टी करने के लिए निकला था. हालांकि पार्टी किस दोस्तों के साथ करने के लिए निकला था,

रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की हुई मौत

बेतिया। बेतिया के प्रतिष्ठित रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय (आरएलएसवाई कॉलेज) में उस वक्त हड़कंप मच गया जब दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी धरमेंद्र यादव उर्फ भोला की मौत के बाद उनका शव कॉलेज परिसर में रखकर अन्य कर्मचारी धरने पर बैठ गए. धरना पिछले कई दिनों से वेतन भुगतान को लेकर चल रहा था, लेकिन अब स्थिति और गंभीर हो गई है. धरना पर बैठे कर्मचारियों का आरोप है कि प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभय कुमार की लापरवाही और उदासीनता के कारण पिछले 9 महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया. इसी आर्थिक तंगी के चलते धर्मेंद्र यादव उचित इलाज नहीं करा सके और उनकी मौत हो गई. कर्मचारियों ने बताया कि मौत की सूचना के बाद भी कॉलेज प्रशासन या जिला प्रशासन का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा. सिर्फ 112 की पुलिस टीम थोड़ी देर के लिए पहुंची थी, लेकिन वे भी वापस लौट गई. धरना पर बैठे कर्मचारियो ने प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाया.

राजद की 'क्षत्रिय सम्मान यात्रा' से बिहार की सियासत में हलचल तेज, एनडीए को चुनौती देने की कोशिश

सासाराम। बिहार की सियासत में एक नई हलचल तब मची जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 'क्षत्रिय सम्मान यात्रा' की शुरुआत की. यह यात्रा सासाराम से शुरू हुई और डेहरी ऑन सोन तक पहुंची, जिसका नेतृत्व पार्टी नेता आशुतोष सिंह कर रहे हैं. इस पहल का उद्देश्य स्पष्ट है — क्षत्रिय समाज को साधना और उन्हें यह संदेश देना कि मौजूदा सरकार में उनकी उपेक्षा हो रही है. आशुतोष सिंह ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान सरकार ने लगातार क्षत्रिय समाज की अनदेखी की है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि क्षत्रिय समाज अब बड़ी संख्या में राजद की ओर आकर्षित हो रहा है, क्योंकि सिर्फ राजद ही उनके हितों की सच्ची रक्षा कर सकती है. यह यात्रा खास इसलिए भी मानी जा रही है क्योंकि राजद पारंपरिक रूप से मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण पर निर्भर रही है. लेकिन अब पार्टी अपने दायरे को बढ़ाते हुए सवर्ण समुदायों को भी साधने की रणनीति अपना रही है.

कारोबार

ट्रंप ने मृत अर्थव्यवस्था से 10 वर्षों में कमाए 1800 करोड़

नई दिल्ली. डोनाल्ड ट्रंप की ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने भारत में बिना प्रत्यक्ष निर्माण किए ब्रांडिंग और लाइसेंसिंग के जरिये पिछले 10 वर्षों में लगभग 1,800 करोड़ रुपये की कमाई की है. कंपनी ने 2014 के बाद मुंबई, पुणे, गुरुग्राम और कोलकाता में ट्रंप टावर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से भारतीय रियल एस्टेट में कदम रखा. मुंबई में लोढ़ा ग्रुप से 225 करोड़, पुणे में पंचशील रियल्टी से 120 करोड़, कोलकाता में यूनिमार्क से 105 करोड़ और गुरुग्राम में एम3एम इंडिया से 180 करोड़ रुपये की रॉयल्टी कमाई. वैश्विक स्तर पर ट्रंप ऑर्गनाइजेशन की सालाना राजस्व क्षमता लगभग 25,000 करोड़ रुपये आंकी गई है.

हादसे में मारे गए परिजनों को 27.17 लाख मुआवजा

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के ठाणे में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 2018 की दुर्घटना में मारे गए बापू रावूल के परिजनों को 27.17 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया. एफआईआर में मृतक को दोषी ठहराया गया था, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर न्यायाधिकरण ने मुआवजा स्वीकृत किया. अगस्ता वेस्टलैंड केस में कोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल की रिहाई याचिका खारिज की. वहीं, एनटीपीसी ग्रीन और एनएचपीसी नवीकरणीय ऊर्जा निवेश के लिए बॉन्ड जारी करेंगी. जून तिमाही में मोबाइल फोन के दम पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 47% बढ़कर 12.4 अरब डॉलर हो गया. दूसरी ओर, जुलाई में वाहनों की बिक्री 4% घटी, पर ट्रैक्टर बिक्री 11% बढ़ी. ग्रामीण मांग ने बिक्री को सहारा दिया, जबकि शहरी क्षेत्र में मांग धीमी रही. त्योहारों के मौसम में बिक्री सुधार की उम्मीद है.प्रतिक्रिया:यह रिपोर्ट न्याय, आर्थिक प्रगति और बाज़ार प्रवृत्तियों के संतुलन को दर्शाती है. सकारात्मक पहलुओं के साथ कुछ चुनौतियाँ भी स्पष्ट हैं.

फ्लाईएसबीएस एविएशन का धमाकेदार डेब्यू पहले ही दिन निवेशकों का पैसा लगभग दोगुना

एजेंसी। नई दिल्ली

प्राइवेट जेट सेवा देने वाली कंपनी फ्लाईएसबीएस एविएशन ने आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शानदार लिस्टिंग की. कंपनी के शेयर आईपीओ में 225 रुपये प्रति शेयर के भाव पर जारी हुए थे, लेकिन पहले ही दिन 90% प्रीमियम के साथ 427.50 रुपये पर लिस्ट हुए. इसके बाद थोड़ी ही देर में शेयर 448.85 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गया. इस तरह पहले दिन ही निवेशकों को लगभग 99.5% का लाभ हुआ.कंपनी का 102.53 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 5 अगस्त तक खुला था, जिसे निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली. यह आईपीओ कुल 318.68 गुना सब्सक्राइब हुआ, जिसमें क्यूआईबी श्रेणी 191.93 गुना, एनआईआई श्रेणी 563.64 गुना और रिटेल श्रेणी 286.06 गुना सब्सक्राइब हुई.आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी छह नए विमान लीज पर लेने, पुराने कर्ज चुकाने, और अन्य कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो कंपनी ने FY 2022-23 में 3.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था, जो FY 2023-24 में बढ़कर 11.25 करोड़ और FY 2024-25 में 28.41 करोड़ रुपये पहुंच गया. कुल आय भी इसी अवधि में 34.68 करोड़ से बढ़कर 195.38 करोड़ रुपये हो गई.हालांकि, कंपनी का कर्ज भी बढ़ा है, जो FY 2024-25 के अंत तक 17.93 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. निवेशकों को अब कंपनी की आगे की ग्रोथ और फंड के उपयोग पर नजर रखनी होगी.

एलआईसी के शेयरों में मजबूती, आया उछाल

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम के शेयरों में शुक्रवार को तेज़ी देखी गई, जब कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी. बीएसई पर एलआईसी का शेयर 4.69% बढ़कर 927 और एनएसई पर 4.75% चढ़कर 927.10 पर बंद हुआ. कंपनी ने 10,461 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,987 करोड़ था, यानी 5% की वृद्धि. एलआईसी की आय 2,22,864 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी हुई है. प्रथम वर्ष का प्रीमियम भी बढ़कर 7,525 करोड़ हो गया. कंपनी के सीईओ आर. दोरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी मुनाफे में वृद्धि की दिशा में काम कर रही है.

आरबीआई का सर्वे : महंगाई को लेकर उम्मीदें घटीं

नई दिल्ली। आरबीआई के जुलाई 2025 सर्वे के अनुसार, शहरी परिवारों की महंगाई की धारणा में गिरावट आई है। जुलाई में मुद्रास्फीति की औसत धारणा 7.2% रही, जो मई में 7.7% थी। आगामी तीन और 12 महीनों के लिए महंगाई उम्मीदें क्रमशः 8.3% और 9.0% रहीं। भोपाल में एक साल बाद महंगाई की सबसे अधिक 11.2% और अहमदाबाद में सबसे कम 5.4% उम्मीद जताई गई।सेवानिवृत्त लोगों ने 9.6% मुद्रास्फीति की आशंका जताई.

सोना-चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेजी देखने को मिली है. आज 24 कैरेट सोना 200 से 220 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 1,02,560 से 1,02,710 रुपये के बीच बिक रहा है, जबकि 22 कैरेट सोना 94,010 से 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है.चांदी की कीमत में भी बड़ी उछाल दर्ज की गई है. आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 1,000 रुपये महंगी होकर 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है.दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, पटना, जयपुर समेत बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर जैसे शहरों में भी आज सोने के दामों में तेजी दर्ज की गई. ज्यादातर बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,560 से 1,02,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,010 से 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है.विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की मांग में वृद्धि और डॉलर के कमजोर होने के कारण सोने-चांदी की कीमतों में तेजी बनी हुई है.

नीतिगत दरों को स्थिर रखना तकनीकी कदम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो दर को 5.5% पर स्थिर बनाए रखा है, जिसे एक तकनीकी और संतुलित कदम के रूप में देखा जा रहा है. यह निर्णय मुद्रास्फीति के अनुमान और आर्थिक विकास की गति को ध्यान में रखकर लिया गया है. आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक मुद्रास्फीति दर 3% से नीचे रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में यह बढ़कर 4.9% तक पहुंच सकती है.

टैरिफ बम से गिरा बाजार

नयी दिल्ली । शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई, जहां विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ अनिश्चितताओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी. बीएसई सेंसेक्स 242 अंक गिरकर 80,381 पर और निफ्टी 55 अंक फिसलकर 24,541 पर आ गया. भारती एयरटेल, इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में गिरावट आई, जबकि टाइटन और बजाज फाइनेंस जैसे शेयरों ने मजबूती दिखाई. एफआईआई ने 4,997 करोड़ के शेयर बेचे, वहीं डीआईआई ने 10,864 करोड़ की खरीदारी की. विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में कमजोरी बनी रह सकती है, हालांकि घरेलू निवेशकों की स क्रियता राहत दे रही है.

टैरिफ

भारत पर अमेरिकी टैरिफ का निराशाजनक असर सामने

निर्यात और रोजगार पर बड़ा संकट दिख रहा

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्त्र और रत्न-आभूषण उत्पादों पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने से भारत की जीडीपी में 0.4% की गिरावट का अनुमान है. बैंकिंग विशेषज्ञ अजय बग्गा के अनुसार, इतना ऊंचा टैरिफ व्यापार को असंभव बना देता है, जिससे निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है. क्रिसमस के ऑर्डर और शिपमेंट तैयार होने के बावजूद खरीदार ऑर्डर रद्द कर रहे हैं. फियो ने बताया कि इससे भारत के 55% निर्यात प्रभावित होंगे और 30-35% प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान होगा. रत्न एवं आभूषण उद्योग में निर्यात 75% तक घट सकता है, जिससे 1.25 लाख नौकरियों पर संकट है. वस्त्र उद्योग में भी अमेरिकी बाजार पर निर्भर छोटी कंपनियों के लिए यह हालात बेहद गंभीर हैं. एईपीसी के अनुसार, यह सूक्ष्म और श्रम-प्रधान उद्यमों के लिए रुमौत की घंटीह जैसी स्थिति है. विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट का समाधान बातचीत और संतुलित रणनीति से किया जाना चाहिए. भारत सरकार से उम्मीद है कि वह अमेरिका से वार्ता के जरिये समाधान निकालेगी और प्रभावित उद्योगों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी.

पेज एक का शेष

याद रहे आदिवासियत से ही बचेगी ...

आज देश की अधिकांश खनिज संपदा, जल संसाधन और वन क्षेत्र उन्हीं इलाकों में स्थित हैं जहां आदिवासी निवास करते हैं—छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, नगालैंड, मिज़ोरम, त्रिपुरा आदि. यह संयोग नहीं, बल्कि इतिहास की विडंबना है कि इन क्षेत्रों में सबसे अधिक खनन परियोजनाएं, बड़े बांध, औद्योगिक कॉरिडोर और सड़कों की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं. इन तथाकथित 'विकास' योजनाओं की कीमत पर न केवल आदिवासी अपनी जमीन और जंगल से बेदखल हो रहे हैं, बल्कि उनके विश्वास, परंपराएं, समाज संरचना और राजनीतिक स्वायत्तता भी नष्ट हो रही है.

1950 से अब तक लगभग 5 करोड़ लोग विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित हुए हैं, जिनमें 40% से अधिक आदिवासी हैं. केवल झारखंड में पिछले दो दशकों में 12 लाख से अधिक लोग अपनी जमीन से बेदखल हुए. 2006 में बने वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के तहत जिन अधिकारों को मान्यता दी गई, उनकी 70% से अधिक दावेदारियां अभी तक लंबित हैं या खारिज कर दी गई हैं.

जंगलों के प्रहरी: पर्यावरण की अंतिम उम्मीद

एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 80% जैवविविधता उन क्षेत्रों में संरक्षित है, जहां आदिवासी समुदाय रहते हैं. ये समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान, अनुष्ठानों और सामूहिक निर्णय प्रणाली के माध्यम से: वनस्पतियों की प्रजातियों की रक्षा करते हैं, नदियों और जलस्त्रोतों का संरक्षण करते हैं,और औषधीय ज्ञान को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते हैं. जब यूरोपीय देश 'क्लाइमेट टेक' और 'ग्रीन एनर्जी' की बात कर रहे हैं, एक आदिवासी महिला अपने गांव के पास छोटे-से कुंआ को स्वच्छ रखकर सौ परिवारों का जल जीवन चला रही होती है.

आदिवासी ज्ञान: विज्ञान से कम नहीं

बहुत लोग आदिवासी ज्ञान को 'अंधविश्वास' समझते हैं, जबकि यह स्थानीय विज्ञान का सर्वोत्तम रूप है. उदाहरण के लिए झारखंड के हो जनजाति में यह परंपरा है कि पेड़ को केवल तब काटा जाए जब उसके पास कम से कम पांच नए पेड़ रोपे गए हों. ओडिशा के कोंध आदिवासी हर वर्ष 'मेरिया पर्व' मनाते हैं जिसमें वे जंगलों को दान देते हैं, न कि उनसे मांगते हैं. मध्य भारत की बैगा जनजाति, कभी हल नहीं चलाते क्योंकि उनका मानना है कि धरती मां की छाती को नहीं चीरना चाहिए. ये सब सिर्फ 'संस्कृति' नहीं, सतत विकास की वैकल्पिक दृष्टि हैं.

पेसा और वनाधिकार की महत्ता

भारतीय संविधान ने भी आदिवासियत की महत्ता को मान्यता दी है—विशेषकर दो ऐतिहासिक कानूनों के ज़रिए. पेसा 1996, अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा को स्थानीय संसाधनों, खनन, जल-जंगल-जमीन और परंपरागत संस्थाओं पर निर्णय लेने का अधिकार देता है. वनाधिकार कानून 2006, उन समुदायों को जंगलों पर अधिकार देता है जो पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं. लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन कानूनों का पूरी तरह से कार्यान्वयन नहीं हो पाया, और आदिवासी समुदाय आज भी अपनी जमीन के लिए, अपने जंगल के लिए, अपनी भाषा और संस्कृति के लिए संघर्ष कर रहा है.

क्या दुनिया आदिवासियों से कुछ सीख सकती है

बिल्कुल. और सीखना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है. आदिवासी हमें सिखाते हैं कि 'कम में भी जीवन संभव है.' वे हमें दिखाते हैं कि 'प्रकृति के साथ लड़ो नहीं, उसके साथ जियो.' वे हमें याद दिलाते हैं कि 'विकास का अर्थ विनाश नहीं है.' अगर आज की शिक्षा व्यवस्था, विकास नीति और राजनीति—आदिवासी सोच को केंद्र में रखकर पुनः गढ़ी जाए, तो हम सिर्फ समाज नहीं, भविष्य को भी बचा सकते हैं.

आदिवासियत: भविष्य का दर्शन

आदिवासियत कोई बीती हुई संस्कृति नहीं, बल्कि आने वाले समय की सबसे प्रासंगिक जीवनशैली है. जब सांस लेने लायक हवा कम पड़ रही है, जब धरती की छाती जल रही है, जब समाज बंट रहा है और संबंध टूट रहे हैं—तब एक आदिवासी विचार ही है जो कहता है: "पृथ्वी को मत जीतो, उससे प्रेम करो." "अगर पृथ्वी को बचाना है, तो उसे वही लोग बचाएंगे जिनका जीवन धरती के साथ बंधा हुआ है, न कि उससे अलग." इसलिए जब हम 9 अगस्त को 'विश्व आदिवासी दिवस' मनाएं, तो केवल तालियां न बजाएं, बल्कि अपनी नीतियों, दृष्टिकोण और जीवनशैली में थोड़ी सी आदिवासियत को जगह दें. क्योंकि वाकई... आदिवासियत से ही बचेगी दुनिया.

न्यूज अपडेट

नेपाल पुलिस ने किया किडनी तस्कर के अंतर्देशीय गिरोह का भंडाफोड़

काठमांडू । नेपाली युवकों को भारत के नौकरी का झांसा देकर ले जाने तथा उनकी किडनी निकल कर बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया किया है. इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी की है. प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इस संगठित और सीमा पार मानव अंग तस्करी अपराध में नेपाल के तीन व्यक्तियों की संलिप्तता थी जो कि काभ्रेपलाञ्चोक और नुवाकोट जिले के रहने वाला बताया गया है. नेपाल पुलिस के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ब्यूरो के अनुसार, गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में 35 वर्षीय राजकुमार परियार, 24 वर्षीय समीर नेपाली और 47 वर्षीय राकेश नेपाली शामिल हैं.

यूपी में चलती रोडवेज बस पर गिरा पेड़, पांच की मौत व चार गंभीर

बाराबंकी । उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी में शुक्रवार को चलती राडेवज बस पर एक पेड़ गिर गया. हादसे में बस चालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल है. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग की एक बस सवारियों को लेकर बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी. जैदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हरख स्थित राजा बाजार के पास बस पहुंचते ही एक विशालकाय पेड़ अचानक बस पर गिर गया. हादसा इतना जबरदस्त था कि चीख-पुकार मच गया. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया. इस दौरान जैदपुर और सतरिख थाना की पुलिस पहुंच गई.

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे 12 साल तक रहेंगे नजरबंद

बोगोटा (कोलंबिया) । देश के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को शुक्रवार को धोखाधड़ी और गवाहों को रिश्वत के केस में 12 साल तक नजरबंद रखने की सजा सुनाई गई. उरीबे ने खुद को निर्दोष बताया है. बचाव पक्ष के वकील ने बोगोटा के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की घोषणा की है. सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, 73 वर्षीय उरीबे को न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया ने चार दिन पहले इस केस में दोषी ठहराते हुए एक अभियोजक को कथित तौर पर रिश्वत देने के एक अन्य आरोप से बरी कर दिया था. उरीबे 2002 से 2010 तक कोलंबिया के राष्ट्रपति रहे हैं. वह देश के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है.

दिल्ली एयरपोर्ट से 40 महिलाओं को डिपोर्ट करके वापस भेजा गया

काठमांडू । नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 40 नेपाली महिलाओं के एक समूह को उस समय डिपोर्ट किया गया, जब वो बिना उचित अनुमति यात्रा वीजा पर विभिन्न खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाली थी. इन महिलाओं के पास विदेश में नौकरी के लिए नेपाली दूतावास के नाम का फर्जी अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला है, इसलिए इन्हें नई दिल्ली में नेपाली दूतावास के समन्वय से हिरासत में ले लिया गया. नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र थापा ने बताया कि सामान्य पूछताछ के बाद इन सभी महिलाओं को सड़क मार्ग से वापस नेपाल भेजने की तैयारी की जा रही है.

नेतन्याहू की गाजा में पूर्ण कब्जे की योजना के विरोध में इजराइल में प्रदर्शन

तेल अवीव । इजराइल में सुरक्षा मंत्रिमंडल की कई घंटे तक चली बैठक के दौरान देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए . सुरक्षा मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर पूर्ण कब्जे के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है. यह बैठक देररात खत्म हुई. शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बैठक में गाजा पर पूर्ण कब्जे को मंजूरी दी गई. सीएनएन चैनल के अनुसार, गाजा में हमास की कैद में रह रहे 50 बंधकों में से कुछ के परिवारों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर सरकार से इस योजना को वापस लेने की गुहार लगाई. बंधक और लापता परिवार मंच ने जारी विज्ञप्ति में कहा, गाजा पर पूर्ण कब्जे का फैसला बंधकों को बलिदान करने जैसा है. फैसला लेते समय हमारी आंखों में झांकते.

राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने इनाम घोषित किया

वॉशिंगटन । अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि को दोगुना करते हुए इसे 50 मिलियन डॉलर कर दिया है. मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की यह राशि, अमेरिका की तरफ से आतंकी संगठन अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को पकड़ने के लिए घोषित की गई इनाम की राशि से दोगुनी है. अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स वीडियो जारी कर इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 50 मिलियन डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है. वीडिया संदेश में पैम बॉन्डी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की अगुवाई में मादुरो बच नहीं पाएंगे.

धराली आपदा : चौथे दिन 80 लोगों को आईटीबीपी मातली हेलीपैड पहुंचाया गया

एजेंसी । उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली आपदा के चौथे दिन शुक्रवार सुबह कुल 80 लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से आईटीबीपी मातली हेलीपैड पर पहुंचाया गया. जहां से सभी लोगों को उनके गंतव्य तक सुविधानुसार भेजा जा रहा है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ग्राउंड जीरो पर राहत और बचाव दलों के साथ मौजूद हैं. उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि शुक्रवार सुबह से यूकाडा के हेलीकॉप्टर फंसे हुए लोगों को निकालने के अलावा उपकरणों और खाद्य सामग्री को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाने में जुटे हैं. सुबह साढ़े नौ बजे यूकाडा के 39 हेलीकॉप्टरों की सार्टी हुई, जिसमें 33 लोगों को मातली से हर्षिल पहुंचाया गया, जिसमें 03 स्नाइफर डॉग्स और खाद्य सामग्री भेजी गई.

वहीं, हर्षिल से कुल 67 लोगों को मातली लाया गया. मातली से नेलांग खाद्य सामग्री भेजी गई है. एसडीआरएफ की ओर से उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल एवं धराली आपदा क्षेत्र की ड्रोन विशेषज्ञ टीम ने हवाई निरीक्षण किया. इसके अतिरिक्त धराली के आपदा प्रभावित क्षेत्र का भी ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण किया गया. यह सर्वेक्षण उन दुर्गम क्षेत्रों में किया गया जहां भूस्खलन व मलबा आने के कारण जमीनी पहुंच अत्यंत कठिन है. प्रभावित क्षेत्र में किसी व्यक्ति के फंसे होने अथवा लापता व्यक्तियों की मौजूदगी की संभावना के दृष्टिगत एसडीआरएफ टीम ड्रोन कैमरों की सहायता से क्षेत्र की सर्चिंग की.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ग्राउंड जीरो पर राहत और बचाव दलों के साथ मौजूद हैं. उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य को लेकर आज डीजी आईटीबीपी, डीजी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, भारत एवं डीजीपी उत्तराखंड पुलिस के साथ उच्च स्तरीय बैठक की. इस दौरान रेस्क्यू अभियान की प्रगति, ज़मीनी चुनौतियों और आपसी समन्वय को और मज़बूत बनाने पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री रमेश कुमार सुधांशु, सचिव गृह शैलेश बगौली राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी और समन्वय कर रहे हैं.

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी के साथ उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभिन्न विशेषज्ञ उपस्थित हैं. सचिव, नागरिक उड्डयन सचिन कुर्वे की ओर से सहस्त्रधसारा हैलीपैड से हेली आपरेशन के लिए यूकाडा और एयरफोर्स से समन्वय के साथ ही हेली आपरेशंस में आने वाली समस्याओं का समाधान किया जा रहा है.

हिमाचल के चम्बा में खाई में गिरी कार, 6 की मौत, मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के भंजराडू शहवा-भड़कवास मार्ग पर बीती देर रात एक कार गहरी खाई में गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों सहित कुल छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा इतना भयंकर था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार किसी को भी बचाया नहीं जा सका. जानकारी के अनुसार यह कार चंबा जिला मुख्यालय से लौट रही थी. देर रात पधरी के पास पहुंचते ही चालक का वाहन पर नियंत्रण खो गया और कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी. हादसे में पति-पत्नी, उनके दो बच्चे और दो अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान राजेश कुमार (40) पुत्र नरेन सिंह, उनकी पत्नी हंसो (36), बेटी आरती (17), बेटा दीपक (15), राकेश कुमार (44) पुत्र हरि सिंह और हेम पाल (37) पुत्र इंदर सिंह के रूप में हुई है. इनमें राजेश कुमार का परिवार गांव बुलवास, डाकघर जुंगरा का निवासी था, जबकि हेमपाल गांव सलांचा, डाकघर भंजराडू के रहने वाले थे. पुलिस दल ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया. शवों को खाई से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया. चम्बा पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है. प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि अंधेरा होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया. हादसे की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है. हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने 20 जून को दस्तक दी थी. तब से प्रदेश में सड़क हादसों में 100 लोगों की जान गई है.

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बम विस्फोट, चार की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले के एक व्यस्त बाजार में गुरुवार को एक पुलिस वाहन पर बम विस्फोट किया गया, जिसमें कम से कम चार नागरिकों की मौत हो गई और दो पुलिसकर्मियों सहित 14 अन्य घायल हो गए. अभी तक किसी ने भी बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार पुलिस ने बताया कि बम विस्फोट में पुलिस वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है.

मृतकों में राहगीर और दुकानदार हैं. यह विस्फोट वाना बाजार में मुख्य टैक्सी स्टैंड के पास भीड़भाड़ वाले समय में हुआ. विस्फोट होते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस वाहन के टैक्सी स्टैंड के पास रुकने के कुछ ही देर बाद बम विस्फोट हुआ. इससे कई दुकानों के शीशे टूट गए और भगदड़ मच गई. घायलों को जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया. अस्पताल के चिकित्सकों ने पुष्टि की कि चार नागरिकों की मौत हो गई, जबकि दो घायलों की हालत भी गंभीर है. घायलों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. वाना के डीएसपी शकीरुल्लाह ने बताया कि यह विस्फोट इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया. दक्षिण वजीरिस्तान लोअर के उपायुक्त ने घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं. हालांकि, पूर्व में ऐसे हमले प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने किए हैं, लेकिन अधिकारियों का दावा है कि टीटीपी सीमा पार अफगानिस्तान में अपने सुरक्षित ठिकानों से पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है.

पुतिन-ट्रंप के बीच जल्द होगी बैठक यूक्रेन युद्ध का निकलेगा समाधान

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही आमने-सामने की बैठक के लिए दोनों देश सहमत हो गए हैं. पुतिन ने संयुक्त अरब अमीरात में इस शिखर सम्मेलन के आयोजन का संकेत दिया है. 2021 के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की आमने-सामने यह पहली बैठक होगी जब पुतिन ने यूक्रेन सीमा के पास सैन्य जमावड़े को लेकर जिनेवा में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी. दी मॉस्को टाइम्स के मुताबिक क्रेमलिन के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा है कि व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आने वाले दिनों में एक बैठक पर सहमति बन गई है. क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूसी सरकारी मीडिया को बताया कि अमेरिकी पक्ष के सुझाव पर आने वाले दिनों में एक द्विपक्षीय उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित करने के लिए प्रारंभिक सहमति बनी है. राष्ट्रपति पुतिन ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए संकेत दिया कि ट्रंप के साथ यह शिखर सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात में हो सकता है. हालांकि पुतिन ने उनके यूक्रेनी समकक्ष के साथ बैठक की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल को दूर की बात कहते हुए टाल दिया. गौरतलब है कि पुतिन और ट्रंप के बीच बैठक को लेकर सहमति की खबर तब सामने आई है जब अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हाल ही में मास्को में पुतिन से मुलाकात की है. रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की कोशिशों के रूप में पुतिन-ट्रंप की बातचीत अहम साबित हो सकती है. खास बात यह है कि ट्रंप ने 8 अगस्त तक रूस को शांति वार्ता की मोहलत दी है जिसके लिए राजी नहीं होने पर रूस पर भारी-भरकम टैरिफ की धमकी दी गई है.

पश्चिम बंगाल विस में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी का आरोप

ममता सरकार के कामकाज में दखल दे रही है आई-पैक

- राज्य सरकार की एक परियोजना 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' से जुड़े प्रमुख डिजाइन संसाधनों के ड्राइव लिंक दिए गए थे

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि 2021 के विधानसभा चुनाव से अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के लिए जनसंपर्क रणनीति बनाने वाली एजेंसी 'आई-पैक' अब राज्य सरकार के प्रशासनिक कामकाज में भी हस्तक्षेप कर रही है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक ईमेल का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो कथित तौर पर आई-पैक के प्रतिनिधि आवेश सिंह ने राज्य सूचना एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक और अतिरिक्त सचिव को भेजा था.

इस ई-मेल में राज्य सरकार की एक परियोजना 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' से जुड़े प्रमुख डिजाइन संसाधनों के ड्राइव लिंक दिए गए थे. अधिकारी का दावा है कि यह सीधा प्रशासनिक दखल है. हालांकि इस स्क्रीनशॉट की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है. शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले बांग्लादेशी मुस्लिम प्रवासियों को बसाने की अनुमति दे चुकी हैं और अब उन्होंने आई-पैक के लोगों को राज्य सरकार की प्रशासनिक सीमाएं लांघने की छूट दे दी है. उन्होंने सवाल उठाया कि एक निजी कंपनी का कर्मचारी किस तरह एक डब्ल्यूबीसीएस अधिकारी को, जो निदेशक स्तर के पद पर है, निर्देश दे सकता है.

मीर यार ने ट्रंप को पत्र लिखा, कहा-बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता दें

क्वेटा (बलूचिस्तान)। बलूचिस्तान आंदोलन के सदस्य और मानवाधिकार रक्षक मीर यार बलूच ने अमेरिका से बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता और समर्थन देने का आग्रह किया है. मीर यार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को सात अगस्त को लिखे पत्र में कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य पाकिस्तान और ईरान के अवैध कब्जे वाला प्राचीन और संप्रभु राष्ट्र है. दुर्लभ खनिज, तेल, गैस, हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों से समृद्ध होने के बावजूद यहां के लोगों का दमन हो रहा है. मीर यार बलूच ने इस पत्र को अपने एक्स हैंडल पर भी साझा किया है. बलूच ने लिखा, "पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर से आगामी यात्रा के दौरान पूछा जाना चाहिए कि पाकिस्तान किस कानून और नैतिक आधार पर बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा पर अपना दावा करता है? मीर बलूच ने कहा कि मुनीर ऐसी संस्था का नेतृत्व करते हैं, जो बलूचिस्तान में आतंक फैलाते हैं.

एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे के बाद रास की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कांग्रेस के 'वोट चोरी' आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया, जिसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई.

राज्य सभा की कार्यवाही शुरू करते ही उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक कागजात और रिपोर्ट्स सदन की पटल पर रखवाए. उसके बाद हरिवंश ने कहा कि आज उन्हें नियम 267 के तहत 20 नोटिस मिले हैं. आज के नोटिस में पांच अलग-अलग मुद्दे शामिल हैं, जिन पर सदस्यों ने कार्य स्थगन की मांग की है. ऐसा प्रतीत होता है कि नियम 267 के तहत नोटिसों का इस्तेमाल सदन में अव्यवस्था फैलाने के लिए किया जा रहा है. इसके बाद फिर हंगामा शुरू हो गया. तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि अगले सोमवार से विपक्ष द्वारा दिए जाने वाले सभी नोटिस एसआईआर मुद्दे पर होंगे.सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास ने कहा कि नियम 267 को समाप्त कर दिया जाना चाहिए, जबकि कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि सदन चले और एसआईआर मुद्दे पर चर्चा हो. डीएमके के तिरुचि शिवा ने कहा कि नियम केवल कागज़ों पर ही नहीं, बल्कि व्यवहार में भी होने चाहिए. इस हंगामे को देखते हुए सभापति ने सभी से सदन चलने देने की अपील की. उन्होंने कहा कि अब तक सदन का 56 घंटे और 49 मिनट का समय बर्बाद हो चुका है. सत्र में अब तक केवल 13 तारांकित प्रश्न, पांच शून्यकाल प्रस्तुतियां और 17 विशेष उल्लेख ही लिए गए हैं. इसके कारण विपक्षी सदस्यों में हंगामा मच गया और सांसद नारे भी लगाने लगे. इसके बाद उपसभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

मिला साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के खिलाफ भारत को मिला चीन का साथ

ट्रंप के घोषित टैरिफ का गलत इस्तेमाल हो रहा

- अमेरिका ने चीन पर लगाए गए 145 प्रतिशत टैरिफ को फिलहाल 90 दिनों के लिए स्थगित किया हुआ है.

एजेंसी । नयी दिल्ली

टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिकी मनमानी के खिलाफ भारत को चीन का साथ मिला है. चीन ने कहा है कि अमेरिकी सरकार द्वारा टैरिफ का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है और हमारा इसके प्रति विरोध साफ है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं. जिसके बाद अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है. जब इसे लेकर चीन से प्रतिक्रिया मांगी गई तो चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि 'टैरिफ के दुरुपयोग के प्रति चीन का विरोध सही और स्पष्ट है.'

भारत ने अपनाया कड़ा रुख : अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई. भारत ने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका का यह कदम अनुचित, अन्यायपूर्ण और गैरवाजिब है. भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 'यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर ऐसे कदमों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का निर्णय लिया है जब कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में ऐसे कदम उठा रहे हैं. हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण हैं. भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा.'

चीन पर नरमी बरत रहे ट्रंप : गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के चलते भारत पर टैरिफ लगाने का एलान किया है, लेकिन चीन भी बड़े पैमाने पर रूस से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन चीन के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने चुप्पी साधी हुई है.

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत भी चल रही है. हाल ही में स्टॉकहोम में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत भी हुई. अमेरिका ने चीन पर लगाए गए 145 प्रतिशत टैरिफ को फिलहाल 90 दिनों के लिए स्थगित किया हुआ है.

दुष्कर्म के दोषी ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने दिया इस्तीफा,दो युवकों से किया था दुष्कर्म

एजेंसी । नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के एक राज्य सांसद ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया. सांसद को दो युवकों से दुष्कर्म का दोषी पाया गया है और फिलहाल वह जेल में बंद हैं. दोषी सांसद को पद से हटाने के लिए सदन में शुक्रवार को मतदान होना था, लेकिन मतदान से कुछ क्षण पहले ही सांसद ने खुद इस्तीफा दे दिया. न्यू साउथ वेल्स राज्य के निर्दलीय सांसद गैरेथ वार्ड को जुलाई में दो युवकों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था. हालांकि दोषी ठहराए जाने के बावजूद वार्ड ने अपनी सीट से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था.

मतदान से कुछ समय पहले ही छोड़ा पद : शुक्रवार को जब सांसद को पद से हटाने के लिए असेंबली में मतदान होना था तो वार्ड ने कानूनी दांवपेंच से इसे रोकने की कोशिश की, लेकिन जब यह कोशिश असफल रही तो वार्ड ने खुद ही इस्तीफा देने का फैसला किया. 44 वर्षीय वार्ड पर साल 2015 में एक संसदीय कार्यक्रम के बाद एक युवक का यौन उत्पीड़न किया था. वार्ड पर साल 2013 में भी यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगा. बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के एक मामले और अश्लील हरकतें करने के तीन मामलों में गैरेथ वार्ड को सितंबर में दोषी ठहराया गया है. पिछले हफ्ते वार्ड की जमानत रद्द हो गई थी, जिससे उन्हें जेल जाना पड़ा. हालांकि उन्होंने जेल में भी न्यू साउथ वेल्स सीट से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया. वार्ड के इस कदम की खूब आलोचना हुई.

चीन में बारिश के बाद बाढ़ में 10 लोगों की मौत

नयी दिल्ली । चीन के उत्तर-पश्चिमी गांसू प्रांत के युजोंग काउंटी में आई अचानक बाढ़ में 10 लोगों की मौत हो गई है और 33 लोग लापता हैं. गुरुवार से हो रही तेज बारिश के कारण लान्झो शहर के पास पहाड़ी इलाकों में अचानक बाढ़ और एक भूस्खलन की घटना हुई है. यह जानकारी चीन के सरकारी मीडिया ने दी है. भारी बारिश के कारण शिंगलोंग पर्वतीय क्षेत्र में बिजली और दूरसंचार सेवाएं ठप हो गईं, जिससे चार गांवों में रहने वाले 4,000 से अधिक लोग फंस गए हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.